THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 345 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.9 2079 मंगलवार, 28 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सिसोदिया को पांच दिन की रिमांड

शराब नीति केस में होगी पूछताछ, उनके वकील ने कहा था-पॉलिसी एलजी ने मंजूर की थी

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कोर्ट ने सीबीआई को डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की 4 मार्च तक की रिमांड दे दी है। दिल्ली शराब नीति केस में जांच एजेंसी ने सिसोदिया की 5 दिन की कस्टडी मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मान लिया। इससे पहले, सिसोदिया को सोमवार दोपहर 3:10 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। करीब 30 मिनट की सुनवाई के बाद सीबीआई की रिमांड की मांग पर कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सीबीआई ने रविवार को 8 घंटे की पूछताछ के बाद सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने कहा था कि सिसोदिया सवालों के सही जवाब नहीं दे रहे हैं। इसलिए उनकी रिमांड जरूरी है।

सीबीआई वकील ने कोर्ट में कहा, यह पूरा केस प्रॉफिट का है। इसी पर हमारी आगे की इन्वेस्टिगेशन होनी है। सिसोदिया एक्साइज मिनिस्टर हैं और वो मंत्रियों के एक ग्रुप को लीड कर रहे थे। शराब नीति के मॉडल को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई।

सिसोदिया के वकील दयान कृष्णन ने कहा, एलजी ने मई 2021 में पॉलिसी को हरी झंडी दी थी। प्रॉफिट मार्जिन के बारे में सारी बहस हो रही है, उसकी मंजूरी एलजी ने ही दी थी। उन्होंने ही बदलावों की भी रजामंदी दी थी। पहले ही दिन सीबीआई ने फोन के बारे में बात की थी। कहा कि सिसोदिया ने 4 फोन इस्तेमाल किए, 3 को नष्ट कर दिया। क्या सिसोदिया अपना फोन सेकेंड हैंड शॉप पर नहीं दे सकते हैं। वो क्या अपने फोन रखे रहते, क्या उन्हें पता था कि सीबीआई आएगी और उन्हें गिरफ्तार करेगी इसलिए वो फोन रखे रहते?

दयान कृष्णन ने कहा, सीबीआई कह रही है कि जिस तरह वो चाहती है, सिसोदिया उस तरह जवाब नहीं दे रहे हैं। जहां तक जांच में सहयोग की बात है तो सिसोदिया ने सहयोग किया है। उनके घर पर छापा मारा गया। उनके फोन एजेंसी के पास हैं। अब एजेंसी कह रही है कि सिसोदिया गोलमोल जवाब दे रहे हैं। उनके पास यह अधिकार है। एक व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार होते हैं। सीबीआई ने कोर्ट में सबूतों से छेड़छाड़ और फाइल डिलीट की बात नहीं की।

आप नेता और वकील भूपिंदर सिंह जून ने कहा, सीबीआई ने कोर्ट में सिसोदिया के खिलाफ आज एक भी ग्राउंड नहीं बताया। जैसा रूमर है कि फाइल डिलीट की गई है, सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई, ऐसी कोई बात सीबीआई ने कोर्ट में नहीं कही। उन्होंने जो रिमांड की अर्जी दी, उसमें बिल्कुल खामोश रहे।

केंद्रीय मंत्री बोलीं, अपने पाप छिपाने के लिए भगत सिंह का नाम इस्तेमाल ना करो

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, अपने पाप छिपाने के लिए भगत सिंह का नाम इस्तेमाल ना करें। इन्होंने भले ही ईमानदारी के नाम पर सरकार बना ली, लेकिन ये लोग सबसे ज्यादा बेईमान साबित हो चुके हैं। इस सरकार के चलते ही दिल्ली के बच्चे परेशान हो रहे हैं। रिपोर्ट्स में सीबीआई सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि पिछले साल 19 अगस्त को सीबीआई ने दिल्ली एक्साइज डिपार्टमेंट की छानबीन की। वहां से एक डिजिटल डिवाइस सीज की गई। इस डिवाइस से सीबीआई को पता चला कि लिकर पॉलिसी का एक दस्तावेज एक ऐसे सिस्टम को भेजा गया था, जो एक्साइज डिपार्टमेंट के नेटवर्क में था ही नहीं।

इसके बाद सीबीआई ने एक्साइज डिपार्टमेंट के अधिकारी को पूछताछ के लिए बुलाया। उस अफसर ने एक सिस्टम की जानकारी दी, जिसे एजेंसी ने इस साल 14 जनवरी को सिसोदिया के दफ्तर से जब्त किया। इस सिस्टम की ज्यादातर फाइल्स डिलीट कर दी गई थीं, लेकिन अपनी फोरेंसिक टीम की मदद से सीबीआई ने ये डेटा हासिल कर लिया। फोरेंसिक जांच में पता चला की दस्तावेज बाहर से बना और वॉट्सऐप पर रिसीव किया गया।

ये जानकारियां हाथ लगने के बाद सीबीआई ने 1996 बैच के ब्यूरोक्रेट को जांच के लिए बुलाया। ये ब्यूरोक्रेट सिसोदिया के सेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके थे। सूत्रों के मुताबिक, अफसर ने सीबीआई को बताया कि मार्च 2021 में सिसोदिया ने उन्हें केजरीवाल के दफ्तर में बुलाया था। वहां पर अफसर को शराब नीति ड्राफ्ट पर मंत्रियों की रिपोर्ट दी गई। इस दौरान सत्येंद्र जैन भी मौजूद थे। अफसर ने बताया कि इस ड्राफ्ट रिपोर्ट से ही 127 प्रॉफिट मॉर्जिन का नियम आया। इस नियम के लिए कोई चर्चा हुई हो, या इससे जुड़ी कोई फाइल हो, उसका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला।

केजरीवाल बोले : कई सीबीआई अफसर गिरफ्तारी के खिलाफ थे

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल बोले, सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई के पास सबूत नहीं थे। कई अफसर उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ थे। सिसोदिया को राजनीतिक दबाव में गिरफ्तार किया गया है।

राउत बोले, क्या भाजपा में सारे संत हैं?

शिवसेना लीडर संजय राउत ने कहा, सिसोदिया पर हुई कार्रवाई बताती है कि केंद्र सरकार विपक्ष का मुंह बंद कराना चाहती है। हम सिसोदियाजी के साथ हैं। महाराष्ट्र हो, झारखंड हो, दिल्ली हो, केंद्र सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल कर विपक्षी नेताओं को जेल भेज रही है या उन्हें समर्पण पर मजबूर कर रही है। चाहे वो सिसोदिया हों, नवाब मलिक हों, अनिल देशमुख हों या फिर मैं। क्या भाजपा में सारे संत हैं?

खड़गे सिर्फ नाम के अध्यक्ष : मोदी

> कर्नाटक की सभा में कहा, सब जानते हैं रिमोट कंट्रोल किसके हाथ

शिवमोगा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गृह राज्य कर्नाटक में उन पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा, खड़गे सिर्फ नाम के कांग्रेस अध्यक्ष हैं, सबको पता है कि रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है। प्रधानमंत्री सोमवार को शिवमोगा और बेलगावी के दौरे पर थे। प्रधानमंत्री सुबह करीब 12 बजे शिवमोगा पहुंचे और यहां एयरपोर्ट का उद्घाटन किया।

करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एयरपोर्ट का ऊपरी हिस्सा कमल के फूल की तरह डिजाइन किया गया है। मोदी ने इसके अलावा शिवमोगा में ही 3,600 करोड़ और बेलगावी में 2,700 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

येदियुरप्पा के 80वें जन्मदिन पर मोदी की खास बधाई :

कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा भी मौजूद थे। येदियुरप्पा का आज 80वां जन्मदिन है। मोदी ने मंच पर उनके सम्मान में दो बार हाथ जोड़े और झुककर उनका अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने सभा में पहुंचे लोगों से मोबाइल की फ्लैश लाइट ऑन कर येदि को बर्थडे विश कराया। इसके बाद मोदी ने बेलगावी में रोड शो किया। कांग्रेस के राज में 'एअर इंडिया' की पहचान घोटालों के लिए होती थी, घाटे वाले बिजनेस मॉडल के रूप में होती थी, लेकिन आज एअर इंडिया भारत के नए सामर्थ्य के रूप में विश्व में नई ऊंचाई, नई उड़ान भर रहा है।

आज भारत के एविएशन सेक्टर का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। छोटे शहर भी हवाई कनेक्टिविटी से जुड़ें, ऐसी सोच कांग्रेस की थी ही नहीं। हम यह कर रहे हैं। आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा सरकार के काम करने की रफ्तार क्या है। >14

नगालैंड में 81 और मेघालय में 74 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग

दोनों स्टेट की 59-59 सीटों पर मतदान, कुछ बूथों पर फायरिंग-पथराव

शिलॉन्ग/कोहिमा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय और नगालैंड में विधानसभा चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से चल रहा मतदान शाम 5 बजे खत्म हो गया। कुछ बूथों पर फायरिंग और पथराव की घटनाएं हुईं, बाकी इलाकों में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक मेघालय में 74.32 प्रतिशत और नगालैंड में 81.94 प्रतिशत वोट डाले जा चुके हैं। दोनों राज्यों की विधानसभा में 60-60 सीटें हैं लेकिन इनमें से सिर्फ 59-59 सीटों पर मतदान हुआ। इन दोनों राज्यों में के साथ त्रिपुरा में चुनाव के नतीजे 2 मार्च को आएंगे। त्रिपुरा में 16 फरवरी को वोट डाले गए थे।

नगालैंड में 60 सीटें हैं, लेकिन एक सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के नाम वापस लेने के बाद 59 सीटों पर ही वोटिंग होगी। यहां भाजपा प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित कर दिया गया है। वहीं, मेघालय में यूडीपी उम्मीदवार एच.डी.आर. लिंगदोह के निधन के बाद सोहियोंग सीट पर चुनाव टाल दिया गया है।

अतीत को मत खोदो : यह दुश्मनी पैदा करेगा

नामकरण आयोग पर याचिका खारिज करते हुए बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नामकरण आयोग के गठन की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट में प्राचीन धार्मिक स्थलों के मूल नामों का पता लगाने के लिए इस आयोग के गठन की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी।

यह याचिका वरिष्ठ वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दाखिल की गई थी, जिसमें कहा गया था कि देश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धार्मिक स्थलों के मूल नामों का पता लगाने और उनके वर्तमान नाम से आक्रांताओं के नाम को हटाने के लिए एक नामकरण आयोग का गठन किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट पुरातत्व विभाग को पुराने नामों को प्रकाशित करने के लिए निर्देश दे। याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि यह उन मुद्दों को जीवंत करेगा, जो देश में बवाल करवा सकते हैं। फैसला सुनाते हुए बेंच ने कहा कि देश के इतिहास को उसकी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों छेड़ना नहीं चाहिए। कोर्ट ने कहा, हिंदू धर्म एक धर्म नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। इस धर्म में कोई कट्टरता नहीं है। अतीत को मत खोदो जो केवल दुश्मीन पैदा करेगा।

तीन राज्यों की 15 विधान परिषद सीटों पर चुनाव का हुआ एलान

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार में विधान परिषद की 15 सीटों पर चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने विधानपरिषद की इन सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम का एलान कर दिया है।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना की विधान परिषद की 10 सीटों पर मतदान 23 मार्च को होगा जबकि बिहार की पांच सीटों के लिए मतदान 31 मार्च को होगा। दरअसल, इन सीटों के लिए चुने गए विधान परिषद सदस्यों का कार्यकाल मार्च और मई में खत्म होने वाला है।

पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत शुक्रवार तक बढ़ी

असम-यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा समय, पीएम पर विवादित टिप्पणी का मामला

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान देने वाले कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत शुक्रवार तक बढ़ा दी गई है।

असम और उत्तर प्रदेश सरकार ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। जिसके बाद सीजेआई चंद्रचूड़ ने 3 मार्च तक का समय दिया है।

सीजेआई ने यह भी कहा कि पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत भी शुक्रवार तक बढ़ाई गई है। गौरतलब है कि पवन खेड़ा पर यूपी-असम में पीएम मोदी पर विवादित बयान पर 3 एफआईआर दर्ज की गई थीं।

23 फरवरी को असम पुलिस ने अरेस्ट किया था :

23 फरवरी को पार्टी अधिवेशन में दिल्ली से रायपुर जाने के दौरान असम पुलिस ने खेड़ा को फ्लाइट से उतारकर गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद अभिषेक मनु सिंघवी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने खेड़ा को राहत देते हुए 28 फरवरी तक अंतरिम जमानत दे दी थी। यानी इस दौरान गिरफ्तारी से उन्हें छूट मिल गई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख आज के लिए तय की थी। इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार 3 मार्च को होगी।

खेड़ा पर 3 एफआईआर, कोर्ट ने दिए क्लब करने के आदेश :

पवन खेड़ा के खिलाफ यूपी के लखनऊ-वारणसी और असम में दर्ज तीनों एफआईआर को एक जगह क्लब करने का आदेश दिया गया था। कोर्ट ने इसके लिए यूपी और असम को नोटिस भी जारी किया था। 23 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने खेड़ा को 30 हजार के बॉन्ड पर अंतरिम जमानत दी थी। फैसला असम पुलिस के ट्रांजिट रिमांड की मांग पर सुनाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा था, बयान संभल कर दें :

कोर्ट ने खेड़ा को राहत के साथ चेतावनी भी दी थी। सीजेआई ने कहा था, हमने आपको प्रोटेक्शन (गिरफ्तारी से) दिया है, लेकिन बयानबाजी का भी कुछ स्तर होना चाहिए। इस पर खेड़ा के वकील सिंघवी ने कहा, हम भी इस तरह के बयान का समर्थन नहीं करते।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ जवानों पर हमला

100 से ज्यादा बांग्लादेशी ग्रामीणों ने धारदार हथियारों से मारा, बंदूकें भी छीनीं, 2 जवान गंभीर

बेरहामपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल बॉर्डर पर भारतीय किसानों की सुरक्षा में ड्यूटी कर रहे बीएसएफ जवानों पर बांग्लादेशी ग्रामीणों और बदमाशों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इनके सिर पर गंभीर चोट आई है। जवानों के हथियार भी छीन लिए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों घायल जवानों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

बीएसएफ के मुताबिक, घटना रविवार को बंगाल फ्रंटियर के बेरहामपुर सेक्टर में बनी निर्मलचर पोस्ट 35 बटालियन के इलाके में हुई। बीएसएफ ने इस मामले को बॉर्डर गाड्र्स बांग्लादेश (बीजीबी) के सामने उठाया और फ्लैग मीटिंग बुलाई है, ताकि बांग्लादेशी बदमाशों से जवानों के हथियार बरामद किए जा सकें और ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मवेशियों को भारतीय सीमा में छोड़ देते हैं बांग्लादेशी :

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में आने वाला यह क्षेत्र बांग्लादेश की सीमा से लगता है। निर्मलचर गांव के लोगों का आरोप है कि बांग्लादेशी किसान फसलों को नुकसान पहुंचाने के लिए अपने मवेशियों को जानबूझकर हमारे खेतों में छोड़ देते हैं। वे इसी बहाने भारतीय सीमा में भी अवैध तरीके से आ जाते हैं। शिकायत पर उनकी सिक्योरिटी के लिए बीएसएफ ने यहां अस्थायी चौकी बनाई है।

घटना वाले दिन किसानों के बीच बदमाश भी घुसे रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को बॉर्डर पोस्ट निर्मलचर पर जवान ड्यूटी कर रहे थे। इस बीच उन्होंने बांग्लादेशी किसानों को भारतीय सीमा में आने से रोक दिया। देखते ही देखते बांग्लादेश से आए सौ से ज्यादा किसानों और उनके बीच घुसे बदमाशों ने भारतीय सीमा में घुसकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जवानों पर हमला कर दिया। इसके बाद वापस भाग गए। बीएसएफ ने रानीताला थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई है।

पहले भी हो चुके हैं जवानों पर हमले

साउथ बंगाल फ्रंटियर के एक प्रवक्ता ने बताया कि जब तस्कर और अपराधियों को सीमा पार अपनी अवैध गतिविधियों में सफलता नहीं मिलती है तो वे जवानों पर हमला कर देते हैं। पहले भी जवानों पर बदमाशों और उनके साथियों ने हमला किया है, लेकिन जवान उन्हें उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देते।

23 फरवरी को ही हुई कूचबिहार में बीएसएफ-बीजीबी की बैठक :

हमले से 3 दिन पहले ही चांगरबांधा में 23 फरवरी को बीएसएफ-बीजीबी की कमांडर लेवल बैठक हुई थी। इस बैठक में भी सीमा पार से होने वाले अपराधों, अवैध निर्माण, बांग्लादेशियों की घुसपैठ से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

एनआईए ने भेजा मुंबई पुलिस को अलर्ट

चीन-हांगकांग से ट्रेनिंग लेने वाला खतरनाक सरफराज मेमन मुंबई आ चुका है

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मुंबई पुलिस को अलर्ट भेजा है। जिसमें एक खतरनाक शख्स के मुंबई में आने की खबर है। मुंबई पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि एनआईए ने ईमेल भेजा है, जिसमें सरफराज मेमन नाम के शख्स का जिक्र है। एजेंसी ने सरफराज को देश के लिए खतरनाक बताया है, साथ ही पुलिस को अलर्ट रहने के लिए भी कहा है। अलर्ट मेल में एनआईए ने यह भी कहा है कि सरफराज मध्यप्रदेश का रहने वाला है। उसने चीन और हांगकांग में ट्रेनिंग ली है। एजेंसी ने मुंबई पुलिस को सरफराज का आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट भी मेल किया है। मुंबई पुलिस ने इस मामले में इंदौर पुलिस को भी खबर की है। फरवरी की शुरूआत में भी एनआईए को एक अनजान शख्स का मेल मिला था, जिसमें उसके तालिबानी होने का दावा किया गया था। साथ ही मेल में मुंबई में आतंकी हमले की धमकी दी गई थी। एनआईए ने मुंबई पुलिस को घटनाक्रम के बारे में बताया था, जिसके बाद महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों को अलर्ट पर रखा गया है।

खुशबू सुंदर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य नामित

बोलीं-नारी शक्ति की रक्षा के लिए करूंगी कड़ी मेहनत

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा नेता खुशबू सुंदर को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सदस्य सुंदर ने अपनी नियुक्ति की अधिसूचना सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने उन्हें बधाई दी और कहा कि उनकी नियुक्ति महिलाओं के अधिकारों के लिए उनके अथक प्रयास और लड़ाई को मान्यता देती है।

उन्होंने कहा, मैं अपने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं नारी शक्ति की रक्षा, संरक्षण और पोषण के लिए कड़ी मेहनत करूंगी, जो आपके नेतृत्व में तेजी से बढ़ रही हैं। बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री से राजनेता बनीं सुंदर शुरू में द्रमुक में शामिल हो गईं थीं, लेकिन बाद में कांग्रेस में चली गईं और पार्टी के प्रवक्ता बन गईं। इसके बाद वह भाजपा में चली गईं और 2021 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव लड़ा। उन्हें द्रमुक के एन एझिलन ने हराया था।

नेल्लोर में छह लोगों की डूबने से मौत

विजयवाड़ा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के टोडेरू गांव के एक तालाब में छह लोगों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया, 10 लोग तालाब में मछली पकड़ने के लिए उतरे थे, जिसमें चार लोग बचने में कामयाब हो गए।

पुलिस ने बताया, सभी लोग तैरना जानते थे, लेकिन दलदल में फंसने के कारण छह लोग बाहर नहीं निकल सके और डूब गए। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में अली श्रीनाथ (18), प्रशांत (28), रघु (24), बालाजी (18), कल्याण (25) और सुरेंद्र (18) शामिल हैं। नेल्लोर के पुलिस अधीक्षक सी विजया राव ने दुर्घटना के बारे में बताया, सभी पीड़ित तालाब के केयरटेकर को बिना बताए नाव लेकर तालाब में उतरे थे।

शहीद जवानों के शवों को नहीं मिला ताबूत, सीआरपीएफ ने मुहैया कराई चारपाई और कंबल

सुकमा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा में 25 फरवरी को जगरगुंडा-कुंदेड़ के बीच नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड 'डीआरजी' के तीन जवान शहीद हो गए थे। सैंकड़ों की संख्या में मौजूद नक्सलियों ने घात लगाकर डीआरजी दस्ते पर हमला बोला था। शहीदों के पार्थिव शरीर को जब अंतिम सलामी दी गई, तो वहां पर 'ताबूत' की व्यवस्था नहीं थी। जगरगुंडा में सीआरपीएफ की कंपनी ने जवानों के पार्थिव शरीर को रखने के लिए चारपाई और कंबल मुहैया कराया। उसके बाद शवों को तिरंगे में रखा गया।

जगरगुंडा-कुंदेड़ के बीच सड़क निर्माण का काम चल रहा था। उस जगह की सुरक्षा देने के लिए डीआरजी को तैनात किया गया। इसके अलावा नक्सल प्रभावित क्षेत्र में, डीआरजी के जवान किसी बड़े ऑपरेशन की तैयारी कर रहे थे। जैसे ही डीआरजी का दस्ता वहां से गुजरने लगा, पहले से मौजूद नक्सलियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। चारों तरफ से जवानों पर गोलियां बरसाई गईं।

नक्सलियों की संख्या करीब 150-200 बताई जा रही है। घात लगाकर हुए हमले में जवानों ने बहादुरी के साथ नक्सलियों का मुकाबला किया। उन्हें मुंहतोड़ जवाब देकर वहां से खदेड़ा। पुलिस ने कई नक्सलियों के मारे जाने का दावा किया है। हमले में डीआरजी के एएसआई रामूराम नाग, सहायक कांस्टेबल कुंजम जोगा और सैनिक वंजम भीमा शहीद हो गए। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने ट्वीट के जरिए जवानों की शहादत पर दुख जताया। उन्होंने शहीदों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, जवानों का बलिदान बेकार नहीं जाएगा। हमले के बाद जवानों के शवों को जगरगुंडा स्थित पुलिस कैंप में अंतिम सलामी दी गई। जब यह रस्म अदा की जा रही थी, तो शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को रखने के लिए ताबूत की व्यवस्था नहीं थी।

न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखनी होगी, शीर्ष कोर्ट ने की रक्षा मंत्रालय की खिंचाई

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनभोगियों को वन रैंक-वन पेंशन के बकाए के भुगतान के मुद्दे पर रक्षा मंत्रालय की खिंचाई की। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखनी होगी। भारतीय पूर्व सैनिक आंदोलन (आईईएमएम) ने याचिका दायर की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। दरअसल, वन रैंक-वन पेंशन (ओआरओपी) योजना के बकाये का भुगतान चार के बजाय एक ही किस्त में करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। याचिका दायर करने वाले पूर्व सैनिकों के एक समूह ने शीर्ष अदालत से इस संदर्भ में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की थी। याचिका में रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी 20 जनवरी, 2023 के केंद्र के संवाद को रद्द करने की भी मांग की गई है।

कहीं 10 फीट गड्ढा तो कहीं खेतों-घरों में दरार

खिसकते जोशीमठ से गुजरेगी चारधाम यात्रा, लाखों गाड़ियां आईं तो क्या होगा

जोशीमठ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। 22 अप्रैल 2023 से चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है। करीब सवा लाख लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। चारधाम यात्रा के रूट पर ही जोशीमठ भी पड़ता है। यात्रा शुरू होने में बस दो महीने बचे हैं, लेकिन बद्रीनाथ हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे बन जाने और जल स्त्रोत फूटने की खबरें आ रही हैं। सड़कों पर ये ताजे गड्ढे 10 फीट तक भी गहरे हैं। 20 फरवरी को जोशीमठ में रेलवे गेस्ट हाउस के पास करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया, ये गड्ढा आम गड्ढा नहीं, बल्कि जोशीमठ के दरकने से ही जुड़ा है। जोशीमठ के पास बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर करीब 10 और बड़ी दरारें आने की खबर है।

26 फरवरी को भी बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर भुस वडियार के पास अचानक पानी बहने लगा। बाद में कहा गया कि ऐसा खेती के लिए बनी पाइपलाइन फटने से हुआ। एसडीएम जोशीमठ कुमकुम जोशी मौके पर पहुंचीं और बताया कि पानी रिसने से सड़क को नुकसान हुआ है, भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

जोशीमठ खिसक रहा, बद्रीनाथ कैसे पहुंचेंगे श्रद्धालु

चारधाम यात्रा बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री से गुजरती है। जोशीमठ के सुनील, स्वी, मनोहरबाग, टिनाग, सिंहधार, मारवाडी, चुनार, गांधीनगर, रविग्राम, कोठिला में मकानों और खेतों में नई दरारें आ रही हैं। जोशीमठ रेलवे रिजर्वेशन केंद्र के सामने बद्रीनाथ हाईवे पर दो दिन पहले हुए एक बड़े गड्ढे को बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) की टीम में पत्थर डालकर भरने का काम शुरू किया है।

रोपवे तिराहे के पास भी एक बड़ा गड्ढा हो गया है। जोशीमठ और मारवाड़ी के बीच 10 किमी के दायरे में नई दरारें आने की बात जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संजय उनियाल ने भी मानी है। संघर्ष समिति से जुड़े अतुल सती ने कहा- 'अभी तो थोड़ी ही बारिश में ये गड्ढे बन रहे हैं, दरारें आ रही हैं। दो महीने बाद जब यहां से हजारों वाहन और लाखों लोग गुजरेंगे तब क्या होगा।' उधर, तहसीलदार रवि शाह ने हालात काबू में बताए हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि चारधाम यात्रा के लिए जोशीमठ का ये रूट और बद्रीनाथ हाईवे तैयार है?

फिलहाल उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत जोशीमठ में डिजास्टर मैनेजमेंट कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन भी जोशीमठ शहर में कैंप बनाएगा। इससे कोई इमरजेंसी होने पर टीम राहत के लिए तुरंत पहुंच पाएगी। बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजयेंद्र के मुताबिक 'पर्यटन विभाग इस साल चारधाम यात्रा में यात्रियों की सीमा तय कर सकता है। चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड 40 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।'

जोशीमठ में दरारें बढ़ रहीं, मुआवजा और पुनर्वास सिर्फ वादों में

भले ही उत्तराखंड सरकार चारधाम यात्रा की तैयारियों में जुटी हो, लेकिन जोशीमठ के लोगों को अब भी चिंता है कि उनके घर कैसे बचेंगे, वो कहां रहेंगे। दरारें लगातार बढ़ रही हैं और दरके हुए घरों को छोड़कर कैंप और दूसरी जगहों पर रह रहे लोगों को स्थायी ठिकाना और मुआवजा नहीं मिल पाया है।

जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक अतुल सती कहते हैं कि 'नरसिंह मंदिर को जाने वाले रास्ते में नई दरारें दिख रही हैं। यही रास्ता जोशीमठ से बद्रीनाथ को जाने वाला मुख्य मार्ग है।' सती के मुताबिक, जोशीमठ से मारवाड़ी जाने वाले रास्ते में भी नई दरारें देखने में आई हैं, इस रास्ते का इस्तेमाल यात्री बद्रीनाथ से लौटने के लिए करते हैं और ये बाद में जोशीमठ के मुख्य शहर से होकर गुजरता है।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला की तबीयत बिगड़ी

नोएडा के अस्पताल में चल रहा उपचार

शिमला, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उनकी तबीयत खराब होने की जानकारी मिली है। राज्यपाल की पीठ में दर्द बताई जा रही है। नोएडा के सेक्टर 27 के कैलाश अस्पताल में राज्यपाल का इलाज चल रहा है।

आगामी कार्यक्रम अभी होल्ड कर दिए गए हैं। गौर हो कि हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल पद संभालने के बाद शिव प्रताप शुक्ला का यह पहला दिल्ली दौरा है। शनिवार को शुक्ला ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की थी और हिमाचली टोपी भेंट की थी। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात कर हिमाचल प्रदेश की पारंपरिक टोपी और चंबा रुमाल भेंट किए।

अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- योजना राष्ट्रहित में, फैसले में दखल की वजह नहीं दिखती

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा- अग्निपथ योजना सेना की बेहतरी और राष्ट्रहित में लिया गया फैसला है। इसलिए सरकार के फैसले में कोर्ट के दखल देने की कोई वजह नहीं दिखती।

15 दिसंबर 2022 को कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं और केंद्र सरकार की दलीलें सुनने का बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला सुरक्षित रखते हुए कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर किसी को कोई आपत्ति है तो वो अपनी लिखित दलीलें दाखिल करें। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी, इसमें जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद भी शामिल थे।

14 जून 2022 को पेश हुई थी अग्निवीर स्कीम

अग्निपथ स्कीम को 14 जून, 2022 को पेश किया गया था। इस स्कीम के तहत आर्म्ड फोर्सेज में युवाओं का भर्ती किए जाने के नए नियम बताए गए थे। इन नियमों के मुताबिक, साढे 17 साल से लेकर 21 साल तक की उम्र के युवा ही इसमें अप्लाय कर पाएंगे और उन्हें चार साल के लिए भर्ती किया जाएगा। सरकार ने यह कदम तनख्वाह और पेंशन का बजट कम करने के लिए उठाया था। भर्ती किए गए लोगों में से 25% को नियमित सर्विस के लिए चुना जाएगा। इस स्कीम की घोषणा होने के बाद देश के कई हिस्सों में युवाओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। इस दौरान कई जगह उपद्रव भी देखने को मिला। इन्हें देखते हुए सरकार ने भर्ती होने के लिए उम्र की सीमा को बढ़ाकर 21 से 23 साल कर दिया।

सरकार ने कहा-हमने अच्छी भावना के साथ काम किया

दिल्ली हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल कर इस स्कीम पर रोक लगाने की मांग की गई थी। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्य भाटी और केंद्र सरकार के वकील हरीश वैद्यनाथन ने केंद्र की तरफ से कहा था कि अग्निपथ स्कीम डिफेंस रिक्रूटमेंट में हुए सबसे बड़े नीतिगत बदलावों में से एक है और इससे सेना में भर्ती की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आने वाला है। उन्होंने कहा था कि उम्र सीमा में दो साल की छूट दी गई है, जिसका फायदा 10 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने उठाया है। उन्होंने कहा कि हम हलफनामे में सब कुछ नहीं दे सकते हैं, लेकिन यह निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि हमने अच्छी और सच्ची भावना के साथ काम किया। कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दिसंबर 2022 में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

केरल सरकार के खर्चे पर इस्राइल गया किसान किरकिरी कराने के बाद लौटा

घर पर कही थी वापस न आने की बात

कालीकट, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बीते दिनों केरल सरकार ने किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल इस्राइल भेजा था, जिसमें से एक किसान गायब हो गया था। इस मुद्दे को लेकर केरल सरकार की खूब किरकिरी हुई थी और विपक्ष ने भी राज्य सरकार को निशाने पर लिया था। अब खबर आई है कि इस्राइल दौरे पर गायब हुआ किसान वापस केरल लौट आया है। पत्रकारों से बात करते हुए किसान ने कहा कि वह गायब नहीं हुआ था बल्कि यहूदियों के पवित्र स्थल जेरुसलम और बेथेलम घूमने गया था!

बता दें कि केरल सरकार ने किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल को इस्राइल में खेती की नई तकनीक सीखने भेजा था। इसी प्रतिनिधिमंडल में शामिल किसान बीजू कूरियन (48 वर्षीय) दौरा खत्म होने के बाद लापता हो गया था। सोमवार सुबह करीब 5 बजे वह कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इस दौरान उसने केरल सरकार, राज्य के कृषि मंत्री पी प्रसाद और प्रतिनिधिमंडल के 27 सदस्यों से माफी भी मांगी। किसान ने बताया कि दौरा खत्म होने के बाद वह इस्राइल के पवित्र स्थलों जेरुसलम और बेथलेहेम घूमने चला गया था। किसान ने बताया कि इस बीच उसे पता चला कि उसके लापता होने की खबरें मीडिया में चल रही हैं। ऐसे में वह घबरा गया। किसान ने बताया कि उसने किसी की मदद से अपने घर फोन करके खुद के सुरक्षित होने की जानकारी दी। किसान अपने भाई की मदद से वापस केरल लौट सका। किसान ने बताया कि उसका वीजा 8 मई तक वैलिड है, ऐसे में उसने कुछ भी गलत नहीं किया है। बता दें कि किसान के गायब होने के बाद केरल सरकार ने इस्राइल स्थित भारतीय दूतावास से मदद मांगी थी और मामले की जांच के आदेश दिए थे।

बता दें कि प्रतिनिधिमंडल के साथ गए अन्य किसानों ने दावा किया था कि बीजू कूरियन गैरकानूनी रूप से इस्राइल में बसने की तैयारी कर रहा है। ऐसी भी खबरें आई थी कि कूरियन ने अपने परिवार को फोन करके कहा था कि उसे ढूंढने की कोशिश ना करें। भारतीय दूतावास ने भी कूरियन के लापता होने की शिकायत इस्राइल पुलिस से की थी, जिसके बाद इस्राइल पुलिस द्वारा कूरियन की तलाश की जा रही थी। केरल के कृषि मंत्री ने कहा था कि इस घटना से राज्य सरकार की किरकिरी हुई है।

68 साल के सेवानिवृत्त अफसर को लगाया मंत्री का ओएसडी, वेतन करीब 40 हजार

शिमला, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार भी सेवानिवृत्त अधिकारियों का बुढ़ापा संवारती नजर आ रही है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री के साथ एक ऐसे सेवानिवृत्त अफसर ओएसडी लगाए गए, जिन्हें सेवानिवृत्त हुए करीब दस साल होने लगे हैं। इसी तरह एक अन्य मंत्री के साथ एक अन्य ओएसडी के तौर पर दो साल पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके अफसर को लगाया गया है। एक अन्य सेवानिवृत्त अफसर को पुनर्रोजगार देने के आदेश हो चुके हैं।

इनकी भी जल्दी नियुक्ति हो जाएगी। जयराम सरकार जहां सेवानिवृत्त अफसरों की प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने के कांग्रेस के निशाने पर रह चुकी है, वहीं अब कांग्रेस सरकार भी उसी रास्ते पर चलती नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार जिस तरीके से सेवानिवृत्तों की मंत्रियों के साथ नियुक्तियां हो रही हैं, उससे सचिवालय सेवा अधिकारियों के एक वर्ग में खासा रोष है।

दरअसल, सचिवालय सेवा के बहुत सारे अधिकारी ऐसे हैं, जो मंत्रियों के साथ दोनों सरकारों में बेहतरीन सेवाएं दे चुके हैं। ऐसे अधिकारियों को मंत्रियों के कार्यालयों से हटा दिया गया है और उन्हें अफसरों के साथ लगाया जा रहा है। ऐसे कई अधिकारियों में भी इससे नाराजगी की स्थिति बन गई है। मंत्रियों के पास निजी सचिवों के आमतौर पर दो ही पद होते हैं। ओएसडी की नियुक्तियों के बाद अब निजी सचिवों की एक-एक पदों पर ही नियुक्तियां हो रही हैं। सचिवालय सेवा अधिकारियों की यह नाराजगी अभी अंदरखाते चल रही है। आने वाले दिनों में यह सामने आ सकती है। वहीं, राज्य सचिवालय सेवाओं के आला अधिकारियों से भी इस बारे में पूछा जाता है तो वे इस संबंध में किसी भी तरह की टिप्पणी से बच रहे हैं।

पीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता पटेरिया को मिली जमानत

जबलपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनत टिप्पणी करने वाले कांग्रेस के पूर्व मंत्री राजा पटेरिया को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने उन्हें जमानत दे दी है। ढाई माह से अधिक समय जेल में बंद रहने के बाद कांग्रेस नेता को जमानत का लाभ मिला है। हाईकोर्ट ने पूर्व में तल्ख टिप्पणी के साथ उनकी तरफ से दायर जमानत आवेदन को खारिज कर दिया था। दूसरे आवेदन की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने उन्हें जमानत का लाभ प्रदान किया है।

प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने तथा अल्पसंख्यकों को धर्म व जाति के नाम पर उकसाने के अपराध में पन्ना के पवई थाने में कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री राजा पटेरिया के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने 13 दिसंबर को उन्हें गिरफ्तार किया था। पवई कोर्ट तथा ग्वालियर जिले की विशेष (एमपी-एमएलए) कोर्ट से उनकी जमानत खारिज खारिज हो गयी थी। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली थी। हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में दायर जमानत याचिका सुनवाई के लिए मुख्य पीठ में ट्रांसफर कर दी गई। याचिका की सुनवाई के बाद एकलपीठ को बताया गया था कि आवेदक के खिलाफ जो धाराएं लगाई गई हैं, उसमें कोई तथ्य नहीं हैं। राजनीति दुर्भावना के कारण उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। जो सीडी पेश की गयी है, उसमें छेड़छाड़ की गयी है। आवेदक ने जो वक्तव्य दिया था, उसी में मंतव्य भी स्पष्ट कर दिया था। उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया था। वहीं, शासन की ओर से जमानत का विरोध किया गया। एकलपीठ ने 11 जनवरी को याचिका को खारिज करते हुए अपने फैसले में कहा था कि जमानत आवेदन पर सीडी का परीक्षण व उसकी शुध्दता पर विचार करना उचित नहीं होगा।

नंदीग्राम गौशाला में पहुंचे सीएम मनोहर लाल

अधिकारियों से 45 गायों की मौत के मामले में ली जानकारी

करनाल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सोमवार को करनाल नगर निगम की फूसगढ़ स्थित नंदीग्राम गौशाला पहुंचे। जहां सीए ने अधिकारियों से पिछले दिनों हुई 45 गायों की मौत के मामले की जानकारी ली।

वहीं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शेड में जाकर गायों का हाल-चाल देखा और उन्हें हरा चारा और गुड़ खिलाया। इस दौरान एसपी ने मौके पर बताया कि गायों के मौत के मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तीन अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

5 हजार के बदले वसूले 40 लाख रुपए

रीवा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। एक सफाईकर्मी उधारी के 5 हजार रुपए लौटा नहीं सका तो सूदखोर ने उसकी पासबुक और चेक बुक छीन ली। उसे मार-पीटकर गांव भगा दिया। फिर उसकी जगह खुद नौकरी करने लगा। आरोपी ने 10 साल में करीब 40 लाख रुपए सैलरी सफाईकर्मी के खाते से उठाई। उसके नाम से कई बैंक अकाउंट खुलवाकर लोन लिया और एक बुलेट भी फाइनेंस करा ली। इसका खुलासा तब हुआ जब किस्त जमा न होने पर फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी, सफाईकर्मी के गांव पहुंचे। मामला मध्यप्रदेश के सतना नगर निगम का है। इसकी शिकायत 52 साल के सफाईकर्मी श्यामबिहारी आदिवासी ने की है। उसने पत्नी का इलाज कराने के लिए सतना निवासी आरोपी मनीष पांडेय (40) से 5 हजार रुपए लिए थे। असली निगमकर्मी ने वकील के माध्यम से सतना निगमायुक्त, सिटी कोतवाली, एसपी, आईजी, डीआईजी, आयुक्त नगरीय प्रशासन, गृहमंत्री सहित मुख्यमंत्री के पास शिकायत की।

रोचक खबरें

हिरण के सिर पर दिखा दूसरे साथी का सिर, लोग बोले-लड़ाई में जीत का सबूत

सोशल मीडिया पर वाइल्डलाइफ से जुड़े ऐसे तमाम वीडियो देखे होंगे. जो या तो आपको हैरान कर देंगे. या फिर चेहरे पर मुस्कान ला देंगे. कभी जानवरों के संघर्ष रोंगटे खड़े कर देते हैं तो कभी उनकी हरकतें इतनी ज़बरदस्त होती हैं कि देखने वाला पल में अपनी सारी थकान भूल जाएगा. लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर वाइल्ड लाइफ का एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसे देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. एक ही प्रजाति के दो जानवरों ने आपस में ऐसी जंग लड़ी किसका सबूत जीतने वाला जानवर सिर पर लेकर घूमता नजर आया. ट्विटर के @JustTerrifying पर शेयर एक वीडियो में बारहसिंघे के सिर पर दो दो सिर देखकर लोग चौंक गए. दोनों सिर आमने सामने की मुद्रा में थे. वीडियो के कैप्शन के मुताबिक, हिरण के सिर पर मौजूद दूसरा सिर उसकी जीत का प्रतीक था. जो उसने दूसरे हिरण से जंग के दौरान उसे मारकर हासिल किया है. वीडियो को 72 लाख से ज्यादा व्यूज मिले हैं.

बारहसिंहा के सिर पर अटक गया दूसरे बारहसिंगा का सिर

इंटरनेट पर एक ऐऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जो देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे मुमकिन है कि इससे पहले ऐसा वीडियो आपने नहीं देखा होगा. वीडियो में एक बारहसिंघा नजर आ रहा है जिसका सिर आपको कुछ अजीब दिख सकता है. असल में उसके सिर पर एक दूसरे बारहसिंघा का सिर सींगों से फंसा हुआ है. जो देखकर आप हैरान रह जाएंगे जैसे ही बारहसिंघा पीछे की तरफ मुड़ा सिर पर फंसी सिंह का चेहरा साफ नजर आने लगा.

13 महीने के अंदर महिला ने 2 बार दिया ट्वीन्स को जन्म, डॉक्टरों ने कहा दुर्लभ

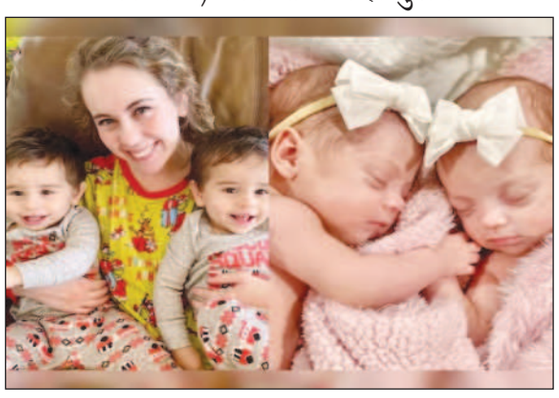

दुनिया में ऐसे-ऐसे करिश्में होते हैं जो लोगो की सोच से परे होते हैं. एक महिला ने कुदरत के सबसे बड़े नियम को धता बता दिया. अब तक हम सब यही जानते हैं कि इंसान का बच्चा नौ महीने माँ की कोख में रहता है और फिर जन्म लेता है. कुछ विशेष परिस्थितियों में सात महीने में भी बच्चों का जन्म हो जाता है. लेकिन एक महिला ने 13 महीने के भीतर चार बच्चों को जन्म देकर आम लोगों के साथ डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया. उन्होंन 2 बार ट्विन्स को जन्म दिया. इस विशेष परिस्थिति को कहते हैं 'मोमो ट्विन्स'. अमेरिका में एक महिला ने 13 महीने के अंदर दो बार जुड़वां बच्चों को जन्म देकर हर किसी को हैरान कर दिया. इस परिस्थिति को मोमो, या मोनोएम्नियोटिक-मोनोकोरियोनिक जुड़वां भी कहते हैं. जिसमें मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा रहता है. ब्रिटनी और फ्रेंकी अल्बा के पहले जुड़वां बच्चे सिर्फ एक साल पहले टस्कालोसा, अलबामा में हुए थे. 6 महीने बाद ही पत्नी ने दोबारा जुड़वा बच्चों को जन्म देकर हर किसी को चौंका दिया. 13 महीने में दो बार जुड़वां बच्चों के दो जोड़ों को जन्म देने वाली महिला ब्रिटनी ने पहले जुड़वां लड़कों लेवी और लुका को जन्म दिया और उसके छह महीने बाद ही उसने जुड़वा बेटियों लिडिया और लिली को जन्म दिया. डिलिवरी सी सेक्शन द्वारा कराई गई. दूसरी प्रेगनेंसी बेहद दुर्लभ थी, साथ ही रिस्क भी ज्यादा था. लिहाज़ा खास एहतियात की ज़रूरत थी. इसीलिए ब्रिटनी को करीब 50 दिनों तक अस्पताल में ही रहना पड़ा. ताकि उनकी पल पल निगरानी की जा सके. ब्रिटनी कहती हैं- ये दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे. उन पर और बच्चों की जिंदगी पर लगातार खतरा मंडरा रहा था. लेकिन किस्मत ने साथ दिया और सब कुछ ठीक से हो गया और परिवार में खुशियां छा गई.

राजस्थान में सिरोही नस्ल के बकरे किये गए निशुल्क वितरित

राज्य में समृद्ध पशुपालन के लिए नित नए नवाचार कर पशुपालकों की आय में वृद्धि के स्त्रोत विकसित करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं । राज्य सरकार द्वारा उच्च नस्लीय पशुधन उत्पादकता के जरिए पशुपालकों के लिए आय एवं रोजगार के संसाधन विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत सिरोही नस्ल के बकरे निःशुल्क वितरित किये जा रहे हैं। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रवीण सेन ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत सिरोही नस्ल बकरी विकास परियोजना के तहत बकरी पालकों को अब तक 124 सिरोही नस्ल के बकरे निःशुल्क वितरित किये गए हैं। उन्होंने बताया कि मानपुरा-माचेड़ी, चाकसू में निःशुल्क बकरा वितरण के लिए शिविर लगाकर पशुपालकों को उच्च नस्लीय बकरों का निशुल्क वितरण किया गया है। इस मौके पर मौजूद लाभार्थी पशुपालकों ने राज्य सरकार द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि उच्च नस्लीय बकरी पालन से उनकी आय में भी लगातार वृद्धि हो रही है साथ ही वे अन्य बेरोजगार युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध करवा पा रहे हैं। इस मौके पर अतिरिक्त निदेशक डॉ.उम्मेद सिंह, उप निदेशक डॉ. पदमचंद, डॉ. विनय चौधरी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

जो लोग दुखों को बांटते हैं वो खुदा होते हैं
जो दुखों को देख कर मुहं फेर लें वो बेहुदा होते हैं...

स्टेशन घनपुर को जल्द ही नगर पालिका बनाया जाएगा : केटीआर

हनमकोंडा, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि स्टेशन घनपुर ग्राम पंचायत को जल्द ही एक नगरपालिका में अपग्रेड किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एक डिग्री कॉलेज (सामान्य) स्थापित करने की मांग को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावके संज्ञान में लिया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इसे मंजूरी दी जाएगी। केटीआर, जिन्होंने सोमवार को स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया, ने वेलेयर मंडल के सोडाशापल्ली गांव में पंचायत राज और सड़क और भवन विभाग द्वारा बनाई जाने वाली तीन लिफ्ट सिंचाई योजनाओं और सड़कों के निर्माण की नींव रखी। बाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि बीआरएससरकार द्वारा किए गए प्रयासों के कारण तेलंगाना राज्य कृषि के क्षेत्र में पंजाब और हरियाणा के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा था, जिसमें सूखे की सिंचाई के लिए देवदुला लिफ्ट सिंचाई परियोजना सहित कई सिंचाई परियोजनाएं स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा देवदुला लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर 8,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों की भी विस्तृत जानकारी दी। बीआरएस पार्टी द्वारा परिवार शासन के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने एक बार फिर कहा कि तेलंगाना के चार करोड़ लोग उनके परिवार के सदस्य हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने लोगों से कांग्रेस और भाजपापार्टियों द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार के झांसे में नहीं आने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि 50 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस प्रदेश और देश का विकास करने में विफल रही है। जहां 134 करोड़ रुपये की लागत से ट्री लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा, वहीं इनसे नौ मंडलों के 30 गांवों की 6794 एकड़ जमीन को सिंचाई के अलावा पीने का पानी भी सुनिश्चित होगा। मंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली अनंतराम-नारायणगिरी सड़क की नींव भी रखी। उन्होंने यह भी कहा कि काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण (कुडा) द्वारा 4 करोड़ रुपये की धनराशि से धर्मसागर जलाशय के बांध को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। मंत्री येर्राबेली दयाकर राव, सत्यवती राठौड़, रैतु बंधु समिति के अध्यक्ष पल्ला राजेश्वर रेड्डी, स्थानीय विधायक टी. राजैया, विधायक, एमएलसी और तत्कालीन वारंगल जिले के अन्य नेताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

टीपीसीसी ने राज्य आबकारी आयुक्त कार्यालय में विरोध-प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी ने आज शराबबंदी और आबकारी विभाग के राज्य आयुक्त कार्यालय के सामने एक विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष चामला किरण कुमार और खैरताबाद डीसीसी के अध्यक्ष रोहिन रेड्डी ने कहा कि ड्रग्स और शराब के बढ़ते उपयोग से तेलंगाना में अपराधों की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध काफी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं और शराब की बढ़ती खपत का समाज पर भयानक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शराब की बिक्री से राज्य सरकार की आय कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कानून व्यवस्था की स्थिति कम हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवा नशीले पदार्थों और शराब के सेवन के कारण गलत रास्ते पर जा रहे हैं और कहा कि नशीले पदार्थों और शराब के सेवन के कारण उनका भविष्य खराब हो रहा है।

सभी शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग निगरानी समितियां गठित करे सरकार : माकपा

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल के काकतीय मेडिकल कॉलेज (केएमसी) से पीजी मेडिकल छात्रा प्रीति की मौत के मद्देनजर, सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने आज राज्य सरकार से रैगिंग निगरानी समितियों और एक टोल की स्थापना की मांग की। साथ ही राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों में टोल फ्री नंबर भी जारी करने की मांग की। उन्होंने एक बयान में पीजी मेडिकल छात्र की मौत का मुद्दा उठाते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने राज्य सरकार से मामले की विस्तृत जांच के आदेश देने और प्रीति के परिवार के सदस्यों के साथ न्याय करने की मांग की। उन्होंने सीनियर्स द्वारा जूनियर छात्रों के उत्पीड़न के कारण बढ़ती आत्महत्या के मामलों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि कई जूनियर छात्रों को उत्पीड़न के कारण बहुत तनाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वारंगल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज की एक छात्रा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी तस्वीरें देखकर तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। यह कहते हुए कि वर्ष 2009 में बनाए गए भारत के सर्वोच्च न्यायालय से रैगिंग रोकथाम समितियों के गठन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं, उन्होंने कहा कि राज्य और देश में दिशा-निर्देशों को लागू नहीं किया जा रहा है। यह कहते हुए कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने खुलासा किया कि यूजीसी को तेलंगाना के विभिन्न विश्वविद्यालयों से रैगिंग की 32 शिकायतें मिली थीं, उन्होंने कहा कि इतनी सारी शिकायतों का पंजीकरण रैगिंग के खतरे की गंभीरता को उजागर करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि रैगिंग की शिकायत मिलने पर संबंधित शिक्षण संस्थानों के अधिकारी समय पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी रैगिंग के मामलों से सख्ती से निपटने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है।

सीएम केसीआर ने सिसोदिया की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया की गिरफ्तारी की सोमवार को निंदा की और कहा कि यह अडानी-मोदी गठजोड़ से लोगों का ध्यान हटाने के अलावा और कुछ नहीं था। मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने रविवार को गिरफ्तार किया था और एजेंसी की चार्जशीट में आरोपी नंबर एक के रूप में नामित किया गया था। इस बीच, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक सीबीआई द्वारा सिसोदिया की गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली, बेंगलुरु, चंडीगढ़, भोपाल और देश भर के कई अन्य शहरों में सड़कों पर उतर आए।

बीड़ी पत्ता संग्राहकों को बीड़ी पत्ता शुद्ध राजस्व वितरित

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कानून और धर्मस्व मंत्री ए. इंद्रकरण रेड्डी द्वारा बीड़ी पत्ता संग्राहकों को बीड़ी पत्ता शुद्ध राजस्व का वितरण किया गया। आज कार्यक्रम का आयोजन चिंताला मानेपल्ली, सिरपुर कागजनगर में किया गया। विधायक कोनेरू कोनप्पा, अत्राम सक्कू, पीसीएफ और एचओएफएफ आर.एम. डोबरियाल, सीसीएफ विनोद कुमार, केबी आसिफाबाद कलेक्टर हेमंत भोरकड़े, डीएफओ आशीष सिंह, एफडीओ विजय कुमार, बीड़ी पत्ता संग्राहकों व हितग्राहियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि बीड़ी पत्ता योजना एक सामाजिक कल्याण कार्यक्रम है जो कम गर्मी के मौसम में गरीब आदिवासियों की मदद करता है। उन्होंने कहा कि लगभग 5 हजार से 10 हजार स्थानीय आदिवासी द्वारा प्रत्येक बीड़ी पत्ती के मौसम के दौरान प्रति परिवार अर्जित किया जाता है। बीड़ी पत्ते का मौसम हर साल लगभग दो महीने तक चलता है। हर साल बीड़ी पत्ती संग्रह अप्रैल के महीने में शुरू होता है और मई तक समाप्त होता है। कार्यक्रम में लगभग 75,000 बीड़ी पत्ता संग्रहकर्ता भाग लेते हैं। वर्ष 2023 बीड़ी पत्ता सीजन के दौरान, 19 जिलों में 225 बीड़ी पत्ता इकाइयों को बिक्री के लिए रखा गया है। एक मानक बैग (एसबी) में बीड़ी के पत्तों के 1000 बंडल होते हैं, प्रत्येक बंडल में 50 पत्ते होते हैं। 2023 बीड़ी पत्ती सीजन के लिए बीड़ी पत्ती के कुल 2.27 लाख मानक बैग (एसबी) बिक्री के लिए रखे गए हैं। हर साल लगभग 1.50 लाख मानक थैले (एसबी) बीड़ी के पत्तों का संग्रह किया जाता है। बीड़ी पत्ता संग्राहकों को बीड़ी पत्ता संग्रह शुल्क के भुगतान के अलावा बीड़ी पत्ता संग्राहकों को शुद्ध राजस्व का भुगतान भी किया जाता है। 2022 बीड़ी पत्ती के मौसम के दौरान बिक्री योजना के तहत 52.88 करोड़ रुपये की वसूली की गई। सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के बीड़ी पत्ता संग्राहकों को आज 31.58 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

मंत्री ने दिल्ली के डिप्टी सीएम की गिरफ्तारी की निंदा की

सूर्यापेट, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी ने आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि सीबीआई, प्रवर्तन जैसी जांच एजेंसियां प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निदेशालय और आयकर ने विश्वसनीयता खो दी है। सोमवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, मंत्री जगदीश रेड्डी ने कहा कि जांच एजेंसियां विशुद्ध रूप से भाजपा नेताओं के आरोपों के अनुसार काम कर रही थीं और उन्होंने मामलों की जांच करने का एक स्वतंत्र कद खो दिया था। मोदी सरकार का शासन आपातकाल के काले दिनों से भी बदतर नजर आ रहा है। जगदीश रेड्डी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लोग केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ बगावत का झंडा उठाएंगे और उसे उपयुक्त सबक सिखाएंगे। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी को अलोकतांत्रिक करार देते हुए मंत्री ने कहा कि सिसोदिया की गिरफ्तारी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने की भाजपा की नीति है।

भ्रष्टाचार के आरोप में मार्केटिंग सेक्रेटरी गिरफ्तार

मनचेरियल, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विपणन विभाग के एक कर्मचारी को सोमवार को यहां एक कपास व्यापारी से 65,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया। प्रभारी एसीबी आदिलाबाद डीएसपी भद्रैया ने बताया कि आरोपी लोकसेवक विभाग का विशेष ग्रेड सचिव शारदा है। शिकायतकर्ता रामकृष्णपुर के गद्दारगड़ी के विश्वेश्वर राव है। शारदा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह ट्रेडिंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवश्यक निरीक्षण रिपोर्ट जारी करने के लिए विश्वेश्वर से रिश्वत ले रही थी। उसने ड्यूटी निभाने के एवज में एक लाख रुपये रिश्वत की मांग करते हुए व्यापारी को परेशान किया। उसके लालच से परेशान होकर, व्यापारी ने एसीबी के अधिकारियों से संपर्क किया जिन्होंने बदले में एक बड़ा जाल बिछाया। जब व्यापारी ने 80,000 रुपये देने का वादा किया तो वह रिपोर्ट देने को तैयार हो गई। उसने 14 फरवरी को 15 हजार रुपये एडवांस के रूप में लिए। उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उसे मंगलवार को करीमनगर में एसीबी मामलों की एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा।

पंजाब की तीन सदस्यीय टीम आज हैदराबाद पहुंचेगी

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की तीन सदस्यीय टीम मिशन काकतीय तालाबों, चेक डैम और तेलंगाना में उपयोग की जा रही भूमिगत जल पुनर्भरण तकनीकों का अध्ययन करने के लिए राज्य का दौरा कर रही है। यह मंगलवार को शहर पहुंचेगी। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (आरआरएस) के निदेशक बलोवाल सांखरी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहनजीत सिंह की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय टीम 1 मार्च को सिद्दीपेट जिले में स्थित मिशन काकतीय तालाबों और भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का दौरा करेगी। 2 मार्च को, वे महबूबनगर जिले में विभिन्न मिशन काकतीय तालाबों और भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का दौरा करेंगे। शाम को टीम महबूबनगर से वापस आने के बाद विशेष मुख्य सचिव (सिंचाई) रजत कुमार और सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अभियंताओं के साथ संवाद सत्र करेगी। सिंचाई अभियंता-इन-चीफ मिशन काकतीय पर प्रस्तुति देंगे। तीन मार्च को टीम पंजाब के लिए रवाना होगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 16 फरवरी को सिद्दीपेट जिले में कोंडापोचम्मा सागर, मिशन काकतीय तालाबों और चेकडैम का दौरा किया और पंजाब लौटने के बाद, उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें मिशन पर अध्ययन और रिपोर्ट करने का आदेश दिया।

तेलंगाना राज्य धान खरीदी में एक रोल मॉडल : कमलाकर

अधिकारियों को राइस मिलों, गोदामों से स्टॉक खाली करने के निर्देश

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने अधिकारियों से निर्धारित अवधि के भीतर कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) को पूरा करने की प्रक्रिया को तेज करने और चावल मिलों और गोदामों में धान के स्टॉक को धान की नई उपज के आगमन समय तक हटाने का निर्देश दिया है। मंत्री गंगुला कमलाकर ने रविवार को यहां कर्मचारियों की नववर्ष डायरी का विमोचन किया और कर्मचारियों को स्वास्थ्य कार्ड भी सौंपा। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य धान की खरीद में एक रोल मॉडल है और तेलंगाना में खरीद 25,000 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 1.25 लाख मीट्रिक टन हो गई है। उन्होंने कहा कि चूंकि तेलंगाना देश के लिए चावल का कटोरा बन गया है, इसलिए अधिकारियों को सीएमआर की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रभावी उपाय करने चाहिए और आने वाले सत्र की धान उपज प्राप्त करने के लिए मिलों और गोदामों में जमा धान के स्टॉक को जल्द से जल्द साफ करना चाहिए। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रविंदर सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस ने 4% मुस्लिम बीसी-ई कोटा पर भ्रम के पीछे एक साजिश का आरोप लगाया

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने हाल ही में नौकरियों और शिक्षा में बीसी-ई श्रेणी के तहत मुसलमानों के लिए 4% कोटा के संबंध में भ्रम की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

सोमवार को जारी एक मीडिया बयान में, शब्बीर अली ने मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी द्वारा जारी स्पष्टीकरण का स्वागत किया, लेकिन यह भी सवाल किया कि राज्य सरकार ने मीडिया में प्रसारित "फर्जी" रोस्टर की जांच के आदेश क्यों नहीं दिए। शब्बीर अली ने बताया कि नवंबर 2022 में सोशल मीडिया पर 4% मुस्लिम कोटा को घटाकर 3% करने वाले सामान्य नियमों के रोस्टर प्वाइंट नंबर 69 की एक प्रति सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई थी। कांग्रेस पार्टी ने तुरंत राज्य सरकार, विशेष रूप से मुख्य सचिव से स्पष्टीकरण मांगा। जवाब में, एक अहस्ताक्षरित प्रत्युत्तर मीडिया को यह दावा करते हुए भेजा गया कि प्रतिशत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जब कांग्रेस पार्टी ने दबाव बनाना जारी रखा, तो कुछ दिनों बाद, गृह मंत्री महमूद अली ने रिकॉर्ड में यह कहा कि कुछ बदमाशों द्वारा रोस्टर में छेड़छाड़ की गई थी। हालाँकि, कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई थी, और किसी भी एजेंसी को बदमाशों का पता लगाने का काम नहीं सौंपा गया था। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार बदमाशों का पता लगाने और उन्हें दंडित करने के लिए साइबर क्राइम सेल के साथ एक उचित प्राथमिकी दर्ज करे। उन्होंने यह भी कहा कि 2004-05 में पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए 4% मुस्लिम कोटा को जारी रखने के लिए ये स्पष्टीकरण आवश्यक थे। शब्बीर अली ने कहा कि मुस्लिम बीसी-ई आरक्षण में एक प्रतिशत की कमी से हजारों गरीब मुसलमानों के हितों को ठेस पहुंचेगी। 23 जनवरी को जारी अपने नोट में मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम (बीसी-ई श्रेणी) के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. रोस्टर प्वाइंट नंबर 19, 44, 69 और 94 बीसी-ई श्रेणी (मुस्लिम) से संबंधित हैं, जो 4% है और अपरिवर्तित रहता है। बीसी कल्याण विभाग के प्रधान सचिव बी वेंकटेशम ने भी 21 फरवरी को इस मामले में मेमो जारी किया था।

कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि 4% मुस्लिम बीसी-ई कोटा पर भ्रम के पीछे एक बड़ी साजिश थी, और झूठी अफवाहें फैलाने में शामिल बदमाशों को तेलंगाना राज्य में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

वरंगल बीटेक छात्रा मौत मामले में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल में रक्षिता नाम की एक बी-टेक छात्रा की आत्महत्या ने हाल ही में डॉ. प्रीति की हाई-प्रोफाइल आत्महत्या के बाद समुदाय में सदमा और आक्रोश फैला दिया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि सोशल मीडिया पर रक्षिता की कई तस्वीरों के प्रचलन से त्रासदी शुरू हो गई थी, जिसके कारण अंततः उसने अपनी जान ले ली। इस दुखद घटना के आलोक में पुलिस ने जशवंत और राहुल नाम के दो लोगों को हिरासत में ले लिया है. रक्षिता के पिता के अनुसार, इन दो आदमियों की कथित हरकतों से उनकी बेटी बहुत व्यथित थी और खुद को असहाय महसूस कर रही थी। रक्षिता जयमुखी इंजीनियरिंग कॉलेज, नरसमपेट में तीसरे वर्ष की छात्रा थी। वह भूपालपल्ली की रहने वाली थीं और शंकरचारी और राम की बेटी थीं। पुलिस को इस घटना की जानकारी दी गई और वारंगल में रक्षिता का शव उसके रिश्तेदार के घर में पंखे से लटका मिला। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया है।

महिलाओं को स्वास्थ्य के बारे में सलाह देने के लिए हेल्थ डायरी मोबाइल ऐप

करीमनगर, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों के बारे में शिक्षित करने के लिए जिला प्रशासन ने एक मोबाइल ऐप 'हेल्थ डायरी' विकसित किया है। एनीमिया को दूर करने के उपायों के अलावा, ऐप में गर्भवती, स्तनपान कराने वाली और अन्य महिलाओं द्वारा अपनाई जाने वाली विधियों को भी शामिल किया गया था। 50,000 से अधिक महिलाएं पहले ही ऐप डाउनलोड कर चुकी हैं। जिला प्रशासन, जिसने करीमनगर को एनीमिया मुक्त बनाने के लिए एक विशेष अभियान 'एनीमिया मुक्त करीमनगर' शुरू किया है, ने दो मोबाइल ऐप ए-शील्ड और हेल्दी डायरी विकसित की है। जबकि ए-शील्ड को उन महिलाओं के पूरे विवरण को रिकॉर्ड करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो एनीमिया परीक्षण से गुजरती हैं, स्वास्थ्य डायरी का उद्देश्य महिलाओं को एनीमिया को दूर करने और गर्भावस्था, स्तनपान और अन्य के दौरान किए जाने वाले उपायों की सलाह देना है। महिला और बाल कल्याण विभाग ने करीमनगर आईटी टावर से काम करने वाली एक आईटी फर्म की मदद से ऐप विकसित किया। एनीमिया, पी-ट्रैकर, गर्भवती देखभाल, डॉक्टर से पूछें, संसाधन और बाल टीकाकरण जैसी विभिन्न सेवाओं का डेटा विकसित किया जाता है।

एनीमिया ट्रैकर में आयरन की कमी को दूर करने के टिप्स बताए गए हैं। सांख्यिकीय आंकड़ों के अलावा, एनीमिया को दूर करने के लिए विशेषज्ञ आहार विशेषज्ञों के भाषण भी एप में उपलब्ध कराए जाते हैं। गर्भवती महिलाओं को किस तरह का खान-पान और सावधानियां बरतनी चाहिए, इसके बारे में प्रेग्नेंट केयर सर्विस में बताया जा रहा है। संसाधन सेवा नवजात शिशु को दूध पिलाते समय स्तनपान कराने वाली महिलाओं द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताती है।

यूओएच की डॉ. गीता वेमुगंती को रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट की फेलो

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) में डीन-स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज डॉ. गीता वेमुगंती को प्रतिष्ठित रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट के फेलो के रूप में स्वीकार किया गया है। रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट धर्मार्थ स्थिति वाला एक पेशेवर सदस्यता संगठन है, जो विज्ञान और पैथोलॉजी के अभ्यास से संबंधित सभी मामलों से संबंधित है। यह अपने अध्येताओं, राजनयिकों, सहयोगियों और प्रशिक्षुओं का एक निकाय है, जो कॉलेज के लंदन कार्यालय में स्थित कर्मचारियों द्वारा समर्थित है। कॉलेज दुनिया भर में 11,500 से अधिक सदस्यों के साथ एक दान है। फेलोशिप परीक्षा के साथ-साथ उन व्यक्तियों को मान्यता देकर प्रदान की जाती है जो अनुसंधान और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर जोर देने के साथ करियर का चयन करते हैं। आवेदनों का आकलन करने में, कॉलेज क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले योगदान की तलाश करता है। अकादमिक उपलब्धि के मुख्य संकेतक अनुदान दिए जाने और सहकर्मी समीक्षा के बाद उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में मूल कार्य का प्रकाशन जारी है। विशेषज्ञों द्वारा प्रारंभिक समीक्षा के लिए सभी आवेदन प्रस्तुत किए जाने हैं, जिसमें लगभग 6-9 महीने लगते हैं। सहकर्मी समीक्षा के बाद, आवेदन को "आवेदन करने के लिए" या "फास्ट ट्रैक के लिए आवेदन करने के लिए" योग्य के रूप में अनुशंसित किया गया है। डॉ वेमुगंती के आवेदन का आकलन फास्ट ट्रैक के लिए आवेदन करने के लिए किया गया था, जिसके बाद उन्हें रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट के फेलो के रूप में स्वीकार किया गया। न्यू फेलो का समारोह 22 फरवरी, 2023 को लंदन में रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट में आयोजित किया गया था।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया की गिरफ्तारी के विरोध में नगर में प्रदर्शन करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता व कार्यकर्ता।

28वी पुण्यतिथि
श्री जसवन्त रॉय
स्वर्गवासः 28.02.1995
28वी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपके प्रेरणा दायक जीवन की स्मृति एवं आदर्श सदैव हमारा मार्ग दर्शन कराते रहेंगे। सादर स्मरण में:
श्रीमती निरूपारॉय (पत्नी)
श्रीमती एवं श्री डा. प्रदीप रॉय,
श्रीमती एवं श्री प्रशान्त रॉय,
श्रीमती एवं श्री नवीन रॉय।
फोनः 9247755988, 9247371212

2024 तक यूपी की सड़कें अमेरिका जैसी होंगी

नितिन गडकरी ने किया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास

बलिया, 27 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा-मैं आपसे वादा करता हूं, 2024 के आखिरी तक यूपी की सड़कें, रास्ते अमेरिका जैसे हो जाएंगे। आपने सपने में भी ऐसी रोड नहीं देखी होगी।

सोमवार को बलिया के चितबड़ा गांव पहुंचे गडकरी ने कहा, यूपी में 2014 से पहले महाराजमार्ग 70643 किलोमीटर थे। 2014 में हमारी सरकार आने के बाद 2023 तक ये आंकड़ा 13 हजार किलोमीटर तक पहुंच गया। मेरे विभाग ने 2014 से 2023 तक यूपी में 80 हजार करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण किया है। मैं कभी झूठ नहीं बोलता हूं। जो वादा कर रहा हूं वो निभाऊंगा।

1 घंटे में बलिया से पटना पहुंच जाएंगे

नितिन गडकरी ने पत्रकारों से कहा, अगर यहां किया एक भी वादा मैं पूरा नहीं करता हूं तो ब्रेकिंग न्यूज चला देना। मैं आपसे कुछ नहीं कहूंगा। यूपी के विकास के लिए मैं 27 हजार करोड़ रुपए की लागत से कुछ ग्रीन फील्ड हाईवे भी बना रहा हूं। यूपी की अब तस्वीर बदलेगी। विकास हमेशा रोड से ही होकर जाता है। अभी बलिया से पटना जाने में आपको 4 घंटे लगते हैं। ये हाईवे जब बन जाएगा तब आप 1 घंटे में पटना पहुंच जाएंगे।

फोरलेन एक्सप्रेस-वे बनाया जा रहा है

5320 करोड़ की लागत से बनने वाले इस एक्सप्रेस-वे से बलिया से लखनऊ, दिल्ली और बिहार जाना आसान हो जाएगा। 2024 तक ये एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हो सकता है। ये एक्सप्रेस-वे फोरलेन बनाया जाएगा।

बिहार के लोगों को लखनऊ आने में होगी आसानी

गडकरी ने बलिया मांझी घाट से गाजीपुर तक बनने वाली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी। जिसकी कुल लंबाई 134 किलोमीटर है। ये एक्सप्रेस-वे गाजीपुर और बलिया जिले को कवर करेगा। उसके बाद बलिया के मांझी घाट पर आकर खत्म हो जाएगा। इस घाट के बाद से बिहार शुरू हो जाता है। ऐसे में बिहार के लोगों को इस एक्सप्रेस के माध्यम से दिल्ली और लखनऊ आने में आसानी होगी।

बताया जा रहा है कि पूर्वांचल की हरी-भरी धरती होने के कारण इस एक्सप्रेस-वे को ग्रीनफील्ड नाम दिया गया है। इस एक्सप्रेस-वे पर कई तरह के पेड़ लगाने की बात भी कही जा रही है।

बलिया शहर को जाम से निजात मिलेगी

गाजीपुर से मांझी घाट तक एक्सप्रेस-वे के निर्माण से बलिया शहर को जाम से निजात मिलेगी। इसके अलावा जिले में विकास भी बढ़ेगा। लोग कम समय में अधिक दूरी तय कर सकेंगे। एक्सप्रेस-वे के बनने से बिहार को भी लाभ मिलेगा। बलिया में अब सड़कों का जाल बिछाने की तैयारी चल रही है।

दयाशंकर सिंह ने गडकरी को भेंट किया चांदी का मुकुट

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जब शिलान्यास करने के लिए चितबड़ा गांव पहुंचे तो उनके साथ कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद भी मंच पर मौजूद थे। यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने नितिन गडकरी को चांदी का मुकुट पहनाया। वहीं, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने गदा और स्मृति चिन्ह भेट किया। गडकरी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे सहित अन्य योजनाओं का दोपहर करीब 1:48 बजे शिलान्यास किया।

आरजेडी विधायक बोले-नीतीश कुमार से बिहार नहीं चल रहा

वह मोदी-फीड हैं; जेडीयू में सत्ता भोगियों का झुंड

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आरजेडी विधायक और पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह पर फिर से हमला बोला है। सोमवार को विधानसभा पहुंचे सुधाकर सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि नीतीश कुमार कुर्सी पर बने रहना चाहते हैं। उनके नेतृत्व में बिहार ठीक से नहीं चल रहा है। यह बात मैं पिछले 6 माह से कहता आ रहा हूं। सुधाकर सिंह ने कहा कि बिहार कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में बिल्कुल भी काम नहीं हो रहा। नीतीश कुमार न ही मंडी कानून के पक्ष में हैं। न ही हर खेत तक पानी पहुंचाने के पक्ष में हैं। न ही शिक्षा व्यवस्था को ठीक करने के पक्ष में हैं। केवल कुर्सी पर बने रहना चाहते हैं। यही एक सूत्री एजेंडा उनके पास है।

बिहार विकास के पैमाने पर लगातार पीछे जा रहा है

अगर देश में मोदी का विकल्प मोदी-फीड में व्यक्ति नहीं हो सकता है। नीतीश कुमार भी मोदी-फीड हैं। यानी नरेंद्र मोदी का अगला वर्जन हैं। बिहार विकास के इससे बेहतर है कि राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार विकास के पैमाने पर लगातार पीछे जा रहा है। जीडीपी भी घट गया। 2005 में राष्ट्रीय औसत में हम 3.5% थे। अब घटकर 3.4% हो गया। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार पीछे गया।

जदयू कोई वैचारिक आधार पर बनी हुई पार्टी नहीं

पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को बदल देना चाहिए। जिस ब्रिटिश प्रणाली को संविधान में अंगीकार किया गया। वहां पिछले 4 साल में 4 प्रधानमंत्री बदले गए। तो यह भारत और बिहार में क्यों नहीं हो सकता है। तेजस्वी यादव ही हमारे नेता हैं। मेरी राय में मुख्यमंत्री के तौर पर तेजस्वी ही भविष्य हैं। जदयू में सत्ता भोगियों का एक झुंड है। वहां सत्ता के लोभ से चिपके हुए लोग हैं। जदयू कोई वैचारिक आधार पर बनी हुई पार्टी नहीं है।

सदन में अखिलेश ने कहा-बीजेपी माफिया की सूची जारी करे

दिल्ली में मनीष सिसोदिया शिक्षा के लिए बेहतर काम कर रहे थे; उन्हें गिरफ्तार कर लिया

लखनऊ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा सत्र का सातवें दिन बजट पर प्रस्ताव और चर्चा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने का काम कर रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर लिया। देश में ये कोई पहली घटना नहीं है। बीजेपी जब से सत्ता में है, सेंट्रल एजेंसी का गलत इस्तेमाल हो रहा है। बीजेपी सरकार में विपक्षी नेताओं के पीछे सीबीआई और ईडी एजेंसियां लगाई जा रही है। ये लोग 2024 के चुनाव से पहले व्यवस्था कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में सिर्फ 4% बे रो ज गा री बताई जा रही है। इसका मतलब क्या 96% बेरोजगारों को रोजगार मिल गया है। देश में महंगाई चरम पर है। एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का पैसा डूब गया। मित्र की पहचान बुरे दिन में होती है। बीजेपी को बताना चाहिए कि वह मित्र के साथ खड़े हैं कि नहीं। आप लोग समझ गए कौन-कौन मिला है। बड़ी साजिश है यूपी का चुनाव छोटा नहीं देश का चुनाव है। यह प्रदेश प्रधानमंत्री देता ह यह बड़ी साजिश है छोटी नहीं है। बीजेपी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का नाम भी आ रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी की जनता ऐसे माफिया लोगों को जवाब देगी। बीजेपी माफियाओं की सूची जारी कर दें। मैंने सूची मांगी है, टॉप टेन और टॉप 100 माफियाओं की सूची दीजिए। सरकार माफियाओं की सूची जारी करने में पीछे हट रही है। 2-2 गनर के बावजूद जान चली जाए तो सुरक्षा की बहुत जरूरत है। सरकार को सुरक्षा देनी चाहिए। प्रयागराज उमेश पाल हत्याकांड पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ पीड़ित परिवार के साथ है। हम उनको न्याय दिलाएंगे।

मायावती बोलीं-अतीक सपा के प्रोडक्ट

लखनऊ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में सियासत तेज हो गई है। सदन में अखिलेश यादव योगी सरकार की एनकाउंटर वाली छवि पर सवाल उठा चुके हैं। अब बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अतीक अहमद को सपा का प्रोडक्ट बताया है। मायावती ने सोमवार को एक के बाद एक कई ट्वीट किए। उन्होंने लिखा- उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद की पत्नी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है।

दोष साबित होता है, तो शाइस्ता परवीन को बसपा से बाहर कर दिया जाएगा। बता दें कि कुछ दिन पहले ही अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और बेटे बसपा में शामिल हुए थे। बसपा ने शाइस्ता परवीन को प्रयागराज मेयर पद का प्रत्याशी बनाया है। मायावती ने कहा कि अतीक अहमद सपा के प्रोडक्ट हैं। सपा पार्टी से वह एमपी और एमएलए रहे। राजू पाल की पत्नी भी बीएसपी से सपा में चली गईं हैं। जिस पार्टी को वह मुख्य दोषी ठहराती थीं, फिलहाल इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं है। ये सभी को पता है कि बीएसपी किसी निर्दोष को सजा नहीं देती है।

उमेश पाल हत्याकांड के एक आरोपी का एनकाउंटर

अतीक के बेटे का ड्राइवर ढेर, वही हमलावरों को गाड़ी में ले गया था

प्रयागराज, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड में शामिल एक बदमाश का एनकाउंटर किया है। बदमाश का नाम अरबाज है। मुठभेड़ सोमवार दोपहर धूमनगंज में नेहरू पार्क के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद से अरबाज नेहरू पार्क इलाके में छिपा था। उसने पुलिस पर गोली चलाई। जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। उसके सीने और पैर में गोली लगी है। पुलिस ने घायल अरबाज को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई।

हमला करने वालों में अरबाज शामिल था

उमेश पाल पर हमला करने के बाद अरबाज का चेहरा सीसीटीवी फुटेज में आया था। पता चला था कि पुरामुफ्ती के सल्लाहपुर निवासी अरबाज नाम का शातिर अपराधी कार चला रहा था। उसने उमेश पर हमला भी किया था। अरबाज अतीक अहमद के बेटे असद का ड्राइवर था। हमलावरों की क्रेटा गाड़ी पुलिस ने बरामद की है। अरबाज को बाहुबली अतीक अहमद का बेहद खास माना जाता था। उसका पिता भी अतीक अहमद की गाड़ी चलाता था।

अतीक की पत्नी और करीबी से पूछताछ जारी

अतीक अहमद की पत्नी और बसपा नेता शाइस्ता परवीन, उनके बेटे एजम, अबान, अली, उमर और दोस्त रेहान से पुलिस पूछताछ कर रही है। जेलों में बंद अतीक के गुर्गों से भी यूपी एसटीएफ पूछताछ कर रही है। यही नहीं, अहमदाबाद जेल में बंद अतीक से मिलने वालों की भी डिटेल खंगाली जा रही है। इस काम में जेल अधीक्षक को भी लगाया गया है। पुलिस को इस बात की भी आशंका है कि शूटर नेपाल न भाग जाएं। यही कारण है कि नेपाल के सीमावर्ती जिलों को अलर्ट मोड में डाल दिया गया है।

अतीक की पत्नी ने सीएम योगी से की सीबीआई जांच की मांग

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। शाइस्ता परवीन ने पत्र में प्रयागराज पुलिस कमिश्नर रमेश शर्मा और एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश पर विरोधियों से मिलकर पति अतीक अहमद और अतीक के छोटे भाई अशरफ की हत्या की सुपारी लेने का आरोप लगाया है। यह आशंका भी जताई है कि उनके पति अतीक अहमद और बेटों का पुलिस एनकाउंटर कर सकती है। शाइस्ता ने उमेश पाल हत्याकांड में दर्ज केस की सीबीआई से जांच करवाने की मांग भी की है। उमेश पर हमले में अतीक के बेटे असद ने जिस संभावित सफेद रंग की क्रेटा कार का इस्तेमाल किया था। वह चकिया के अतीक के घर के पास एक खाली प्लॉट में लावारिस पड़ी थी। उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। एसटीएफ उस कार को कब्जे में लेकर इंजन और चेसिस नंबर से गाड़ी के मालिक तक पहुंच गई है। पूछताछ के बाद प्रयागराज पुलिस ने रविवार की शाम अतीक के घर के आसपास सर्च अभियान चलाया।

एनआईए कोर्ट 8 आतंकियों को आज सुनाएगी सजा

2017 में भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन में बम ब्लास्ट किया था

लखनऊ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ की विशेष एनआईए कोर्ट में भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन धमाके की सुनवाई पूरी हो गई है। कोर्ट दोषियों को मंगलवार को सजा सुनाएगी। सोमवार को 8 आतंकियों को कोर्ट लाया गया था। एनआईए कोर्ट में पेश हुए दोषियों से जज ने कहा- फैसला सुनाए जाने से पहले कोई बात कहनी है? इस पर दोषियों ने कहा कि बीते 15 सालों से हम लोग जेल में हैं। इस पर जज ने कहा कि सजा में 15 साल को माइनस कर दिया जाएगा। उसके बाद जज कोर्ट रूम में चले गए थे।

कोर्ट ने आरोपियों को दोषी करार दिया था

शुक्रवार को कोर्ट ने मामले में सभी आरोपियों को दोषी करार दिया था। विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण पांडेय ने सजा सुनाए जाते वक्त दोषियों को कोर्ट में पेश किए जाने का आदेश दिया था। 9 आतंकियों पर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने, आतंकी गतिविधियों के लिए धन, विस्फोटक और हथियार जुटाने के आरोप थे। साथ ही जाकिर नाइक का वीडियो दिखाकर युवाओं को जिहाद के लिए उकसाने सहित अन्य मामले में 21 मार्च, 2018 को आरोप तय किए गए थे। इनमें से एक आतंकी सैफुल्लाह की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को कोर्ट ने बाकी 8 आतंकियों मोहम्मद फैसल, गौस मोहम्मद खान, मोहम्मद अजहर, आतिफ मुजफ्फर, मोहम्मद दानिश, सैयद मीर हुसैन, आसिफ इकबाल रॉकी और मोहम्मद आतिफ ईरानी को दोषी ठहराया था।

6 साल पहले जनरल कोच में हुआ था ब्लास्ट

7 मार्च, 2017 की सुबह 9:38 बजे का वक्त था। मध्य प्रदेश के जबड़ी रेलवे स्टेशन के पास भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन (59320) में बम विस्फोट हुआ। इसमें 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ब्लास्ट के बाद डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग ट्रेन से कूद गए। उसकी वजह से उन्हें चोटें आईं। इनमें कुछ बुजुर्ग भी शामिल थे। ब्लास्ट की आवाज सुनकर कुछ लोगों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोका। 14 मार्च 2017 को केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी थी।

ऐसे पकड़े गए थे आरोपी

वर्तमान में 4 आतंकियों में से 3 आतंकी सैयद मीर हुसैन, मोहम्मद दानिश और आतिफ मुजफ्फर हाई सिक्योरिटी वाली भोपाल सेंट्रल जेल में बंद हैं। इन तीनों को मध्य प्रदेश की पिपरिया पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों बाद उसी दिन पकड़ लिया था। तीनों आतंकी एक बस से भागने का प्रयास कर रहे थे। वहीं, चौथे आतंकी गौस मोहम्मद खान को इनके द्वारा दी गई जानकारी पर बाद में यूपी से गिरफ्तार किया गया। उसे लखनऊ जेल में रखा गया है। मामले में एटीएस के डिप्टी एसपी मनीष चंद्र सोनकर ने 8 मार्च 2017 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें बताया गया कि आईएसआईएस लगातार इंटरनेट पर आतंकवादी घटनाओं का वीडियो अपलोड कर नौजवानों को अपने संगठन से जोड़ने और देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश में जुटा है। इसी से प्रभावित होकर मोहम्मद फैसल, मोहम्मद दानिश, आतिफ मुजफ्फर, सैफुल्ला और मोहम्मद अजहर ने पैसेंजर ट्रेन में धमाके की साजिश रची थी। पूर्व में भी ये लोग आईएसआईएस के लिए जिहाद और आतंकी वारदातों को अंजाम देने की बात किया करते थे। पुलिस ने इन सभी आतंकियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। लखनऊ के काकोरी में हुई मुठभेड़ में सैफुल्ला मारा गया था।

सांसद निरहुआ प्रेस कॉन्फ्रेंस में भड़के

सरकार से सवाल पूछने वाले पत्रकारों को बताया सपा प्रतिनिधि

आजमगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आजमगढ़ से भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ सोमवार को मीडियाकर्मियों पर ही भड़क गए। सरकार के खिलाफ प्रश्न पूछने वाले पत्रकारों को उन्होंने बातों ही बातों में सपा का प्रतिनिधि बता डाला। महंगाई और भ्रष्टाचार से संबंधित सवाल पूछना सांसद निरहुआ को नागवार गुजरा। दरअसल, सोमवार को बजट पर चर्चा को लेकर आजमगढ़ भाजपा कार्यालय में सांसद का कार्यक्रम था। इस दौरान सांसद निरहुआ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार के बजट को जनहितकारी बताते हुए अपनी पूरी बात रखी। इसके बाद मीडियाकर्मियों ने प्रश्न पूछना शुरू किया। एक पत्रकार ने जब बजट में महंगाई नियंत्रण की कोई व्यवस्था न होने की बात कही तो सांसद उखड़ गए। उन्होंने मीडियाकर्मी को समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि तक बता डाला। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ एयरपोर्ट से जल्द उड़ान शुरू होने वाली है। इसके लिए लाइसेंस मिल चुका है। जल्द ही दिल्ली की टीम निरीक्षण करने आने वाली है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रस्ताव को शासन स्तर से स्थगित कर दिए जाने की भी उन्होंने बात कही। निरहुआ ने कहा कि आजमगढ़ में महायोजना अब तक लागू नहीं हुई है, जिसके चलते यहां निवेश नहीं हो पा रहा है। अब जिला प्रशासन ने महायोजना का पूरा प्रस्ताव शासन को भेज दिया है, जिसे जल्द से जल्द पास करा कर लागू कराया जाएगा। ताकि जिले में भी बाहर से लोग आकर निवेश कर सकें।

डिप्टी वन रेंजर ने रिवाल्वर से खुद को मारी गोली

अपने आवास पर किया सुसाइड, कारण तलाश रही पुलिस

श्रावस्ती, 27 फरवरी (एजेंसियां)। श्रावस्ती के कोतवाली भिनगा क्षेत्र में स्थित वन रेंज कार्यालय पर सोमवार सुबह डिप्टी रेंजर ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। सूचना पर स्थानीय लोग और विभागीय कर्मी मौके पर पहुंच गए। कुछ ही समय के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस घटना का कारण पता करने में जुटी हुई है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

पुलिस कर रही है मामले की जांच

श्रावस्ती के भिनगा कोतवाली क्षेत्र के रेंज कार्यालय भिंनगा में अपने आवास पर डिप्टी वन रेंजर राम मनोहर सरोज ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक वन रेंजर के लाइसेंसी रिवाल्वर को कब्जे में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक मृतक रेंजर कुछ समय पहले हरदत्त नगर गिरन्ट वन रेंज में भी तैनात थे। इस पूरे मामले में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिली की वन रेंजर कॉलोनी में डिप्टी रेंजर ने खुद को गोली मार ली।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

अर्चना गौतम की प्रियंका गांधी के सलाहकार को चुनौती

बोलीं-संदीप सिंह मुझे अरेस्ट करवाकर दिखाएं, पिता ने बेटी के लिए मांगी सुरक्षा

मेरठ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेत्री और बिग बॉस फेम अर्चना गौतम ने प्रियंका गांधी के सलाहकार संदीप सिंह को चुनौती दी। अर्चना ने रविवार को फेसबुक लाइव पर कहा- संदीप ने मुझे थाने में डलवाने की धमकी दी है। वो आएं और मुझे अरेस्ट करवाकर दिखाएं। उन्होंने संदीप पर महिलाओं की बेइज्जती करने का भी आरोप लगाया है। मेरठ के हस्तिनापुर से 2022 में कांग्रेस के टिकट पर अर्चना गौतम ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। अभिनेत्री ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के सलाहकार संदीप सिंह को तत्काल हटाने की मांग की है।

रायपुर अधिवेशन में नहीं हो सकी मुलाकात

छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन चल रहा है। इसमें, अर्चना गौतम भी हिस्सा लेने पहुंची। वहां, अर्चना ने प्रियंका गांधी से मिलने का प्रयास किया। अर्चना ने आरोप लगाया कि संदीप सिंह ने अर्चना सहित अन्य कार्यकर्ताओं को प्रियंका गांधी से मिलने नहीं दिया। वहीं से यह सारा विवाद शुरू हुआ। रविवार को अर्चना ने फेसबुक लाइव किया और ये सारा वाकया सोशल मीडिया पर शेयर किया। अर्चना ने यह भी आरोप लगाया कि संदीप सिंह जब तक नहीं चाहेंगे। बड़े-बड़े नेता भी राहुल, प्रियंका से नहीं मिल सकते।

ऐसे लोग रहेंगे तो कांग्रेस का कुछ नहीं होगा

फेसबुक लाइव में अर्चना बोलीं, संदीप सिंह कांग्रेस में रहेंगे तब तक यूपी में कांग्रेस का कुछ नहीं हो सकता। ये कार्यकर्ताओं को प्रियंका गांधी, राहुल जी से मिलने नहीं देते हैं।

अर्चना बोलीं-संदीप जैसे लोग कांग्रेस को खत्म कर रहे अर्चना ने संदीप सिंह को चुनौती देते हुए कहा कि वो रायपुर जिस होटल में ठहरी हैं, उसका पता और मेरठ में उनके घर का पता संदीप सिंह को मालूम है। वो मुझपर कार्रवाई करवाएं। संदीप सिंह जैसे लोगों को क्यों रखा गया है जो कांग्रेस को खत्म कर रहे हैं। पहले भी प्रियंका गांधी से मिलने में उन्हें एक साल लग गया था।

अर्चना के पिता ने कहा-बेटी की जान को खतरा

अर्चना गौतम के पिता गौतमबुद्ध ने कहा, संदीप सिंह से मेरी बेटी को जान का खतरा है। वो संदीप सिंह के खिलाफ एफआईआर कराने जा रहे हैं। इस मुद्दे को महिला आयोग, मानवाधिकार आयोग, एससी-एसटी आयोग तक ले जाएंगे।

बेटी को लोकल पुलिस नहीं सेंट्रल से सुरक्षा मिले। क्योंकि उन्हें लोकल पुलिस पर ऐतबार नहीं है। मैं अपने वकीलों से सलाह ले रहा हूं। तब प्रियंका गांधी स्वयं अर्चना गौतम के लिए चुनाव प्रचार करने आई थी। हालांकि अर्चना चुनाव जीत नहीं सकी। इसके बाद अर्चना बिगबॉस सीजन 16 में आईं। श्रृद्धा कपूर की लीड रोल मूवी हसीनास पार्कर और बरोटा कंपनी मूवी कर चुकी हैं।

भीषण हादसा पिता-पुत्र समेत तीन की मौत

बरेली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली के थाना नवाबगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर तकरीबन साढ़े तीन बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों में मृतक की पत्नी, बेटी और बहन शामिल है।

एक युवक भी घायल हुआ है। सभी घायलों को बरेली रेफर किया गया है। हादसे में मरने वालों की पहचान मोहम्मद जाकिर और उनके छह साल के बेटे मोहम्मद कैफ के रूप में हुई। तीसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

चारधाम यात्रा 2023-ड्रेस कोड दक्षिणा पर प्रतिबंध की खबरें भ्रामक

देहरादून । उत्तराखंड में 22 अप्रैल से चारधाम यात्रा 2023 का आगाज होने जा रहा है। लेकिन इससे पहले ही एक नया विवाद शुरू हो गया है जिसे लेकर श्रद्धालु तो असमंजस में हैं ही साथ ही सरकार और बदरी केदार मंदिर समिति सकते में आ गई है। ये विवाद जुड़ा है चारधाम में ड्रेस कोड, दक्षिणा पर प्रतिबंध और केदारनाथ में मोबाइल बैन को लेकर। इससे जुड़ी तमाम खबरें सामने आने के बाद बदरी केदार मंदिर समिति ने आगे आकर स्थिति स्पष्ट की है। बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने दक्षिणा प्रतिबंधित और ड्रेस कोड को लेकर फैलाई जा रही खबरों को भ्रामक बताया है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित मंदिरों के अध्ययन पर चर्चा की जा रही है। दरअसल, चारधाम यात्रा में हर साल श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में चारधाम की व्यवस्थाओं को और ज्यादा सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए बदरी केदार मंदिर समिति ने देश के चार प्रमुख बड़े प्रतिष्ठित मंदिरों में अध्ययन दल भेजा था। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में व्यवस्थाओं के सुधारीकरण की कवायद शुरू की गई है। हालांकि, अभी अध्ययन दल की रिपोर्ट मंदिर समिति की बोर्ड बैठक में रखी गई है। अभी रिपोर्ट का प्रेजेंटेशन हुआ है। चारधाम यात्रा के दौरान कौन से नियम बदले जाएंगे? इसको लेकर अभी अधिकृत रूप से फैसला नहीं हुआ है, लेकिन उससे ठीक पहले ही कुछ पुरोहितों समेत अन्य लोगों ने चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं कुछ पुरोहितों ने तत्कालीन सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत की तरह हश्र होने की बात भी कही। इसके लिए उन्होंने चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड का हवाला भी दिया। जिस पर बदरी केदार मंदिर समिति की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया है।

बदरी केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने स्पष्ट किया है कि बदरीनाथ और केदारनाथ में जिस तरह से दक्षिणा को प्रतिबंधित करने की अफवाह फैलाई जा रही है, यह पूरी तरह से भ्रामक है। उन्होंने बताया कि देश के चार प्रतिष्ठित मंदिरों के अध्ययन रिपोर्ट पर अभी चर्चा हो रही है। जहां तक बात दक्षिणा को लेकर है तो दक्षिणा तीर्थ पुरोहित और पंडितों का अपना अधिकार है। उसमें किसी भी तरह का हस्तक्षेप मंदिर समिति की ओर से नहीं किया जा सकता। जहां तक बात पैसे न देने की जा रही है तो मंदिरों में मौजूद मंदिर समिति के जो अन्य स्टाफ वेतन भोगी कर्मचारी होते हैं, वो किसी भी तरह का कोई पैसा नहीं लेंगे और मंदिरों में दान पेटियां लगाई जाएगी। श्रद्धालु उन दान पेटी में अपना श्रद्धा के अनुरूप दान डालेंगे। बाकी मंदिर में मौजूद तीर्थ पुरोहित की जहां तक बात है, वो पुजारियों का अपना हक है। जिस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। न ही किसी पर कोई दबाव है। यह केवल श्रद्धा का विषय है। इसके अलावा ड्रेस कोड को लेकर भी भ्रांतियां फैलाई जा रही है। जिसके तहत चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को ड्रेस कोड का पालन करना होगा।

इस जानकारी को उन्होंने पूरी तरह से भ्रामक करार दिया। बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि ड्रेस कोड को लेकर अभी केवल चर्चा की जा रही है। यह ड्रेस कोड केवल मंदिर समिति के वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए लागू करने पर चर्चा की जा रही है। ताकि धामों में समरूपता हो। मंदिर समिति के लोगों को पहचाना जा सके। कोई भी श्रद्धालु या भक्त मंदिर समिति के लोगों से अधिकृत जानकारी या फिर सहयोग ले सकें। ऐसा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि यात्रा के दौरान एक अधिकृत समरूपता न होने की वजह से श्रद्धालुओं और यात्रियों को असुविधाएं होती है।

आस्था में बड़ा बदलाव

केरल के मंदिर में हाथी की जगह रोबोट करेंगे धार्मिक अनुष्ठान!

कोच्चि, 27 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर जिले में स्थित इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर में अब अनुष्ठान के लिए अब असली की बजाय रोबोटिक हाथी का इस्तेमाल किया जाएगा। बता दें कि यह हाथी मंदिर समिति को पेटा इंडिया ने अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु के साथ मिलकर भेंट किया है। इस मकैनिकल हाथी की ऊंचाई साढ़े दस फीट है और इसका कुल वजन 800 किलो है। इस हाथी पर चार लोग सवार हो सकते हैं। इस हाथी की सूंड, सिर, आँखें और कान सबकुछ इलेक्ट्रिक तरीके से संचालित होते हैं। बता दें कि केरल के मंदिरों में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों में हाथी का बहुत महत्व होता है।

हालांकि कई बार अनुष्ठान के दौरान या इससे पहले ये हाथी उग्र हो जाते हैं। जिसके चलते कई बार लोगों की जान चली जाती है। इसी वजह से त्रिशूर के इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर समिति ने धार्मिक अनुष्ठान के लिए हाथी का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला लिया था। इस पर जानवरों के संरक्षण के लिए काम करने वाली संस्था पेटा इंडिया ने मंदिर को यह रोबोटिक हाथी भेंट करने का फैसला किया। रविवार को मंदिर में 'नादायिरुथल' नामक धार्मिक अनुष्ठान किया गया। इस अनुष्ठान के तहत भगवान को हाथी भेंट किया जाता है। पेटा इंडिया का कहना है कि कई बार हाथियों को बांधकर कैद रखने की वजह से वह उग्र हो जाते हैं। जब उनकी इच्छा के विपरीत उनसे काम कराए जाते हैं तो वह उत्पात मचाते हैं और इसके चलते लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।

हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, केरल में पिछले 15 सालों में हाथियों के हमले में 526 लोगों की मौत हुई है। केरल के त्योहारों में चिकत्तुकावु रामचंद्रन नामक हाथी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस हाथी ने 13 लोगों की जान ली है, जिनमें छह महावत, चार महिलाएं और तीन अन्य हाथी शामिल हैं। यही वजह है कि त्रिशूर के इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा ने पूजा-त्योहारों में हाथी का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया। मंदिर समिति को उम्मीद है कि अन्य मंदिर भी ऐसा कदम उठाएंगे।

जेल गैंगवार में 7 के खिलाफ कार्रवाई

अमृतसर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में शामिल बदमाश मनदीप तूफान और मनमोहन मोहना का आज पोस्टमार्टम होगा। ये दोनों कल गोइंदवाल साहिब की जेल में गैंगवार में मारे गए। इन्हें लॉरेंस गैंग ने जेल में कत्ल किया। मोहना और तूफान जग्गू भगवानपुरिया के गुर्गे हैं। वहीं इनका तीसरा साथी केशव की हालत गंभीर है। इस गैंगवार में लॉरेंस गैंग के मनदीप भाऊ और अरशद खान को भी चोटें लगी हैं।

तीनों को गुरु नानक देव अस्पताल अमृतसर लाया गया। केशव और अरशद को अमृतसर से चंडीगढ़ पीजीआई रैफर कर दिया गया है, वहीं मनदीप भाऊ को दोबारा जेल भेज दिया गया है। वहीं पुलिस ने लॉरेंस गैंग के 7 सदस्यों राजिंदर जोकर, मलकीत मामा कीटा, अरशद खान, मनप्रीत भाऊ, सचिन भिवानी, कशिश और अंकित सेरसा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

घायल केशव ने जानकारी दी कि उन पर वार करने के लिए रॉड और सरिया का इस्तेमाल किया गया। लॉरेंस गैंग के गुर्गों घायल मनप्रीत भाऊ और अरशद के साथ-साथ सचिन भिवानी, अंकित सिरसा, दीपक मुंडी ने साथियों के साथ मिलकर हमला किया। सभी के सिर पर गंभीर चोटें आयी हैं। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग के गोल्डी बराड़ ने ली। अब जग्गू भगवानपुरिया गैंग की भी सोशल मीडिया पोस्ट आई है।

जिसमें कहा गया है कि कत्ल का बदला कत्ल ही होगा। इस हालात को देखते हुए पंजाब की जेलों में हाई अलर्ट कर दिया गया है। सभी कुख्यात बदमाशों को बैरकों में बंद कर दिया गया है। इस मामले में अब बंबीहा गैंग की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने कहा कि गोल्डी बराड़ और लॉरेंस पंजाब में स्टैंड होने के लिए किसी वक्त जग्गू भगवानपुरिया की जूतियां चाटते थे। हालांकि यह पोस्ट वाकई गैंगस्टर्स की तरफ से हैं या माहौल खराब करने के लिए कोई शरारत की गई है, पुलिस इनकी जांच कर रही है। मनदीप तूफान और मोहना के कत्ल के बाद कनाडा बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली। गोल्डी ने फेसबुक पोस्ट में लिखा.... गोइंदवाल जेल की बैरक में मोहना मानसा और मनदीप तूफान की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग लेता है।

नम आंखों से हुई कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की अंतिम विदाई

पुलवामा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के पुलवामा के अच्छन क्षेत्र में सोमवार को कश्मीरी पंडित संजय शर्मा का अंतिम संस्कार किया गया। इसमें पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बीच उन्हें अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा में शामिल हर शख्स में की आंखों में आंसू देखे गए। रविवार को आतंकियों ने संजय शर्मा पर हमला किया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। घाटी में अक्तूबर के बाद एक बार फिर टारगेट किलिंग को अंजाम दिया गया।

कश्मीरी पंडित संजय शर्मा के घर पहुंचीं महबूबा मुफ्ती, परिजनों संग बांटा दुख

पुलवामा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पुलवामा के अच्छन में सोमवार को कश्मीरी पंडित संजय शर्मा का अंतिम संस्कार किया गया। इसमें बड़ी संख्या में आम जन, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी इसमें शामिल हुए। वहीं, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती संजय शर्मा के घर पहुंचीं। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उनका दुख बांटा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नफरत फैलाने वाली फिल्मों को बढ़ावा देने के बजाय केंद्र सरकार की तरफ से वास्तव में घाटी में अल्पसंख्यकों के जीवन को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाए जाते तो इससे मदद मिलती। एलजी प्रशासन से अनुरोध है कि पीड़िता की पत्नी को तत्काल सरकारी नौकरी प्रदान करें। साथ ही महबूबा मुफ्ती ने मुस्लिम समुदाय से अपील करते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षित महसूस कराने के लिए जो कुछ भी वे कर सकते हैं, करें। रविवार को अच्छन इलाके में आतंकियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या को अंजाम दिया था। एटीएम गार्ड के रूप में काम करने वाले 40 वर्षीय संजय शर्मा सुबह 11 बजे किसी काम से बाजार जाने के लिए निकले थे, उसी समय दहशतगर्दों ने उसे निशाना बना डाला। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया। हमलावरों की तलाश जारी है। कश्मीर पुलिस ने ट्विटर पर घटना को सुनियोजित हत्या बताया है। इस साल कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदाय के किसी सदस्य पर यह पहला हमला है। सभी राजनीतिक दलों ने घटना की निंदा की है। इस वारदात की जिम्मेदारी कश्मीरी फ्रीडम फाइटर्स नाम के आतंकी संगठन ने ली है। पुलिस ने बताया कि रविवार की सुबह एटीएम गार्ड संजय शर्मा अपने घर से निकल कर करीब 100 मीटर दूर पहुंचे थे तभी आतंकियों ने उनके सीने पर गोली मार दी और भाग निकले।

श्रीनगर में आतंकियों को शरण देने वाले चार घरों को किया अटैच, एसआईयू ने की कार्रवाई

श्रीनगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के श्रीनगर में पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईयू) ने चार घरों को अटैच किया है। आरोप है कि इन घरों में कई दिनों तक आतंकवादियों को शरण दी गई। विशेष जांच दल की पड़ताल यह सामने आया है। इसी को लेकर यह कार्रवाई की गई है। इसमें तीन घर कमरवाड़ी क्षेत्र में और एक ईदगाह इलाके में है। मामले में एनआईए कोर्ट में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

बोलेरो में नासिर-जुनैद की हड्डियां थीं, डीएनए टेस्ट से साबित

जींद की गोशाला से स्कॉर्पियो में मिले खून का सैंपल भी मैच

भरतपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी जिले के लोहारू में 16 फरवरी को जली हुई बोलेरो में मिली हड्डियां नासिर और जुनैद की ही थीं। एफएसएल और डीएनए टेस्ट रिपोर्ट में यह साफ हो गया है। नासिर और जुनैद भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके के घाटमीका गांव के रहने वाले थे।

इसके साथ ही हरियाणा के जींद की सोमनाथ गोशाला से बरामद सफेद स्कॉर्पियो में मिले खून के निशान भी नासिर और जुनैद के थे। भरतपुर रेंज आईजी गौरव श्रीवास्तव ने रविवार शाम इस हत्याकांड को लेकर विस्तार से जानकारी दी।

भरतपुर रेंज आईजी गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि नासिर और जुनैद की हरियाणा के भिवानी जिले में उनकी ही बोलेरो कार में जलाकर हत्या कर दी गई। यह सस्पेंस था कि मरने वाले जुनैद और नासिर ही हैं या कोई और। भरतपुर पुलिस ने 20 फरवरी को

जुनैद और नासिर के परिजनों के ब्लड सैंपल लिए थे।

श्रीवास्तव ने कहा कि उनका मिलान भिवानी में जले हुए कंकालों से किया गया, साथ ही जींद जिले के सोमनाथ गोशाला से बरामद की गई स्कॉर्पियो की सीट पर मिले ब्लड से मिलान किया गया। पाया कि बोलेरो जीप में जिन लोगों की जलाकर हत्या की गई, वे जुनैद और नासिर ही थे। राजस्थान पुलिस को डीएनए जांच रिपोर्ट मिलने के बाद रेंज आईजी गौरव श्रीवास्तव ने बताया- हम भरतपुर जिले के सीमावर्ती हरियाणा के जिले नूंह के पुलिस अधिकारियों के संपर्क में थे। इस घटना को लेकर यहां पर कई संस्थाओं और लोगों ने रोष प्रकट किया था। उन्होंने कहा- भिवानी हत्याकांड एक जघन्य अपराध था, इसमें कोई शक नहीं है। इस घटना को लेकर हम अलर्ट हैं। कोशिश कर रहे हैं कि ऐसी कोई बयानबाजी न हो जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़े। राजस्थान पुलिस टेक्निकल जांच के आधार पर निष्पक्ष जांच के जरिए आगे बढ़ रही है।

आईजी के मुताबिक जांच के दौरान राजस्थान पुलिस को वह वाहन मिला, जिसमें नासिर और जुनैद को ले जाया गया और उनके साथ मारपीट की गई। वह स्कॉर्पियो वाहन राजस्थान पुलिस ने हरियाणा के जींद जिले में स्थित सोमनाथ गोशाला से बरामद की। उस वाहन की पिछली सीट पर खून के निशान मिले, इसलिए एफएसएल टीम भेजकर सैंपल लिया गया। श्रीवास्तव ने कहा कि नासिर और जुनैद के परिजनों के ब्लड सैंपल लिए गए। जली हुई जीप में मिली हुई हड्डियों और स्कॉर्पियो में मिले खून से मिलान किया गया। अब इस पूरे मामले की डीएनए रिपोर्ट से प्रमाणित हो चुका है कि हरियाणा के भिवानी में जीप में जलाए गए दोनों व्यक्ति नासिर और जुनैद ही थे।

मूसेवाला मर्डर केस में पंजाब पुलिस की दूसरी बड़ी नाकामी

लुधियाना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के बाद पंजाब पुलिस ने 36 आरोपियों को नामजद कर उन्हें पकड़ने की बात कही थी। दावों से परे इस केस में पुलिस की दो बड़ी नाकामियां भी सामने आई हैं। पहले खूंखार गैंगस्टर दीपक टीनू पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। अब जेल में बंद केस के दो अहम आरोपियों की गैंगवार के दौरान हत्या हो गई।

पुलिस इंस्पेक्टर ने गैंगस्टर को हिरासत से भागने में मदद की

लॉरेंस गैंग का गैंगस्टर टीनू 1 अक्टूबर 2022 को हिरासत से भाग निकला था। इसमें मानसा के इंस्पेक्टर प्रीतपाल की मिलीभगत सामने आई थी। तगड़ी घेराबंदी और कई राज्यों की पुलिस की मदद से टीनू को पूरे 18 दिन बाद राजस्थान से अजमेर से दोबारा पकड़ा गया था। यह हाल तब हुआ, जब पुलिस जानती थी कि टीनू 2017 में पेशी के वक्त पंचकूला से भाग चुका था।

जेल में दो गैंग के बीच दुश्मनी की खबर नहीं, दो आरोपी मारे गए

पंजाब पुलिस की दूसरी बड़ी लापरवाही गोइंदवाल जेल में सामने आई। पंजाब के हाई प्रोफाइल मर्डर केस के आरोपियों मनदीप सिंह तूफान और मनमोहन सिंह मोहना पर नजर ही नहीं रख पाए। पुलिस को जेल में दो गैंग के बीच चल रही दुश्मनी की भी खबर नहीं थी। नतीजा यह हुआ कि 26 फरवरी, 2023 को दोनों की हत्या हो गई।

जेल में 30 से 40 लोगों के पास कहां से आए हथियार?

गोइंदवाल जेल अपने आप में हाई-सिक्योरिटी जेल है। अब सवाल उठता है कि जेल में हथियार कहां से पहुंचे, जिनसे 30 से 40 लोग आपस में भिड़े। इस गैंगवार में रॉडों का भी इस्तेमाल हुआ है। बताया जा रहा है कि एक बैरक में 30 से 40 हवालातियों को रखा गया है, जिस कारण ये गैंगवार हुई।

पुलिस की इंटेलिजेंस को गैंग्स के टूटने के बारे में पता नहीं

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने जेल में हुए इस डबल मर्डर की जिम्मेवारी ली, लेकिन वारदात से पहले तक इंटेलिजेंस एजेंसियों को इसका पता नहीं चल पाया कि गोल्डी बराड़ और लॉरेंस ने अपना गैंग जग्गू भगवानपुरिया से अलग कर लिया है।

आपसी रंजिश के चलते गोल्डी बराड़ इस वारदात को अंजाम देने वाला है। सूत्रों के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से लॉरेंस और जग्गू गैंग के लोगों में आपसी छुटपुट कहासुनी होती रहती थी, लेकिन जेल के अधिकारी दोनों गैंग के सदस्यों की जेल में हो रही एक्टिविटी पर नजर रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए। यह भी सामने आ रहा है कि जेल अधिकारी समय पर बैरकों की चेकिंग नहीं करते, जिस कारण उन्हें दोनों गैंग की रंजिश का पता नहीं चल पाया। बता दें पंजाब की जेलों में सीआरपीएफ तैनात न होना भी गैंगवार होने का मुख्य कारण है।

यादगिरी में टीपू सुल्तान-सावरकर के नाम पर तनाव प्रदर्शन की चेतावनी; धारा 144 लागू

बेंगलुरू, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगिरी जिले में एक सर्किल का नाम टीपू सुल्तान रखने के नाम पर बवाल हो गया। हिंदूवादी संगठनों ने इसका नाम बदलकर सावरकर सर्किल रखने की मांग की और प्रदर्शन की चेतावनी दी, जिसके बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई। स्थिति बिगड़ते देख अतिरिक्ति आयुक्त शालूम हुसैन ने पूरे जिले में धारा 144 लागू कर दी है। इसके साथ ही मौके पर भारी पुलिसबल को भी तैनात किया गया है। उन्होंने कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की भी चेतावनी दी है।

अवैध नामकरण का आरोप, प्रदर्शन की चेतावनी

हिंदू संगठन जय छत्रपति शिवाजी सेना ने टीपू सर्किल के अवैध नामकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी। संगठन ने कहा, अगर सर्किल का नाम नहीं बदला गया तो 27 फरवरी को संगठन गांधी चौक से विरोध प्रदर्शन शुरू करेगा। संगठन का कहना है कि उच्च अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर नेमबोर्ड को साफ करवाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि टीपू सुल्तान के नाम पर सर्किल का नाम रखना अदालत के आदेश का उल्लंघन है और शहर के अधिकारियों ने इसे बदलने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। संगठन के अनुसार, 1996 में हट्टीकुनी रोड पर जंक्शन का नाम मोहम्मद अब्दुल कलाम आजाद सर्किल रखा गया था, लेकिन 2010 में नगर निकाय द्वारा सर्वसम्मति से टीपू सुल्तान सर्कल के रूप में नाम बदल दिया गया था। हाल ही में वहां टीपू सुल्तान का एक पोस्टर और एक झंडा भी लगाया गया है।

पानीपत में प्रॉपर्टी डीलर लापता

भाई ने मामा-भांजा पर जताया अपहरण के बाद हत्या का शक; धमकी देकर मांगे थे 50 लाख

पानीपत, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में पानीपत जिले के इसराना उपमंडल में एक प्रॉपर्टी डीलर संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गया है। जिसकी शिकायत उसके भाई ने पुलिस को दी। शिकायत में भाई ने 2 लोगों पर अपहरण कर हत्या करने का शक जताया है। दोनों आरोपी आपस में मामा-भांजा है। जिन पर रुपए के लेन-देन के विवाद में ये वारदात करने का केस दर्ज करवाया गया है।

सराना थाना पुलिस को दी शिकायत में ओमप्रकाश ने बताया कि उसका बड़ा भाई जगदीश, इसराना में ही प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। जिसका गांव के ही तेजबीर के साथ पुराना रुपए का लेन-देन था। हालांकि यह हिसाब-किताब करीब डेढ़ साल पहले पूरा हो चुका था। इसके बाद तेजबीर व उसका भांजा देवेंद्र निवासी वासी छतेहरा जिला सोनीपत, तेजबीर के कहने पर दिनांक 15 फरवरी की शाम 5:45 बजे स्कार्पियो गाड़ी में सवार होकर जगदीश के घर के बाहर पहुंचे। गाड़ी में 4 से 5 लोग सवार थे। उन्होंने वहां खड़े होकर जगदीश को कई बार अलग-अलग नंबरों से कॉल की। उससे 50 लाख रुपए की मांग भी की। पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद जगदीश ने उसे बताया कि तेजबीर का हिसाब क्लियर कर चुका है, जिसका लिखित में ब्योरा है। मगर, इसके बाद भी आरोपी उस पर 50 लाख रुपए और देने का दबाब बना रहे हैं। उसे जान से मारने की भी धमकी दे रहे हैं। इस बारे में जगदीश ने 16 फरवरी को पुलिस को भी शिकायत दी।

तरनतारन में फिर घुसा पाक ड्रोन

बीएसएफ के जवानों ने 23 राउंड फायरिंग कर वापस खदेड़ा

अमृतसर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब सरहद पर पाकिस्तानी तस्करों की तरफ से ड्रोन भेजना लगातार जारी है। अमृतसर बॉर्डर पर ड्रोन गिराए जाने के 24 घंटे के अंदर ही तस्करों ने तरनतारन सेक्टर में दूसरा ड्रोन भेज दिया, लेकिन बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवान उसे वापस खदेड़ने में सफल रहे हैं। वहीं महदीपुर एरिया में एर्च के दौरान जवानों ने 5 पैकेट हेराइन रिकवर किए हैं। घटना फिरोजपुर सेक्टर के अंतर्गत आने वाले तरनतारन बॉर्डर के गांव कालस की है। रात बीएसएफ की अमरकोट तैनात बटालियन 103 के जवान गश्त पर थे। मध्यरात्री को बीएसएफ के जवानों को ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने आवाज की तरफ फायरिंग शुरू कर दी। सभी जवानों की तरफ से 23 राउंड फायर किए गए। कुछ मिनटों के बाद ड्रोन की आवाज वापस पाकिस्तान की तरफ गई और आना बंद हो गई।

इलाके में चलाया जा रहा सर्च ऑपरेशन

बीएसएफ ने इसकी सूचना पंजाब पुलिस को दी। अब पंजाब पुलिस और बीएसएफ बटालियन 103 के जवानों की तरफ से अमरकोट व गांव कंलस के एरिया में सर्च अभियान चलाया गया है। सीनियर अधिकारियों का कहना है कि सर्च अभियान के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। वहीं दूसरी तरफ फिरोजपुर सेक्टर के अंतर्गत आते तरनतारन बॉर्डर पर स्थित गांव महदीपुर में बीएसएफ जवानों की तरफ से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जवानों ने इस दौरान 5 पैकेट हेरोइन के जब्त किए हैं। इन पर हुक बना था। जिससे स्पष्ट होता है कि इन्हें ड्रोन से फैका गया है।

5 पैकेट हेरोइन का कुल वजन 2.660 किलोग्राम है। जिसकी मार्केट वेल्यू तकरीबन 21 करोड़ रुपए आकी जा रही है। शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि को भी अमृतसर में सरहदी गांव शहजादा के पास देर रात 2:11 मिनट पर पाकिस्तानी ड्रोन घुस गया था। इसकी आवाज सुनते ही बीएसएफ के जवान अलर्ट हो गए और उन्होंने ड्रोन पर फायरिंग करना शुरू कर दी। फायरिंग के बाद आवाज बंद हो गई। सुबह सर्च अभियान चलाया गया तो ड्रोन सरहद के पास गिरा मिला था।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 28 फरवरी- 2023

अभी और मुसीबत झेलेगी केजरीवाल सरकार

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया लिकर पॉलिसी घोटाले में सीबीआई की गिरफ्त में हैं। सिसोदिया दिल्ली सरकार में तो नंबर दो हैं ही, आम आदमी पार्टी में भी अरविंद केजरीवाल के बाद सबसे बड़े नेता हैं। घोटाले में आरोपी बनाए जाने और अब उनकी गिरफ्तारी से पार्टी, दिल्ली सरकार और अरविंद केजरीवाल खुद मुश्किल में हैं, क्योंकि सिसोदिया का विकल्प तीनों के पास नहीं है।

सवाल है कि मनीष सिसोदिया इतने क्यों जरूरी हैं तो जवाब है कि दूसरा 'मनीष सिसोदिया' ढूंढना आसान काम नहीं होगा। मनीष सिसोदिया के पास दिल्ली सरकार के कुल 33 में से 18 विभाग हैं। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि उनका काम कौन संभालेगा। केजरीवाल के एक और मंत्री सत्येंद्र जैन पहले से जेल में हैं। जैन के विभागों का काम भी सिसोदिया ही देख रहे थे। सिसोदिया के पास शिक्षा, लोक निर्माण, वित्त, आबकारी, ऊर्जा, जल, स्वास्थ्य जैसे सबसे अहम विभाग हैं। उनके सहयोगी बताते हैं कि वे एक दिन में 12 से 15 मीटिंग करते हैं। उनका भी मानना है कि सिसोदिया की जगह लेना किसी भी दूसरे नेता के लिए आसान नहीं होगा। फरवरी 2020 में मुख्यमंत्री केजरीवाल के अपने बाकी विभाग छोड़ दिए थे। इसके बाद सिसोदिया इन विभागों को भी देख रहे थे। आम आदमी पार्टी में सिसोदिया के कद का नेता और अरविंद केजरीवाल का इतना भरोसेमंद व्यक्ति फिलहाल कोई नही है। दिल्ली सरकार अगले फाइनेंशियल ईयर के लिए बजट की तैयारी कर रही है। बजट का सारा कामकाज मनीष सिसोदिया ही देख रहे थे। दिल्ली सरकार का बजट आम आदमी पार्टी की सरकार आने के पहले करीब 30 हजार करोड़ रुपए का था, जो अब 75 हजार करोड़ रुपए का हो गया है। वित्तमंत्री सिसोदिया के जेल जाने से बजट की तैयारियों पर भी असर पड़ेगा। किसी दूसरे मंत्री के लिए इतनी जल्दी बजट पर काम करना मुश्किल होगा। मनीष सिसोदिया की आम आदमी पार्टी में पोजीशन काफी अहम है। नगर निगम का मैनेजमेंट हो या दिल्ली सरकार का कामकाज, बड़ी जिम्मेदारियां उन्हीं के पास हैं। सरकार और पार्टी चलाने के लिए किससे क्या बात करनी है, ये सब वही देखते हैं। ऐसे में सरकार और पार्टी के कामकाज पर असर तो पड़ेगा।

राजनीति में आने से पहले पत्रकार और RTI एक्टिविस्ट रहे

- कबीर और परिवर्तन नाम की संस्था चलाते हैं
- अरविंद केजरीवाल के साथ पब्लिक कॉज रिसर्च फाउंडेशन के को-फाउंडर
- 26 नवंबर 2012 को बनी आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य
- 2013 में पहला चुनाव लड़ा और पटपड़गंज सीट से जीते

आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को इंडिया अगेंस्ट करप्शन मूवमेंट के दिनों से ही सबसे ज्यादा समर्थन हिंदी पट्टी से मिला था। पार्टी की कामकाज की शैली भी हिंदी पट्टी के वोटर्स का भरोसा जीतने वाली रही है। यहां आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ी लड़ाई बीजेपी से है। आने वाले महीनों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे बड़े राज्यों में चुनाव हैं। आम आदमी पार्टी 2019 के चुनाव में इन राज्यों में अपना कैडर बना चुकी है। पंजाब में मिली जीत के बाद पार्टी इन राज्यों में गंभीरता से चुनाव लड़ने का मन बना चुकी थी। इस काम में सिसोदिया का बड़ा जिम्मा था। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद 2 स्थितियां बन सकती हैं- एक तो जनता के बीच सिसोदिया और आप की भ्रष्टाचार वाली छवि तैयार हो, लेकिन आम आदमी पार्टी ये बिल्कुल नहीं चाहेगी। दूसरी स्थिति ये बनेगी कि लोगों के बीच ये मैसेज जाए कि केंद्र सरकार ने सिसोदिया की गिरफ्तारी आप को रोकने के लिए कराई है। आम आदमी पार्टी इसी दूसरी स्थिति को तैयार कर आने वाले चुनाव में भुनाने पर काम कर रही है। इसके लिए जनता के बीच पहुंचने से लेकर सोशल मीडिया तक सारी रणनीति पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को 19-20% वोट मिलते हैं, वहीं आम आदमी पार्टी को इसकी तुलना में एक चौथाई वोट भी नहीं मिलते। आम आदमी पार्टी को बीजेपी के मुकाबले राष्ट्रीय विकल्प बनने के लिए काफी वक्त लगेगा। पंजाब में बड़ी जीत मिलने के साथ यूपी, हिमाचल में आम आदमी पार्टी कुछ नहीं कर पाई। इसके बाद गुजरात में भी पार्टी अपने दावों से कोसों दूर रही। ऐसे में एक इवेंट बहुत माइलेज देगा, ये कह पाना बहुत मुश्किल है।' हालात संभालने के लिए आम आदमी पार्टी के साथ ही खुद मनीष सिसोदिया ने इमोशनल कार्ड खेला है। पूछताछ के लिए सीबीआई दफ्तर जाने से पहले सिसोदिया का बयान इसकी बानगी है। कार पर खड़े होकर उन्होंने कहा- 'मैंने जीवन में ईमानदारी और मेहनत से काम किया और इसी की बदौलत आप सबने प्यार-सम्मान देकर मुझे यहां तक पहुंचाया है। जिंदगी में बहुत उतार-चढ़ाव आए। मैं टीवी चैनल में नौकरी करता था, अच्छी सैलरी और प्रमोशन मिलता था।' 'जिंदगी अच्छी चल रही थी, लेकिन मैं सब कुछ छोड़कर अरविंद केजरीवाल के साथ झुग्गियों में काम करने लगा, उस वक्त मेरी पत्नी ने सबसे ज्यादा मेरा साथ दिया। आज ये जब मुझे जेल भेज रहे हैं तो मेरी पत्नी बीमार हैं और वो घर में अकेले रहेगी। आपको उनका ध्यान रखना है। बच्चों से कहना चाहता हूं कि आपके मनीष चाचा जा रहे हैं, लेकिन छुट्टी नहीं हुई। खूब मन लगाकर पढ़ना'। अरविंद केजरीवाल से लेकर भगवंत मान ने जो बातें कहीं है, उन सारे बयानों का इशारा एक ही तरफ है- बीजेपी आम आदमी पार्टी से डरी हुई है, इसी वजह से मनीष सिसोदिया की गिरफ्तार किया गया है, लेकिन आप डरेगी नहीं, और ताकत से लड़ेगी।

पहले सत्येंद्र जैन और अब मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी के 10 साल के इतिहास में अरविंद केजरीवाल के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सिसोदिया दिल्ली में एजुकेशन सेक्टर में आए बदलाव के पोस्टर बॉय हैं। पार्टी के कई नेता बताते हैं कि एक तरह से दिल्ली की सरकार वही चलाते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसार में भी सिसोदिया की भूमिका अहम रही है। आम आदमी पार्टी दोतरफा लड़ाई लड़ने की बात कर रही है। आम आदमी पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी इस लड़ाई को राजनीतिक नजरिए से लड़ने के लिए प्लानिंग कर रही है। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी को कैसे इमोशनली भुनाया जाए, इस पर मंथन चल रहा है।

राजनीति में आम आदमी पार्टी का यूएसपी (यूनिक सेलिंग पॉइंट) उसकी करप्शन फ्री इमेज रही है। हवाला केस में सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी और दिल्ली शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी ने इस छवि पर दाग लगा है। इसलिए पार्टी की कोशिश है कि दोनों की गिरफ्तारी को जनता के बीच बीजेपी की राजनीतिक साजिश साबित किया जाए और इस लड़ाई को मोदी बनाम केजरीवाल में बदला जाए। इससे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार की कोशिश को ताकत मिलेगी।

कोरोना का ऐसा डर

लगभग तीन साल पहले जब पूरी दुनिया कोरोना-19 के विषाणु संक्रमण से जूझ रही थी, तब विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने प्रभावित देशों की सरकारों से इससे बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतने की एडवाइजरी जारी की थी। जिसका पूरी दुनिया ने पालन किया था। नतीजतन थोडे नुकसान के बाद ही इस महामारी से निपटने में देश सफल रहा। एडवाइजरी के तहत मास्क पहनना और लोगों को दूरी बरतने की सलाह मुख्यरूप से दी गई थी। इसके पीछे का मुख्य संदेश यही था कि कोरोना संक्रमण किसी के संपर्क में आने से हो सकता है, इसलिए इसका जब तक कोई इलाज न आ जाए तब तक खुद को बचाना ही सबसे बेहतर उपाय है। देखा जाए तो जनजागरूकता के मकसद से जारी किए गए इस संदेश के प्रचार का तरीका इतना आक्रामक था कि उसने कई स्तरों पर लोगों के भीतर डर का माहौल पैदा कर दिया। यहां तक कि कुछ लोगों के मन में वह डर इस कदर समा गया कि उससे उबरना उनके लिए मुश्किल हो गया। इसका ताजा उदाहरण दिल्ली से सटे महानगर गुरुग्राम में देखने को मिला, जिससे पूरी दुनिया हैरान है। खबर के मुताबिक, पति और अपने सात साल के बच्चे के साथ रहने वाली एक महिला के मन में कोरोना विषाणु के संक्रमण का खौफ इतना गहरे बैठ गया कि वह पिछले तीन साल तक अपने घर में बंद रही। उसने ऐसा इसलिए किया कि ताकि कोरोना के संक्रमण से बचा जा सके। वह किसी भी स्तर पर सावधानी से समझौता नहीं करना चाहती थी। इसलिए खुद को ऐसे डर का शिकार होने से बचाए रखने के लिए किया। खबरों के अनुसार उसके लिए खाने-पीने या अन्य जरूरत का सामान उसका पति या अन्य कोई दरवाजे पर रख देता था। बच्चे की पढ़ाई के लिए उसने आनलाइन तरीका चुना था। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पूर्णबंदी के पहले चरण में ढील मिलने के बाद उसका पति जब नौकरी के लिए बाहर निकला, तो महिला ने उसे भी घर में प्रवेश नहीं करने दिया। इससे पति को किराए का घर लेकर बाहर रहना पड़ा। जाहिर है, इसे बीमारी के बचाव के लिए बरती गई सावधानी का खौफ ही कहेंगे या फिफर मनोरोग में तब्दील हो जाने के खतरा। ऐसी स्थिति में महिला के पति, उसके अन्य रिश्तेदार या पड़ोसियों में से कोई भी पुलिस की मदद लेकर उसे बाहर निकालने की कोशिश भी नहीं किया। अंत में तीन साल बीतने के बाद महिला के पति ने ही पुलिस की मदद से अपने बच्चे और पत्नी को निकाला, लेकिन यह पहल वह पहले कर लेता तो ज्यादा अच्छा होता। ताज्जुब है कि महिला के अन्य रिश्तेदार व साथ रहने वाले लोगों ने भी कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। यह एक स्वाभाविक स्थिति होती है कि डर या मानसिक आघात की स्थिति में कोई व्यक्ति अकेला पड़ता है तो वह उसकी जटिलताओं में और ज्यादा फंसता चला जाता है। कोरोना संक्रमण के डर की वजह से महिला इसी स्थिति का शिकार होकर मानसिक रूप से बीमार हो गई। दरअसल, कोरोना के खौफ की वजह से भी कई स्तर पर त्रासद नतीजे सामने आए हैं। ऐसी खबरें भी आईं कि किसी अन्य राज्य से अपने घर जाने वालों के लिए सरकारों ने खुद एकांतवास की व्यवस्था की थी, कई गांवों में बाहर से आने वालों को रोका गया। लेकिन गुरुग्राम में सामने आया यह मामला इसी डर की अतिरेक का उदाहरण है। इससे यह भी साबित होता है कि समाज और सरकार को भी वैसे तौर-तरीकों पर विचार करने की जरूरत है, जिसमें सावधानी का कोई संदेश डर के मनोविज्ञान का हथियार बन जाता है। भविष्य में इस तरह का कोई संदेश प्रसारित करने से पहले एक बार इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

ब्रज की प्रसिद्ध लठमार होली

यूँ तो सम्पूर्ण भारत में बड़े उत्साह, धूमधाम व समारोहपूर्वक अच्छाई पर जीत का प्रतीक पर्व होली का त्यौहार मनाया जाता है, परन्तु उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नंदगाँव (नन्दगांव) और बरसाना कस्बों में होली का यह त्यौहार पृथक रूप से और अजीबोगरीब प्रकार से मनाया जाता है, जिसे लठमार अर्थात लट्ठमार (लठामार) होली की संज्ञा से अभिहित किया गया है। लठमार का अर्थ है लाठी से मारना अथवा लाठी से मारने वाला और होली रंगों का एक लोकप्रिय भारतीय त्योहार का नाम है। लठमार होली उत्सव का एक रूप है, जिसमें लोग लाठी के साथ एक दूसरे को मारते हैं। बरसाना की लट्ठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। और होली का प्रसंग छिड़ते ही मन में बरबस ब्रज का नाम आ जाता है। होली सप्ताह आरम्भ होते ही सबसे पहले ब्रज रंगों में डूब जाता है।होलिकोत्सव के लिए अत्यंत लोकप्रिय नंदगाँव और बरसाना की लट्ठमार होली फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास पूर्वक मनाई जाती है। इस विशेष अवसर पर कई मंदिरों की पूजा करने के बाद नंदगाँव के पुरुष बरसाना होली खेलने जाते हैं और बरसाना की महिलाएं नन्दगांव होली खेलने आती हैं। होली की टोलियों में नन्दगांव (नंदगाँव) के पुरूष होने का कारण यह है कि श्रीकृष्ण नंदगांव के ही थे और बरसाने की महिलाएं क्योंकि राधा बरसाने की थीं। राधा की जन्म स्थली बरसाना में यह होली शेष भारत में खेली जाने वाली होली से कुछ दिनों पहले ही शुरू हो जाती है। इस दिन लट्ठ महिलाओं के हाथ में रहता है, और नन्दगाँव के पुरुष अर्थात गोप राधा के मन्दिर लाडलीजी पर झंडा फहराने की कोशिश करते हुए महिलाओं के लट्ठ से बचने की कोशिश करते हैं। मान्यता है कि इस दिन सभी महिलाओं में राधा की आत्मा बसती है, और पुरुष भी हँस-हँस कर लाठियाँ खाते हैं। आपसी वार्तालाप के लिए श्रीकृष्ण और राधा के बीच वार्तालाप पर आधारित होरी गाई जाती है। यह होली उत्सव क़रीब सात दिनों तक चलता है। वृन्दावन की होली भी उल्लास भरी होली होती हैं, जहाँ बाँके बिहारी मंदिर की होली और गुलाल कुंद की होली बहुत महत्त्वपूर्ण है।

विश्व प्रसिद्ध ब्रज की लठमार होली के सम्बन्ध में पौराणिक व निबन्ध ग्रन्थों में अनेक कथाएं अंकित हैं। मान्यता है कि ब्रज में स्वयं भगवान ने होलिकोत्सव मनाया था। यही कारण है कि देश -विदेश से लोग ब्रज की गलियों में खेली जाने वाली इस पृथक प्रकार की होली के दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि ऐसा करके भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा द्वापर युग में की जाने वाली लीलाओं की पुनरावृत्ति की जा रही है। इस विशेष प्रकार की होली की शुरुआत ब्रज के बरसाना गाँव से हुई थी। और विगत साढ़े पांच हजार से भी अधिक वर्षों से मनाया जाने वाला यह वार्षिक आयोजन उत्साह और ऐतिहासिक गौरव आज भी मनाया जाता है।

पौराणिक कथा के अनुसार नंदगाँव निवासी भगवान श्रीकृष्ण होली के समय राधा के निवास स्थल बरसाना गए थे। गोपियों के साथ मित्रता के लिए भी प्रसिद्ध श्रीकृष्ण के द्वारा बरसाना प्रवास के इस दिन राधा के चेहरे पर रंग लगा दिए जाने से क्षुब्ध राधा की सखियाँ और वहाँ की महिलाओं ने श्रीकृष्ण को बंदी बना लिया और उन पर बांस और डंडे की बौछार कर उन्हें बरसाना से निकाल दिया था।

-अशोक "प्रवृद्ध"

विज्ञान : हम छू रहे आसमान

डॉ. घनश्याम बादल

28 फरवरी विज्ञान दिवस विशेष

आज 28 फरवरी है , प्रकृतिवादियों व साहित्यकारों के लिए बसंत चल रहा है, तो बच्चे व सोमरस प्रेमी होली की धमक सुनने लगे होंगें । पर आज दुनिया विज्ञान दिवस मना रही है वह विज्ञान जिसके बिना विकास व प्रगति की कल्पना भी अब मुश्किल है ।

सांपों के देश से डिजिटल दुनिया तक :

बहुत लंबा समय नहीं बीता है जब दुनिया के प्रगतिशील देश भारत को सांपो सपेरों का देश कह कर उसका मज़ाक बनाते थे और झूठ भी नहीं था यह । आज़ादी के वक्त छोटे छोटे सामान के लिए भी हमें दूसरों की तरफ ताकना पड़ता था । अंध विश्वास , पोंगापंथी , अतार्किक रीति रिवाज और भूत प्रेतों तक पर यकीन आम बात थी । जादू टोना , झाड़ फूंक , महामारियां , बिमारियां ,न सड़कें न परिवहन के समुचित साधन , न स्कूल न शिक्षा यानि रोशनी कम और अंधेरे ज़्यादा थे । परंतु आज का हिंदुस्तान सांपों के देश से कंप्यूटर का 'माऊस' युग पार कर डिजिटल क्रांति के द्वार पर खड़ा दुनिया को विज्ञान का पाठ पढ़ा रहा है

हम छू रहे आसमान :

भारत ने विज्ञान के क्षेत्र में समय समय पर नया इतिहास लिखा है । हमारे वैज्ञानिको ने इतना कुछ हासिल किया है कि दुनिया हतप्रभ है । मारक परमाणु क्षमता से युक्त अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, अग्नि व ब्रह्मोस के कई परिष्कृत संस्करण कासफल परीक्षण । मंगल ग्रह तक दुनिया के सबसे कम कीमत के अंतरिक्ष यान को पहुंचाना चांद पर उतरने के लगभग लगभग सफल प्रयास, औषधि निर्माण के क्षेत्र में कोविड-19 दुनिया भर को वेक्सीन का निर्यात एक सौ चालीस करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन, मनोरंजन के क्षेत्र में एक से बढ़कर एक कीर्तिमान रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान का फलदायक समावेश क्या नहीं किया है भारत में विज्ञान और वैज्ञानिकों के बल पर।

प्रतिभा की कमी नहीं :

देश में विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में नए-नए प्रयोग लगातार हो रहे हैं । भारतीय वैज्ञानिकों के कारण पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ जिनमें प्रमुख रूप से जगदीश चंद्र बोस, सी.वी. रमण, होमी जहाँगीर भाभा, शांतिस्वरूप भटनागर, एम. एन. साहा, प्रफुल्लचंद्र राय, हरगोविंद खुराना व कस्तूरी रंगन तथा ए पी जे अब्दुल कलाम के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। जगदीश चंद्र बोस ने साधनों और उपकरणों के अभाव में भी लघु रेडियो तरंगों का निर्माण किया। विद्युत चुंबकीय तरंगों के प्रयोग उन्होंने मारकोनी से पहले ही पूरे कर लिए थे।

पौधों में जीवन के लक्षणों की खोज उनकी महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। सी.वी. रमण ने प्रकाश किरणों की गुणधर्मिता तथा आकाश और समुद्र के रंगों की व्याख्या पर विशेष शोध करके 1930 में नोबेल पुरस्कार जीता। इनके अलावा एस. रामानुजम बीरबल साहनी , एम. एन. साहा, एस.एन. बोस, डी. एन. वीजिया और प्रफुल्लचंद्र राय के नाम व उनकी उपलब्धियां भी कम उल्लेखनीय नहीं हैं।

महामेधा बनी ताकत :

महामेधा के बल पर भारत ने विश्व की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी शक्तियों में तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। परिणामस्वरूप भारत कच्चे माल के निर्यात से अब विश्व की सर्वाधिक मजबूत औद्योगिक अर्थव्यवस्था में से एक बन गया है। अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारत काफ़ी आगे पहुँच चुका है।

अग्रणी देशों की पंक्ति में :

भारत की परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति तो आश्चर्यजनक ही है। परमाणु और अंतरिक्ष से जुड़े विषयों व इलैक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी सुपर कंप्यूटर बनाकर हम इस क्षेत्र में अग्रणी देशों की पंक्ति में हैं । अब सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित उपकरणों का निर्यात विकसित देशों को भी कर रहे हैं। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित इंजीनियरों की अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और जापान जैसे विकसित देशों में भारी मांग है।

आशातीत सफलता :

वैज्ञानिक अनुसंधानों के बलबूते पर भारत ने जलयान निर्माण, रेलवे उपकरण, मोटर उद्योग, कपड़ा उद्योग आदि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। बेशक आने वाले समय में भारत बड़ी उपलब्धियों के लिए जाना जाएगा। भारत अमेरिका, रूस, चीन, और ब्रिटेन के बाद दुनिया का 5 वां देश है जिसके पास अपना जीपीएस सिस्टम है। इतना ही नहीं भारत 1500 किमी की रेंज में आने वाले देशों को भी यह सेवा दे सकता है यानी हम जल्द ही सुपर पॉवर होगें या सुपर से भी ऊपर। उपलब्धि भी असफलता भी :

पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह के कक्ष में पहुंच जाना भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही पहले प्रयास में सफल रहने वाला भारत दुनिया का पहला देश बना। अमरीका, रूस और यूरोपीय स्पेस एजेंसियों को कई प्रयासों के बाद मंगल ग्रह पहुंचने में सफलता मिली थी । हां, चांद पर उतरने में हम चूके भी हैं ।भारतीय वैज्ञानिकों ने विदेशी वैज्ञानिकों के साथ मिल कर गेहूं के जीनोम को सीक्वेंस तैयार किया है । बहुत सालों से कई देश मशक्कत कर रहे थे कि इस जीनोम को सीक्वेंस किया जाए पर भारतीय वैज्ञानिकों ने सफलतापूर्वक दिल्ली और लुधियाना की लैबॉरेट्री में इस जीनोम को सीक्वेंस किया , इस सफलता से भारत को अपनी खाद्य सुरक्षा को पुख्ता करने में मदद मिलेगी. बहुत कुछ करना शेष अभी : इन सफलताओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि विज्ञान के क्षेत्र में हमने झंडे गाड़े हैं पर एक दूसरा पहलू भी है विज्ञान का ।

बड़े बड़े क्षेत्रों में बड़ी बड़ी उपलब्धियां बेशक हैं पर अभी भी विज्ञान के इस देश के ग्रामीण क्षेत्र व गरीबों के विकास के लिए बहुत करना शेष है खास तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में , बच्चों के लिए , रोजमर्रा के जीवन में आज भी फैले अंध विश्वासों से लड़ने में , दैनिक उपयोग में आने वाली चीजों को सस्ते से सस्ती बनाने में ।

पर्यावरण को बिगाड़ रहे पॉलिथिन का सस्ता व पर्यावरण मित्र विकल्प देना और इन सबसे बढ़कर मारक व विध्वंसक होते विज्ञान को रचनात्मक बनाने में बहुत बड़ा लक्ष्य पाना तो अभी भी शेष है ।

-डॉ घनश्याम बादल

फगुनाएं हैं हमारे गजोधर भइया

हमारे मोहल्ले में गजोधर भईया रहते हैं। वे फागुनवादी हैं। बारिश का मौसम हो या तीखी गर्मी का उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। क्योंकि वे खांटी फागुन और बसंतवादी हैं। वह स्थायित्व को जड़ता मानते हैं। गजोधर किसी भी विचारधारा को ओढ़ते-दशाते नहीं। कहते हैं परिवर्तन प्रकृति का नियम है। इसी सिद्धांत को उन्होंने आत्मसात किया है। वह मानते हैं कि जब गिरगिट रंग बदलता है तो हम क्यों नहीं, भला हम तो इंसान हैं। इसलिए फागुन उनके राग और रंग में रचा-बसा है। गजोधर भईया कहते हैं कि जीना है तो फागुन बनकर जियो। वह ऐसी गाय भी नहीं जो एक खूंटे से बधकर चारा-पानी के लिए रम्भाती रहे और अपने मालिक पर निर्भर रहे। वह स्वच्छंद बसंत हैं। खादी को उन्होंने कभी बिचार नहीं समझा बल्कि खादी उनके विचार में समाहित है।गजोधर भईया खांटी खादीजीवी हैं। राजनीति में आने से पूर्व वह मैट्रिक फेल होने के बाद साईकिल की पंचर बनाते थे।राजनीति में जब उन्होंने अपना पहला कदम रखा था तो उन्हें चुनाव कार्यालय की साफ-सफाई और आगन्तुकों के देखभाल की जिम्मेदारी मिली थी। उस दौरान उनकी पार्टी हासिए पर थी, लोग नाम तक सुनना नहीं पसंद करते थे। लेकिन वक्त ऐसा बदला कि पार्टी-पार्टी न होकर बसंत बहार हो गयी। गजोधर भईया पार्टी अलाक़मान के खास बन गए। पहली बार टिकट मिलते ही विधायक बन गए। हर सरकार में वह कैबिनेटमंत्री रहते हैं। हर पांच साल बाद हवा का रुख देख वह पलटी मार जाते हैं। जिस पार्टी का मिजाज फागुन जैसा होता है बस उसी का दुपट्टा होली मिलन के बहाने डाल लेते हैं।

गजोधर भईया सौ फिसदी चुनावजीवी हैं। दलबदल तो उनके जीन में समाया है। वह वामपंथ, दक्षिणपंथ, मार्क्सवाद, लेनिनवाद और गाँधीवाद के साथ सेक्युलरीज्म और धर्मनिरपेक्ष जैसी अनगिनत रंग-बिरंगी टोपियां अपने पास रखते हैं। जिस दल का फागुन बढ़िया दिखता उसकी टोपी सर पर रख लिया करते हैं। टोपी धारण करते ही उनकी धारणा बदल जाती है। गले में दूसरे दल का दुपट्टा सिर पर आते ही असली चुनावजीवी हो जाते हैं। दल बदलते ही उनकी विचारधारा के रंग भी बदल जाते हैं।

गजोधर भईया गतिशीलता और प्रगतिवाद में इतना अधिक भरोसा रखते हैं कि उनके विचार और दर्शन को समझना आसान नहीं है। वह कहते हैं कि खिड़कियां खोलकर रखो तो बसंत की फ़िजाओं से हवा के रुख का पता चलता है। राजनीति का चतुर खिलाड़ी वहीं है जो तूफान की आहट को भाँप सुरक्षित ठिकाना तलाश ले। विपरीत मौसम से लड़ना वे समझदारी नहीं समझते।

-प्रभुनाथ शुक्ल

राहुल ने कहा उनके कोई पास घर नहीं है,अब सड़कों पर ही रहेंगे !

श्रवण गर्ग

कांग्रेस के किसी भी अखिल भारतीय अधिवेशन के किसी एक सत्र में इस तरह का सन्नाटा शायद पहले नहीं व्यापा होगा जैसा 26 फ़रवरी 2023 को रायपुर में पसर गया था। देश भर से जमा हुए कोई पंद्रह हज़ार डेलीगेट्स, इनसे कई गुना ज़्यादा वे जो रायपुर नहीं पहुँच पाए होंगे और इन सबके साथ वे करोड़ों देशवासी जो टीवी के पर्दों पर उत्सुकता के साथ नज़रें और कान लगाए उम्मीद कर रहे थे कि बावन-तिरपन साल का दाढ़ी वाला जो शख़्स बिना कोई काग़ज़ देखे मंच से बोल रहा है किसी भी पल कोई बड़ा राजनीतिक तहलका मचा सकता है !

राहुल गांधी बोल रहे थे और लोग चुपचाप सुनते जा रहे थे।ऐसा लग रहा था जैसे राहुल अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सड़क के दोनों और खड़े लोगों के साथ बतिया रहे हों, उनका दुख-दर्द बाँट रहे हों, बता रहे हों कि देशवासियों ने उन्हें रास्ते में किस तरह अपनी ज़िंदगी से जुड़ी कहानियाँ सुनाईं ।इन मिलने वालों में कैसे वह औरत भी शामिल थी जिसका पति उसे पीटता है और वह उससे बचकर राहुल से मिलने पहुँची थी। कैसे यात्रा के प्रारंभ में ही केरल में नौकायन के दौरान कॉलेज की पढ़ाई के दौरान घुटने में लगी पुरानी चोट का दर्द उभर आया था पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

राहुल जब बोल रहे थे ,माँ सोनिया गांधी उनकी तरफ़ नहीं देख रहीं थीं। वे ऐसा जान-बूझकर कर रहीं थीं।राहुल ने रुककर कहा भी कि माँ उनकी ओर नहीं देख रहीं हैं।सोनिया गांधी ने फिर भी अपना चेहरा बेटे की तरफ़ नहीं किया। वे शायद चेहरे पर लगी मॉस्क के पीछे आंसुओं को समेटे बेटे द्वारा अपनी भारत जोड़ो यात्रा पर लिखी गई चार हज़ार किलो मीटर लंबी कविता के शब्दों में डूब गईं थीं। वे बेटे के मुँह से उस कश्मीर घाटी की वादियों में मिली हज़ारों लोगों की मोहब्बत का ज़िक्र सुन रहीं थी जहां से निकलकर नेहरू परिवार के वंशज कभी मैदानी इलाक़ों में पहुँचे होंगे।

राहुल गांधी ने अपने पैंतालीस-पचास मिनिट के भाषण में ज़्यादा कुछ नहीं कहा ।कोई ग़ुस्सा नहीं ज़ाहिर किया। प्रधानमंत्री को लेकर कोई अभद्र टिप्पणी नहीं की। इतने बड़े और ऐतिहासिक अवसर का कोई राजनीतिक अथवा चुनावी लाभ लेने की उन्होंने कोई कोशिश नहीं की। राहुल गांधी ने सिर्फ़ एक छोटी से बात कही ! वह यह कि 1977 में भी उनके पास कोई मकान नहीं था। तब वे सिर्फ़ छह साल के थे और आज भी कहीं कोई घर नहीं है।इलाहाबाद का

पुश्तैनी मकान (आनंद भवन) भी उनका नहीं है। नई दिल्ली में तुग़लक़ लेन स्थित घर भी उनका अपना नहीं है।

राहुल गांधी ने देश की हुकूमत और रायपुर में उपस्थित कांग्रेसजनों के लिए घोषणा की कि अब भारत की सड़कें ही उनका घर बनने वाली हैं। इसी घर के अहातों में वे 'भारत जोड़ो यात्रा' के दिनों की तरह देश के अमीर और ग़रीब गो कि हरेक देशवासी से मुलाक़ातें करेंगे। कांग्रेस के हज़ारों कार्यकर्ताओं के साथ अपनी इस तपस्या को वे तब तक जारी रखेंगे जब तक कि उनके द्वारा संसद में पूछे गए सवालों के जवाब नहीं प्राप्त हो जाते।

राहुल ने कहा कि देश की आज़ादी की लड़ाई भी सिर्फ़ एक (ईस्ट इंडिया) कंपनी द्वारा जारी की गई भारत की लूट के ख़िलाफ़ संघर्ष से प्रारंभ हुई थी।इस समय इतिहास फिर अपने आप को दोहरा रहा है।देश के हितों के ख़िलाफ़ अगर कोई काम होगा, कंग्रेसजन अपना खून-पसीना बहा देंगे। प्रधानमंत्री को बताना ही पड़ेगा कि अदाणी के साथ उनका रिश्ता क्या है ? सचाई जब तक सामने नहीं आ जाती सवाल पूछते रहेंगे।

राहुल ने जब अपना बोलना बंद किया तब सोनिया गांधी का चेहरा बेटे की ओर था और वे गर्व के साथ तालियाँ बजा रहीं थीं।

होली से पहले नृसिंह पूजा के आठ दिन

होलाष्टक
आज से, होलिका दहन तक
भगवान विष्णु की पूजा का विधान,
इससे दोष दूर होते हैं

होली से पहले वाले आठ दिनों में भगवान नृसिंह की पूजा करने का विधान ग्रंथों में बताया गया है। मान्यता है कि इससे रोग और दोष खत्म होते हैं। इन दिनों में खासतौर से भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण पूजा का जिक्र पुराणों में किया गया है। होलाष्टक के दौरान गोपाल और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही इन दिनों शिव-शक्ति आराधना का विधान भी है। इन दिनों मांगलिक काम भी

नृसिंह पूजा का विधान

नृसिंह पूजा के लिए भी सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं और पीले कपड़े पहनें। पीले चंदन या केसर का तिलक लगाएं। शुद्ध जल के बाद दूध में हल्दी या केसर मिलाकर अभिषेक करें। इसके बाद भगवान को पीला चंदन लगाएं। फिर केसर, अक्षत, पीले फूल, अबीर, गुलाल और पीला कपड़ा चढ़ाएं। इसके बाद पंचमेवा और फलों का नैवेद्य लगाकर नारियल चढ़ाएं और धूप, दीप का दर्शन करवाकर आरती करें।

भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण पूजा

इन दिनों सूर्योदय से पहले नहाकर पीले कपड़े पहनें। गणेशजी की पूजा के बाद भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा करें। भगवान की मूर्तियों को जल और पंचामृत से स्नान कराएं। दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिला दूध भरकर अभिषेक करें। धूप-दीप जलाएं और तुलसी दल चढ़ाएं। पूजा में चावल नहीं, तिल अर्पित करें। आरती करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय या क्लीं कृष्णाय नमः मंत्र से पूजा करें।

शिव-शक्ति पूजा

होलाष्टक में महामृत्युंजय जाप करने से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। इन दिनों में रूद्राभिषेक भी करना चाहिए। होली से पहले वाले इन आठ दिनों में दुर्गासप्तशती पाठ करने का विधान भी विद्वानों ने बताया है। होलिका अष्टक के दौरान इस तरह शिव-शक्ति आराधना करने से किसी भी तरह के अमंगल की आशंका नहीं रहती।

पान से जुड़ा ये टोटका हर काम में दिलाएगा सफलता

सनातन धर्म में पूजा पाठ में वैसे तो सभी सामग्रियों को महत्वपूर्ण बताया गया है लेकिन पान का पत्ता खास माना जाता है इसे बेहद पवित्र माना गया है मान्यता है कि इस पर देवी देवताओं का वास होता है, इसलिए हर पूजा में इसका प्रयोग किया जाता है। पान के पत्ते का महत्व धार्मिक तौर पर जितना है उतना ही इसे ज्योतिषशास्त्र में भी खास माना गया है।

ज्योतिषशास्त्र में पान से जुड़े कई ऐसे चमत्कारी टोटके बताए गए है जिन्हें करने से सभी कार्य बिना बाधा के पूर्ण हो जाते है और हनुमान जी की विशेष कृपा भी मिलती है, तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा पान से जुड़े उपाय बता रहे है तो आइए जानते है।

पान से जुड़ा अचूक उपाय–

अगर आप अपने जीवन की परेशानियों से घिर चुके है और इससे छुटकारा पाना चाहते है तो ऐसे में आप हर मंगलवार या शनिवार के दिन स्नान करके मंदिर जाएं और भगवान श्री हनुमान को अच्छे से बनाया गया पान का एक बीड़ा चढ़ाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से हनुमान जी जल्दी प्रसन्न हो जाते है और भक्तों की सभी परेशानियों को दूर कर देते है।

अगर आप कारोबार में तरक्की पाना चाहते है और इसके लिए कड़ी मेहनत भी कर रहे है मगर फिर भी सफल नहीं हो पा रहे है तो ऐसे में आप शनिवार के दिन पांच पीपल के पत्ते और आठ पान के साबूत डंडीदार पत्ते लेकर उन्हें एक ही धागे में पिरो लें और इसे दुकान की पूर्व दिशा में बांध दें। इस उपाय को लगातार पांच शनिवार तक करें और पुराने पत्तों को जल मं प्रवाहित कर दें। मान्यता ह कि इस उपाय से कारोबार में मनचाही तरक्की मिलेगी और कष्टों का भी अंत हो जाएगा।

गौतम बुद्ध की सीख

गौतम बुद्ध से जुड़ा किस्सा है। बुद्ध अपने शिष्यों के साथ यात्राएं करते रहते थे। कभी-कभी वे कुछ जगहों ठहर भी जाते थे। बुद्ध आसपास की घटनाओं से शिष्यों को जीवन प्रबंधन के सूत्र बताते रहते थे। एक दिन बुद्ध शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे। उन्हें किसी गांव में उपदेश देने जाना था। रास्ते में उन्हें एक खेत में बहुत सारे गड्ढे दिखाई दिए। कुछ गड्ढे ज्यादा गहरे थे तो कुछ कम गहरे थे। गड्ढों को देखकर शिष्यों ने विचार किया कि ये एक खेत में इतने सारे गड्ढे किसी ने क्यों खोदे हैं?

शिष्य आपस में इस विषय पर बात कर रहे थे, लेकिन किसी को भी इस प्रश्न का उत्तर समझ नहीं आया। तब सभी ने इस संबंध में बुद्ध से बात की।

बुद्ध ने सभी गड्ढों को देखा और शिष्यों से कहा कि ये सभी गड्ढे पानी के लिए खोदे गए हैं। जिस व्यक्ति ने ये गड्ढे खोदे हैं, उसमें धैर्य की कमी है। उसने एक गड्ढा खोदना शुरू किया, थोड़ा खोदने के बाद

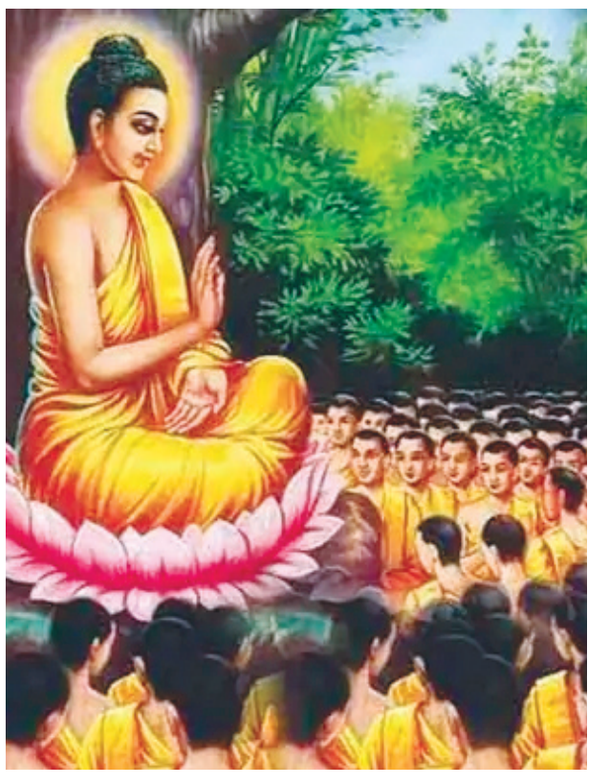

पानी नहीं निकला तो उसने दूसरा गड्ढा खोदना शुरू कर दिया। इसी तरह उसने पूरे खेत में गड्ढे खोद दिए।

बुद्ध ने शिष्यों को आगे समझाया कि अगर वह व्यक्ति धैर्य के साथ एक ही जगह पर गड्ढा खोद रहता तो शायद उसे पानी जल्दी मिल जाता। हमें भी किसी काम में सफलता चाहिए तो कड़ी मेहनत करें, लेकिन धैर्य भी बनाए रखना चाहिए। कुछ काम ऐसे होते हैं, जिनमें सफलता थोड़े समय के बाद ही मिल पाती है। ऐसी स्थिति में धैर्य होना बहुत जरूरी है। वर्ना हम इस व्यक्ति की तरह छोटे-छोटे प्रयास करते रहेंगे और किसी भी प्रयास में सफलता नहीं मिलेगी।

जीवन प्रबंधन

कड़ी मेहनत के साथ ही स्वभाव में धैर्य भी होगा तो सफलता मिलने की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। धैर्य की वजह से मुश्किल समय में हमारा साहस बना रहता है और हम असफल होने के बाद भी दोबारा प्रयास करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

4 दिशाओं में हैं चारधाम
बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है ये यात्रा

बद्रीनाथ धाम

भारत के उत्तर में अलकनंदा नदी के किनारे बसा है ये पवित्र धाम बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने इस स्थान की स्थापना की थी। इस पवित्र धाम में अचल ज्ञान ज्योति के प्रतीक के रूप में अखंड दीप प्रज्वलित होता है और यहां नर नारायण की पूजा होती है। बद्रीनाथ धाम 6 महीने तक पूजा के लिए खुला रहता है और प्रत्येक वर्ष अप्रैल के आखिरी दिनों में या मई में मंदिर के कपाट खोले जाते हैं। जो कि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक खुले रहते हैं। इसके बाद 6 महीने तक भगवान विष्णु निद्रा मुद्रा में यहां पर विश्राम करते हैं, इसलिए इस मंदिर के कपाट 6 महीने तक बंद रहते हैं।

रामेश्वरम धाम

भारतवर्ष के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में समुद्र के किनारे बसा हुआ है रामेश्वरम तीर्थ। ये तीर्थ स्थान चारों तरफ से हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी जैसे विशाल समुद्र से घिरा हुआ है। रामेश्वरम धाम भगवान शिव को समर्पित किया गया है। माना जाता है इस धाम की स्थापना भगवान राम ने लंका पर चढ़ाई करने से पहले की थी। यहां पर लिंग रूप में भगवान शिव की पूजा की जाती है।

पुरी धाम

भारतवर्ष के पूर्व में बसा उड़ीसा राज्य के तटवर्ती शहर पुरी में स्थित है भगवान कृष्ण को समर्पित किया गया जगन्नाथ मंदिर ये मंदिर वैष्णव संप्रदाय का मंदिर माना जाता है। यहां पर भगवान जगन्नाथ उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की पूजा की जाती है। हर वर्ष यहां पर रथ यात्रा का आयोजन होता है। इस यात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस यात्रा में मंदिर के तीनों देवता अलग-अलग भव्य सुसज्जित रत्नों से विराजमान होकर नगर में यात्रा करते हैं।

द्वारिका धाम

भारतवर्ष के पश्चिम में बसा हुआ है द्वारका धाम। ये धाम भगवान कृष्ण को समर्पित किया गया है। ये तीर्थ गुजरात के पश्चिमी तट पर स्थित है। धार्मिक मान्यता है कि समुद्र किनारे बसे इस धाम को भगवान कृष्ण ने स्वयं बसाया था। द्वारिका में विधि-विधान के साथ भगवान कृष्ण की पूजा होती है और प्रत्येक वर्ष यहां हजारों श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है।

वैसे तो भारतवर्ष में बहुत से मंदिर ऐसे हैं, जो हिंदुओं की आस्था का केंद्र हैं और जहां पर दूर-दूर से लोग दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन इनमें सबसे प्रमुख चार धामों को माना जाता है। भारत में ये चार धाम अलग-अलग चार दिशाओं में मौजूद हैं। उत्तर दिशा में बद्रीनाथ, दक्षिण में रामेश्वरम, पूर्व दिशा में पुरी और पश्चिम दिशा में द्वारकापुरी। धार्मिक मान्यता है कि इन तीर्थों के दर्शन करने के बाद व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इन चार धामों का धार्मिक महत्व इतना ज्यादा है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन धामों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। समय-समय पर इन चार धामों के कपाट बंद होते हैं और खुलते हैं। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित

रिलीज से पहले थलपति विजय की 'लियो' ने की बंपर कमाई

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की फिल्म 'लियो' का उनके चाहने वाले बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म का निर्देशक लोकेश कनगराज कर रहे हैं. निर्देशक की फिल्में 'कैथी', 'विक्रम' और 'मास्टर' शानदार हिट साबित हुई हैं और अब वो 'विक्रम' की सफलता के बाद 'लियो' पर काम कर रहे हैं. थलपति विजय और लोकेश कनगराज इससे पहले 'मास्टर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म साथ में दे चुके हैं. कुल मिलाकर इन सभी वजहों से 'लियो' को लेकर बज बना हुआ है. फिल्म ने रिलीज से पहले ही करीब 400 करोड़ रुपये का प्री-रिलीज बिजनेस कर लिया है.

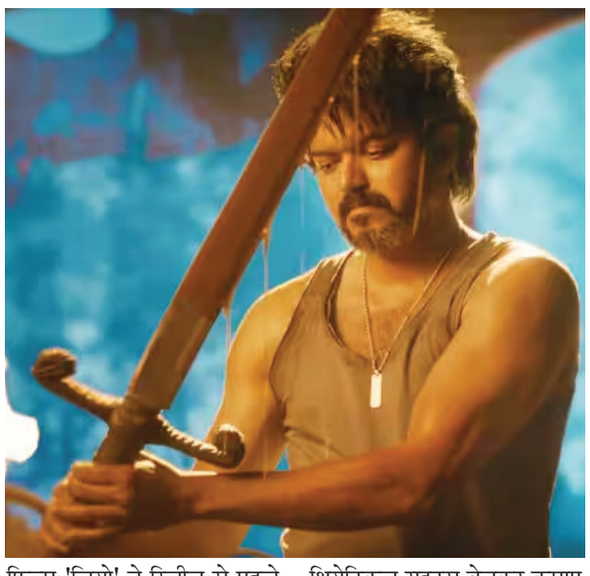

रिलीज से पहले लियो ने की मोटी कमाई

बॉलीवुड लाइफ की खबर के मुताबिक थलापति विजय की फिल्म 'लियो' ने रिलीज से पहले ही 400 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म ने ये रकम सैटेलाइट, डिजिटल, म्यूजिक और थियेट्रिकल राइट्स बेचकर कमाए हैं.

थलपति और लोकेश कनगराज की जोड़ी करेगी धमाल

सूत्रों की माने को 'लियो' के डिजिटल राइट्स नेटफ्लिक्स को 120 करोड़ रुपये में बेच दिए गए हैं, जिसमें तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं के राइट्स शामिल हैं. सैटेलाइट राइट्स सन टीवी को 70 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं. वहीं, फिल्म के म्यूजिक राइट्स 18 करोड़ रुपये में बिके हैं. हिंदी सैटेलाइट राइट्स के लिए सैट मैक्स और गोल्डमाइन्स के बीच जंग छिड़ी है, जो कुछ दिनों में कंफर्म हो जाएगी. हिंदी सैटेलाइट राइट्स की प्राइस रेंज करीब 30 करोड़ रुपये के करीब है।

'लियो' के नॉन थियेट्रिकल राइट्स करीब 240 करोड़ रुपये में बिके हैं. वहीं, फिल्म ने थियेट्रिकल राइट्स से करीब 175 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. ये ग्लोबल स्तर पर बेचे गए फिल्म के थियेट्रिकल राइट्स से हासिल हुई रकम है. सूत्र की माने तो, फिल्म के ओवरसीज राइट्स की मांग करीब 50 करोड़ रुपये है. जबकि, तमिलनाडु में फिल्म के राइट्स की रकम 75 करोड़ रुपये है. केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से करीब 35 करोड़ रुपये की मांग आ रही है. बाकी भारत के अन्य इलाकों से 15 करोड़ रुपये की मांग है. इस तरह से फिल्म ने फिलहाल रिलीज से पहले 400 करोड़ रुपये की कमाई कर अभी से इतिहास रच दिया है.

'लियो' में थलपति विजय के अलावा संजय दत्त फिल्म भी नजर आने वाले हैं. साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री में इस फिल्म तो लेकर भारी क्रेज देखने को मिल रहा है. अब देखना होगा कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद ये पैन इंडिया फिल्म क्या रिकॉर्ड बनाती और तोड़ती है.

प्रभास के साथ क्या संजय दत्त ने साइन की ये बिग बजट फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने एक बार फिर से नेगेटिव रोल में वापसी कर हैं. अभिनेता न केवल बॉलीवुड में, बल्कि दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री में भी वो एक लोकप्रिय खलनायक है के तौर पर अपना जादू बिखेर रहे हैं. पिछले साल संजय दत्त, यश स्टारर मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म KGF 2 में नेगेटिव रोल में नजर आए थे. फिल्म में उनके किरदार ने जमकर सुर्खियां बटोरी थीं. इसके बाद उन्होंने थलपति विजय की मेगाबजट फिल्म 'लियो' साइन की, इस फिल्म में भी वो विलेन के रोल में नजर आएंगे. अब खबर आ रही है कि उनके पास तेलुगु सुपरस्टार प्रभास के साथ एक और दक्षिण फिल्म है. साउथ फिल्म इंडस्ट्री भी संजय दत्त के अभिनय की मुरीद हो गई है, तभी तो एक के बाद एक मोटे बजट की फिल्में उन्हें ऑफर हो रही हैं. प्रभास की बिग बजट फिल्म में उन्हें रोल ऑफर हुआ है, ऐसी खबरें आ रही हैं, हालांकि उनका किरदार क्या होगा. फिल्म में वो नेगेटिव रोल में नजर आएंगे या नहीं इन सभी बातों पर फिलहाल सस्पेंस बना हुआ है. वहीं दूसरी तरह ये भी जानकारी आ रही है कि अगली फिल्म का निर्देशन मारुति कर रहे हैं. फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2022 में शुरू होगी, जिसमें मुख्य भूमिका में प्रभास और मालविका मोहनन नजर आएंगे. इस फिल्म में संजय दत्त हीरो के दादा का रोल प्ले करने वाले हैं, जैसा की खबरें आ रही हैं. कथित तौर पर वो मारुति की फिल्म में 'बाहुबली' स्टार प्रभास के दादा की भूमिका निभाएंगे.बता दें, फिल्म कुछ हफ्ते पहले चर्चा में आई थी जब सेट से एक तस्वीर वायरल हुई थी. टीम के किसी व्यक्ति ने लोकेशन से प्रभास और निर्देशक की एक तस्वीर खींची और इसे सोशल मीडिया पर साझा किया जोकि सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी. लीक हुई तस्वीरों में प्रभास और निर्देशक मारुति एक-दूसरे से बातचीत करते नजर आए थे.

'बेइज्जती कराकर कितना मजा आया?', 'बिग बॉस 16' के बाद सुंबुल तौकीर ने टीना दत्ता से पूछा तीखा सवाल

'उतरन' फेम एक्ट्रेस टीना दत्ता और 'इमली' की स्टार सुंबुल तौकीर खान के बीच 'बिग बॉस 16' में खूब लड़ाई देखने को मिली. कभी लव ट्रायंगल तो कभी एक-दूसरे पर तानों की बरसात, सुंबुल और टीना ने अपने कड़वाहट भरे बॉन्ड से खूब लाइमलाइट बटोरी. वे एक-दूसरे से बात करना भी पसंद नहीं करते हैं. इस बीच सुंबुल ने टीना पर निशाना साधा है. सुंबुल तौकीर खान ने बॉलीवुड हंगामा को एक इंटरव्यू दिया. इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि वह बतौर रिपोर्टर टीना दत्ता से क्या सवाल पूछना चाहेंगी. इस पर एक्ट्रेस ने ऐसा जवाब दिया, जिसे सुन हर कोई हक्का-बक्का रह गया. सुंबुल ने रिपोर्टर बनकर बताया कि वह टीना से क्या पूछना चाहेंगी. सुंबुल ने कहा, "मैं टीना दत्ता से सवाल पूछना चाहूंगी कि आपको कितना मजा आया अपनी बेइज्जती करवाने में." 'बिग बॉस 16' के शुरुआती एपिसोड में सुंबुल और टीना के बीच दोस्ती हो गई थी. उनका शालीन भनोट के साथ भी अच्छा बॉन्ड था. हालांकि, टीना शालीन और सुंबुल को बतौर कपल जोड़ रही थीं, साथ ही बार-बार कह रही थीं कि सुंबुल उन्हें पसंद करती हैं. ये बात इतनी खिंची कि सलमान ने सुंबुल के पिता को शो में बुलाया. फिर उन्होंने सुंबुल को टीना और शालीन से दूर रहने के लिए कहा. बाद में बात और बिगड़ गई, जब सुंबुल के पिता ने टीना के बारे में विवादित बयान दिया. इसे शो में दिखाया गया, जिसके बाद टीना और सुंबुल के बीच छत्तीस का आकड़ा हो गया. टीना ने सुंबुल को शालीन के लिए ऑब्सेस्ड बताया. साथ ही कई बार उन्हें ताने भी मारे. दोनों के बीच बिग बॉस का घर जंग का अखाड़ा बन गया था. खैर, 'बिग बॉस 16' के बाद से टीना लाइमलाइट से दूर हैं.

बिना सिंदूर और मंगलसूत्र के दिखीं कियारा आडवाणी : वीडियो देख भड़के यूजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी अपनी शादी के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई के एक इवेंट में शिरकत की, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में कियारा रेड कार्पेट पर ग्लैमरस लुक में दिखाई दीं। हालांकि, नई दुल्हन का ये लुक कई लोगों को पसंद नहीं आया और उन्होंने कियारा को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

इस वीडियो में कियारा रेड हाई स्लिट ऑफ-शोल्डर गाउन में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। लाइट मेकअप और गोल्डन हील्स के साथ उन्होंने इस लुक को कम्पलीट किया, लेकिन उन्हें बिना सिंदूर और मंगलसूत्र में देख कर यूजर्स उनकी जमकर क्लास लगा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा,' क्या दिक्कत है अगर इंडियन मैरिड वुमन की तरह सिंदूर, चूड़ा पहने तो, करीना कपूर भी साड़ी और सिंदूर में रहती हैं, कितनी गॉरजस लगती हैं'। तो वहीं दूसरे ने लिखा, 'शादी के बाद ऐसे रहती हैं इंडियन मैरिड वुमन?' ऐसे ही कई लोगों ने इस ड्रेस को कियारा के रिसेप्शन वाली ड्रेस से बेहतर बताया है।

बता दें, कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के 'सूर्यगढ़ पैलेस' में शादी की थी। उन्होंने शादी में इंडस्ट्री के कुछ ही दोस्तों को आमंत्रित किया था, लेकिन बाद में दिल्ली और मुंबई में दो रिसेप्शन रखे थे।

हाल ही में कपल को शादी के बाद एक इवेंट में साथ देखा गया था, जहां दोनों एक-दूसरे को गले लगते हुए नजर आए थे। इस दौरान स्टेज पर कियारा ने अपनी शादी के दौरान के समय का एक किस्सा भी सुनाया था। उन्होंने बताया कि आखिर शादी के समय वो क्या महसूस कर रही थीं।

गर्लफ्रेंड के साथ रोमांटिक हुए ऋतिक रोशन सबा आजाद को दिया गुडबाय किस

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन काफी लंबे टाइम से एक्ट्रेस सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर एक-दूसरे के साथ स्पॉट किया जाता है। अब हाल ही में ऋतिक को उनकी गर्लफ्रेंड के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में ऋतिक पैपराजी के सामने सबा संग रोमांटिक होते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, सबा एयरपोर्ट पर ऋतिक को छोड़ने आई थीं और इसी बीच ऋतिक एयरपोर्ट पर अपनी गर्लफ्रेंड को लिप किस करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, सबा गाड़ी से बाहर निकल कर गले लगाती हैं। इसके बाद ऋतिक अपने स्टाफ के साथ एयरपोर्ट के अंदर चले जाते हैं। अब फैंस इस वीडियो पर फैंस जमकर लाइक्स और कमेंट कर रहे हैं। दोनों का ये रोमांटिक अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन इस समय फिल्म 'फाइटर' की शूटिंग में काफी व्यस्त चल रहे हैं। बता दें कि ऋतिक रोशन की 'फाइटर' एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है जो अगले साल 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में ऋतिक के साथ बॉलीवुड सुपरस्टार दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि यह एक मेगा बजट फिल्म होगी।

रजनीकांत के नातियों को देख बोले लोग- अरे ये तो रजनीकांत की हूबहू कॉपी हैं

रजनीकांत की बेटी और साउथ के सुपरस्टार धनुष की वाइफ रहीं ऐश्वर्या रजनीकांत ने अपने बेटों के साथ अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है और बेटे लिंगा और यात्रा के स्पोर्ट्समैनशिप की जमकर तारीफ की है। ऐश्वर्या और धनुष का बेटा खेल के मैदान में अपनी पूरी ताकत लगाता दिख रहा है।

रजनीकांत के नाती की तस्वीरें वायरल

साउथ सिनेमा के स्टार धनुष की वाइफ ऐश्वर्या रजनीकांत ने अपने बेटे लिंगा के स्पोर्ट्स डे की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में ऐश्वर्या के साथ उनका दोनों बेटा लिंगा और यात्रा नजर आ रहा है। स्कूल के स्पोर्ट्स डे में शामिल ये बच्चे खेल के मैदान में परफॉर्म करते दिख रहे हैं और अंत में दोनों के हाथ में एक बड़ी सी ट्रॉफी भी दिख रही है।

स्पोर्ट्स डे पर ऐश्वर्या के बड़े बेटे यात्रा अपनी जीत को भाई के साथ सेलिब्रेट करते दिख रहे हैं। बेटे की इसी जीत पर ऐश्वर्या रजनीकांत ने एक नोट शेयर किया है और कहा है, 'सूर्य की रोशनी कितनी भी तेज हो, वो इन बच्चों की खेल भावना और इनके साहस को रोक नहीं सकती। वे सुबह की धूप में दौड़ रहे थे और टैन हो रहे थे और मैं वहीं खड़ी होकर अपने बेटों की चमक का आनंद ले रही थी और मुस्कुरा रही थी।'

लोगों ने कहा- ऊपर से नीचे तक रजनी सर के जैसा ही लगता है

ऐश्वर्या के इस पोस्ट पर फैन्स ने भी खूब कॉमेंट किए हैं। एक यूजर ने कहा है, 'यात्रा रजनीकांत और धनुष को मिलाकर उन दोनों जैसा दिखता है।' लोगों ने मां और बेटे की बॉन्डिंग को खूबसूरत बताया है। एक ने कहा- रजनीकांत को कोई बेटा नहीं, लेकिन उनके नाती खासकर यात्रा ऊपर से नीचे तक उनके जैसा ही लगता है जैसे रीबर्थ हुआ हो। एक ने कहा- आपका बड़ा बेटा हूबहू रजनीकांत सर जैसा है। लोगों ने अभी से कह दिया है कि तमिल फिल्म का अगल सुपरस्टार है।

धनुष और ऐश्वर्या ने अलग होने की घोषणा की थी

बता दें कि जनवरी 2022 में धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के करीब 18 साल बाद एक-दूसरे से अलग होने का ऐलान किया था। धनुष और ऐश्वर्या ने साल 2004 को शादी रचाई थी और इस शादी से उन्हें दो बच्चे भी हुए। दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने को लेकर एक पोस्ट लिखा था जिसे पढ़कर उनके फैन्स हैरान थे। उन्होंने इस पोस्ट में कहा था, 'हमने 18 साल एक दोस्त, कपल, पैरेंट और वेल विशर की तरह समय बिताया है और आज हम अपने रास्ते अलग करने जा रहे हैं। हमने एक कपल के रूप में एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया है, ताकि हम खुद को बेहतर तरीके से समझ सकें।'

रिश्ते को एक मौका देने का फैसला

हालांकि, खबर आई कि रजनीकांत के घर धनुष और ऐश्वर्या ने परिवार के साथ बैठकर एक मीटिंग की थी और फिर दोनों ने अपने रिश्ते को एक और मौका देने का फैसला लिया।

किशोर कुमार की बायोपिक में रणबीर कपूर आएंगे नजर

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर जल्द ही दिवंगत एक्टर-सिंगर किशोर कुमार की बायोपिक में नजर आने वाले हैं। हाल ही में रणबीर ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के प्रमोशनल इवेंट में इस खबर की पुष्टि की है।

इस दौरान रणबीर ने कहा, 'मैं किशोर कुमार की बायोपिक का हिस्सा हूं और पिछले 11 सालों से इस पर काम कर रहा हूं। अनुराग बसु इसकी स्टोरी लिख रहे हैं।' इसके साथ ही रणबीर ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि ये मेरी अगली बायोपिक होगी।

पिछले साल एक इंटरव्यू में किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार ने अपने पिता की बायोपिक के बारे में बात करते हुए कहा था, 'हम मेरे पिता पर भी बायोपिक बना रहे हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या इसे अनुराग बसु और रणबीर साथ में मिलकर बनाने वाले हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं, अब हम इसे खुद प्रोड्यूस करेंगे। हमने इसे लिखना शुरू कर दिया है।' अब रणबीर के इस बयान के बाद फैंस कंफ्यूज हो गए हैं। लोगों का कहना है कि अमित ने इस बारे में गलत जानकारी क्यों दी थी।

किशोर कुमार भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज का जादू आज भी सिर चढ़कर बोल रहा है। उनके गाने संगीत प्रेमियों की पहली पसंद हैं। उन्होंने हिंदी, बंगाली, असमिया, गुजराती, भोजपुरी, कन्नड़, मलयालम और उर्दू में गाने गाए। किशोर का जन्म 4 अगस्त 1929 को मध्यप्रदेश के खंडवा में हुआ। बचपन में उनका नाम आभास कुमार गांगुली था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर किशोर कुमार रख लिया।

किशोर कुमार ने चार शादी की थी। उनकी पहली पत्नी रूमा गुहा थीं, दूसरी मधुबाला, तीसरी योगिता बाली और चौथी लीना चंदावरकर। उनका 36 साल पहले (13 अक्टूबर 1987) निधन हो गया था। उन्होंने अपने करियर में करीब 110 म्यूजिक डायरेक्टर्स के साथ 2678 फिल्मों में गाने गाए थे। इसके अलावा किशोर दा ने करीब 88 फिल्मों में बतौर एक्टर भी काम किया था।

नेहा मलिक ने किया भोजपुरिया जवार की नींद उड़ाने का बंदोबस्त

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक के नए फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुईं हैं। इन खूबसूरत तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की जालीदार ड्रेस में गजब के पोज देती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को भोजपुरी के यूजर्स बार-बार देखना पसंद कर रहे हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने लोगों का नींद उड़ाने का पूरा बंदोबस्त कर लिया है। हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ नई तस्वीरें सामने आईं, जिसे देख यूजर्स दीवाने हो गए। नेहा के काम ही भले ही चर्चा ना हो लेकिन उनकी तस्वीरें सुर्खियों में अपनी जगह बना ही लेती हैं। इन तस्वीरों ने भी कुछ ऐसा ही किया। इन तस्वीरों ने ना सिर्फ सनसनी मचाई है बल्कि ट्रोलर्स का ध्यान भी खींचा है। वायरल हो रही तस्वीरों को खुद नेहा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'गॉट दैट फ्राइडे फिलिंग।' तस्वीरों में नेहा ब्लैक कलर की नेट वाली ड्रेस में पोज देती नजर आ रही हैं।

ट्रोलर्स के निशाने पर आईं नेहा

एक तरफ जहां यूजर्स नेही के अदाओं की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं वहीं ट्रोलर्स ने भी अपनी दुकान खोल ली है। एक यूजर ने एक्ट्रेस की तुलना उर्फी से करते हुए लिखा, 'उर्फी की बहन बनने की कोशिश ना करो।' वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, खेसारी की हिरोइन अब उर्फी जैसी बन रही है।' हालांकि कई लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने इन सारे कॉमेंट्स के बीच नेहा को सपोर्ट भी किया है।

जिम करने के बाद अगर शरीर में दिखे ये लक्षण, तो आपकी बॉडी दे चुकी है जवाब

जिम में जाकर एक्सरसाइज करने से बॉडी फिट होती है। इससे स्टैमिना, स्टैबिलिटी और पोस्चर भी सुधरता है। लेकिन इस चक्कर में आप खुद अपनी बॉडी के दुश्मन बन सकते हैं। क्योंकि, अगर आप जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज कर रहे हैं, तो यह ओवरट्रेनिंग हो रही है। जब आप ओवरट्रेनिंग करते हैं, तो शरीर इसके बारे में संकेत देता है। लेकिन आप इन लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और मसल्स को काफी नुकसान पहुंचाने लगते हैं। इसलिए ओवर-ट्रेनिंग के 3 लक्षणों के बारे में हमेशा ध्यान रखें।

ऐसे होती है ओवरट्रेनिंग

एनसीबीआई के अनुसार, ओवरट्रेनिंग का मतलब है कि आप एक्सरसाइज के बाद मसल्स को रिलैक्स होने का वक्त नहीं दे रहे हैं। दरअसल, आपको एक्सरसाइज के दो सेशन के बीच में पर्याप्त आराम करना चाहिए। आराम की यह अवधि आपके वर्कआउट की गंभीरता पर निर्भर करता है, जिसके लिए किसी सर्टिफाइड फिटनेस कोच से सलाह जरूर लें।

ये है ओवरट्रेनिंग का सबसे पहला लक्षण

अगर वर्कआउट के बाद आपकी मसल्स में भयंकर सूजन और दर्द रहता है तो यह ओवरट्रेनिंग का लक्षण हो सकता है। फिटनेस ट्रेनर और डिजिटल क्रिएटर नवजोत सिंह के मुताबिक, एक वर्कआउट के बाद 3-4 दिनों तक सूजन-दर्द ना जाना जरूरत से ज्यादा ट्रेनिंग का संकेत है।

रात में नींद के बीच जागना

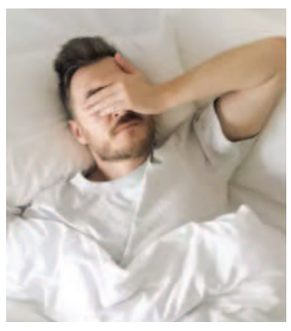

मसल्स और बॉडी को रिलैक्स करने के लिए पर्याप्त नींद की जरूरत होती है। लेकिन जब आप जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करते हैं तो रात में नींद गहरी नहीं आती। जिसके कारण मसल्स पर तनाव और बढ़ जाता है और बॉडी खराब हो सकती है।जोड़ों में हल्का-हल्का दर्द

ट्रेनिंग के दौरान आपके जॉइंट पर प्रेशर पड़ता है। जो लोग

ज्यादा सिंगल जॉइंट या मल्टी जॉइंट एक्सरसाइज करते हैं,

उनके जोड़ों में हल्का-हल्का दर्द होता रहता है और यह धीरे-धीरे बढ़ता जाता है।

ओवरट्रेनिंग से मिलने वाले संकेत

1. खाना खाने का मन ना होना
2. पूरे दिन थकान रहना
3. मसल्स ना बढ़ना
4. मसल्स घटना
5. इम्युनिटी घटना

शरीर में प्रोटीन भर देंगी देसी आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां, नहीं पड़ेगी चिकन-अंडे की जरूरत

अगर आप मांस-मछली या अंडे नहीं खाते हैं, तो टेंशन न लें। नेशनल प्रोटीन डे पर आयुर्वेद डॉक्टर ने कुछ जड़ी बूटियां बताई हैं जिनमें प्रोटीन पाया जाता है और उनमें मसल्स ओ स्ट्रोंग बनाने की ताकत होती है। प्रोटीन एक जरूरी मैक्रोन्यूट्रिएंट है जो शरीर के विकास के लिए जरूरी है। प्रोटीन के बिना आपकी मसल्स कमजोर और बूढ़ी हो सकती हैं। प्रोटीन बॉडी टिश्यू बनाता है और उनकी मरम्मत करता है, यह हार्मोन को कंट्रोल करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

जिस तरह से शरीर के लिए कैल्सियम या विटामिन जैसे पोषक तत्व जरूरी हैं, उसी तरह प्रोटीन भी जरूरी है। प्रोटीन की कमी से शरीर में खून की कमी, मांसपेशियों को नुकसान, थकान, कमजोरी, बाल झड़ना, त्वचा का

पतला होना, बीपी लो होना, डायरिया और कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

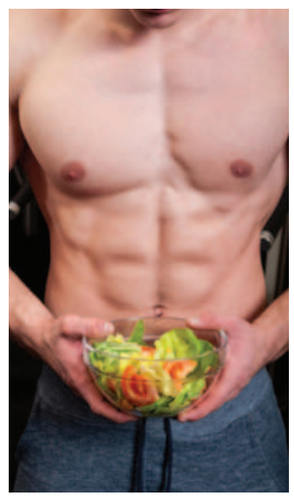

प्रोटीन की कमी कैसे पूरी करें?

शरीर को प्रोटीन की कमी से बचाने के लिए आपको प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। बहुत सी वेज और नॉन-वेज चीजों में प्रोटीन पाया जाता है। 27 फरवरी को नेशनल प्रोटीन डे मनाया जाता है। इस अवसर पर डॉक्टर आपको बता रहे हैं कि कुछ आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों में भी प्रोटीन पाया जाता है।

अश्वगंधा

आयुर्वेद में अश्वगंधा को एक शक्तिशाली जड़ी बूटी माना जाता है। इसे शरीर में जान भरने और उम्र को बढ़ाने वाली औषधि का दर्जा प्राप्त है। कई शोध दावा करते हैं कि अश्वगंधा में शरीर में ताकत बढ़ाने और कार्डियोरेस्पिरेटरी फंक्शन में सुधार करने की क्षमता होती है। डॉक्टर का मानना है कि यह प्रोटीन का बढ़िया स्रोत है और इसके नियमित सेवन से कोर्टिसोल का लेवल कम करने, टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ाने, मांसपेशियों को विकास और उन्हें मजबूत करने में मदद मिलती है।

शतावरी

शतावरी मांसपेशियों के विकास के लिए एक बढ़िया आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन इसमें ऊर्जा बढ़ाने, मांसपेशियों का विकास और उन्हें मजबूत करने की भी क्षमता होती है। इसमें मौजूद स्टेरॉइडल सैपोइन को टेस्टोस्टेरोन लेवल को बढ़ाने के लिए जाना जाता है, जबकि अमीनो एसिड शरीर में प्रोटीन बढ़ाने का काम करता है।

कड़वा संतरा

मीठे या खट्टे संतरे की तुलना में कड़वे संतरे सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं। कड़वे संतरे में अल्कलॉइड पाया जाता

है, जो मांसपेशियों के नुकसान के बिना फैट को कम करने का काम करता है। सबसे बड़ी बात यह तत्व चयापचय दर को बढ़ाता है जिससे कैलोरी बर्न बढ़ जाती है। अगर आप तगड़ी मसल्स चाहते हैं, तो इसका सेवन करें।

सफेद मूसली

सफेद मूसली प्रोटीन का एक बढ़िया स्रोत है। आयुर्वेद में इस जड़ी बूटी का इस्तेमाल लंबे समय से पुरुष यौन विकारों के इलाज के लिए किया जाता है। इसमें टेस्टोस्टेरोन लेवल बढ़ाने की क्षमता होती है। अगर आप मांसपेशियों को मजबूत करने वाली दवा खोज रहे हैं, तो सफेद मूसली आपके लिए सबसे बेस्ट है।

गोखरू : गोखरू एक ऐसी जड़ी बूटी है जिसका इस्तेमाल किडनी रोग, डायबिटीज और प्रजनन विकारों सहित कई स्थितियों के इलाज करने के आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोग किया जाता है। इसमें दुष्प्रभाव पैदा किए बिना टेस्टोस्टेरोन लेवल बढ़ाने की क्षमता होती है। प्रोटीन से भरपूर यह जड़ी बूटी मांसपेशियों की शक्ति भी बढ़ा सकती है।

शराब छुड़ाती है ये दवा, लत छोड़ने के लिए मजबूर हो जाता है शराबी

भारत में शराब पीने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है और एक अनुमान के मुताबिक, इस न्यू ईयर पर तो पिछले सारे रिकॉर्ड टूट गए थे। शराब सिर्फ आपके स्वास्थ्य को ही खराब नहीं करती, बल्कि अपराध और घरेलू हिंसा को भी बढ़ावा देती है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि अधिकतर लोग चाहकर भी शराब की लत नहीं छोड़ पाते हैं।

मगर अब ऐसे लोगों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। कई शोधकर्ताओं को एक अध्ययन के दौरान शराब की लत छुड़ाने वाली असरदार दवा मिल गई है। इस दवा की खासियत यह है कि शराबी अपने आप ही इस गंदी आदत को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाता है।

कहां और किसने किया अध्ययन?

एक अध्ययन शोधकर्ताओं द्वारा अमेरिका में किया गया। शराब की लत छुड़ाने वाली इस दवा का असर देखकर प्रमुख शोधकर्ता चौंक गए थे। स्टडी की को-ऑथर ने कहा कि, मैंने ऐसा प्रभाव पहले कभी नहीं देखा था।

इस दवा से छूट जाती है शराब की पुरानी लत

शोधकर्ताओं ने पाया कि **एप्रेमिलास्ट दवा** का सेवन करने पर शराब पीने का मन नहीं करता। यह स्टडी इंसानों से पहले जानवरों पर की गई थी, जिसके प्रभाव से सभी शोधकर्ता चकित रह गए। इस शोध को एल्कोहॉल यूज डिसऑर्डर के इलाज में मील का पत्थर माना जा रहा है।

किस बीमारी में काम आती है एप्रेमिलास्ट?

शोध के मुताबिक, एप्रेमिलास्ट एफडीए से प्रमाणित एंटी-इंफ्लामेटरी ड्रग है। जिसे सोरायसिस के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। यह दवा सोरायसिस से होने वाली आर्थराइटिस को भी सही करने में मदद करती है। इस दवा से हैवी ड्रिंकर्स को लत से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है।

कैसी करती है काम?

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह दवा न्यूक्लस कंबुनेस की गतिविधि को बढ़ा देती है। यह दिमाग का वो हिस्सा होता है, जो शराब के सेवन को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसलिए जो लोग शराब से छुटकारा पाना चाहते हैं, उनके लिए यह दवा काफी मददगार साबित हो सकती है।

कम पेग लगाता है व्यक्ति

जिन लोगों को शराब पीने की आदत पड़ जाती है, वो एक दिन में ना जाने कितने पेग पी जाते हैं। लेकिन शोध कहता है कि शराब छुड़ाने वाली ये मेडिसिन एल्कोहॉल की इच्छा को आधे से ज्यादा कम कर देती है। मतलब अगर कोई व्यक्ति एक दिन में 5 पेग लगाता है, तो वह दवा के इस्तेमाल के बाद 2 पेग तक कंट्रोल कर सकता है।

बच जाते हैं ये 5 अंग

शराब पीने से हमारे कई सारे अंग खराब हो जाते हैं, जिन्हें इस दवा से बचाया जा सकता है। एल्कोहॉल से दिमाग, दिल, लिवर, पैंक्रियाज, इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाते हैं और कई सारे कैंसर का खतरा भी बन जाता है।

6 अंगों को चुपचाप ठप कर देता है हल्का-सा डिप्रेशन

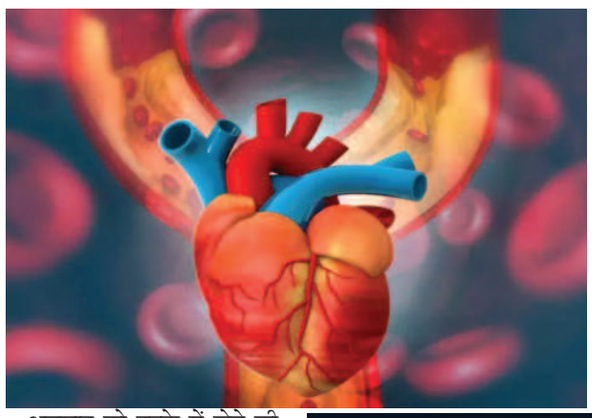

अवसाद को हल्के में लेने की गलती ना करें, क्योंकि, थोड़ा-सा डिप्रेशन भी 6 अंगों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाता है। जान लें इसस निकलने के लिए क्या खाना चाहिए? हेल्दी रहने के लिए बीमारियों से दूर रहना जरूरी है। कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज, किडनी की बीमारी, कैंसर आदि ऐसी बीमारी हैं, जिनसे हर कोई दूर ही रहना पसंद करता है। लेकिन एक बीमारी ऐसी भी है, जिसे लोग बीमारी ही नहीं मानते। जी हां, डिप्रेशन को एक भ्रम की तरह लिया जाता है।

डिप्रेशन एक मानसिक बीमारी है, जो उन सभी स्वास्थ्य समस्याओं को पैदा कर सकती है, जिनसे आप दूर रहना चाहते हैं। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि डिप्रेशन से बचने व निकलने का तरीका बहुत कम लोग जानते हैं, जिसकी वजह से यह बीमारी चुपके-चुपके शरीर के अंगों को खोखला बना देती है।

दिल में खराबी

डिप्रेशन के कारण स्ट्रेस हॉर्मोन भी बढ़ जाते हैं, जिससे दिल

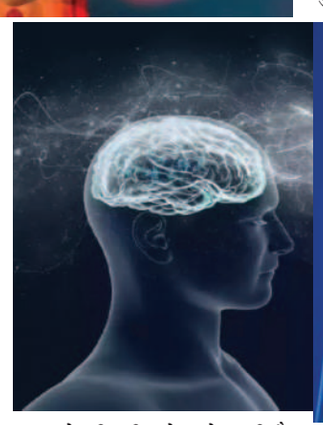

धड़कने की स्पीड तेज हो जाती है और खून की नसें टाइट होती हैं। यह स्थिति हार्ट अटैक आने के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। सीडीसी के मुताबिक, जो लोग हल्के डिप्रेशन से भी गुजर रहे हैं, उन्हें भी दिल की बीमारी होने का खतरा बहुत ज्यादा होता है।

लिवर की बीमारी

एनसीबीआई पर पब्लिश स्टडी कहती है कि डिप्रेशन में शराब व अन्य नशीली चीजों की लत पड़ सकती है। जो कि समय के साथ एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज पैदा कर देती है और लिवर को सड़ा सकती है। इसलिए डिप्रेशन से लिवर की बीमारी होने का खतरा भी काफी होता है।

किडनी की बीमारी

डिप्रेशन में बेसहारा और नाउम्मीद महसूस होता है, जो धीरे-धीरे किडनी के काम करने की क्षमता को घटा सकता है। क्योंकि, अवसाद की मानसिक समस्या खराब पोषण, नींद की कमी, टाइप 2 डायबिटीज से जुड़ी हुई है, जिससे किडनी पर भी बुरा असर पड़ता है।

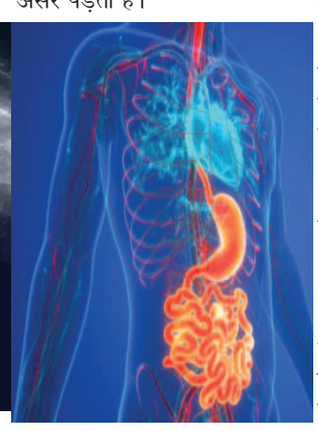

इम्यून सिस्टम होगा बेकार

डिप्रेशन या अन्य मूड डिसऑर्डर इम्यून सिस्टम को खराब कर सकते हैं। यह बीमारी संक्रमण से लड़ने की उसकी क्षमता को घटा देती है और आपको बार-बार जुकाम-खांसी या अन्य इंफेक्शन होने लगते हैं।

पेट और डायजेशन

यह मानसिक समस्या आपकी भूख और पोषण से गहरा संबंध रखती है। इसके कारण जरूरत से ज्यादा नुकसानदायक चीजें खाना या भूख ना लगने का खतरा बढ़

जाता है। जिससे डायजेशन बिगड़ने लगता है और कुपोषण या मोटापे जैसी समस्या हो सकती है।

दिमाग

मानसिक बीमारी होने के कारण डिप्रेशन सबसे ज्यादा दिमाग को नुकसान पहुंचाता है। इसकी वजह से चीजें याद रखने, निर्णय लेने और फोकस करने में मुश्किल आती है। यह दिमाग को शांत होने से भी रोकता है, जिससे इंसोम्निया की बीमारी हो सकती है।

ये है उपाय : यह एक बेहतरीन

मेंटल हेल्थ टिप है, जो डिप्रेशन को खत्म करने या बचाव में मदद करती है। एनसीबीआई की स्टडी के अनुसार, सब्जियों में सबसे ज्यादा एंटी-डिप्रेसेंट गुण होते हैं। इसलिए इस बीमारी का इलाज करने के लिए पालक, शलजम, तुलसी, कद्दू, फूल गोभी, ब्रॉकली

क्या आपको भी धुंधला दिखता है?

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। फेफड़े में घाव है। इसके क्या लक्षण है? उपचार क्या है ? कृपया कर बताएं।

- बी प्रमोद, वरंगल

उत्तर : फेफड़ों में छालों के कारण खांसी और बलगम आ सकता है। यह लक्षण कभी-कभी या लगातार बने रह सकते हैं। बलगम सफेद या पीला और खून मिला होने पर लाल भी हो सकता है। खांसी के साथ रक्त भी आ सकता है। यह लक्षण 60% व्यक्तियों में देखे जा सकते हैं। इसके कारण सांस फूलना, वजन गिरना, साइनस संक्रमण आदि हो सकते हैं। फेफड़ों के डि जि ट ल एक्सरे, सीटी स्कैन से फेफड़ों के छालों की पुष्टि हो सकती है। बलगम व रक्त परीक्षण से संक्रमण के कारण का पता चल सकता है।

ऊंझा श्रंगाराभ्र रस टिकिया, बोल बद्ध रस, लाक्षा चूर्ण, ऊंझा सितोपलादि चूर्ण, ऊंझा बसंत मालती रस आदि का प्रयोग रोग विनिश्चय के बाद कुशल वैद्य के संरक्षण में करना लाभदायक होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 26 वर्ष है। मूत्र सफेद आता है। इसका क्या कारण हो सकता है? कृपा कर बताएं।

- अभिनव शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : मूत्र शरीर का मल है। आयुर्वेद में तीन शारीरिक मलों का वर्णन आता है। पेशाब, पसीना और पाखाना। मूत्र का निर्माण वृक्क(गुर्दे) करते हैं। चयापचयजनित मल जो पानी में घुल जाते हैं उन्हें शरीर से बाहर निकालने का काम मूत्र करता है। इन्हीं घुलनशील पदार्थों के कारण मूत्र रंग में हल्का पीला या पीला सफेद होता है। कुछ अवस्थाओं में य ह

रंगहीन हो जाता है।

इसके प्रमुख कारण है- अधिक पानी पीना, मानसिक रोग और डायबिटीज इन्सीपीडस। मूत्र में एल्ब्यूमिन की मात्रा बढ़ने से भी रंग बदल जाता है। बेहतर है आप मूत्र की परीक्षा करवाएं। कारण स्पष्ट हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे धुंधला दिखता है। क्या इस उम्र में भी मोतियाबिंद हो सकता है?

- रमणा राव, करीमनगर

उत्तर : मोतियाबिंद होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे - गर्भावस्था में जीवाणु संक्रमण, किसी भी उम्र में आंख में चोट, मधुमेह, स्टिराइड्स संबंधी दवाओं का लंबे समय तक सेवन, अधिक धूम्रपान, अधिक मद्यपान आदि। सामान्यतः यह रोग 60 वर्ष के बाद होने की संभावना होती है।

आंख से धुंधला दिखाई देना या दृष्टि कम होना ठीक नहीं है। जीवनीय तत्वों की कमी भी एक कारण हो सकती है। इसके लिए आप गाजर, पपीता, चुकंदर, सभी पीले फलों का सेवन करें। ऊंझा सप्तामृत लोह टिकिया त्रिफला चूर्ण या टेबलेट सुबह-शाम गुनगुने दूध में त्रिफला घृत (मात्रा - एक चम्मच) मिलाकर सुबह-शाम लेवें। आंखों को त्रिफला के पानी से धोएं, साफ करें। आंखों के सूक्ष्म योगिक व्यायाम करें। ताज़ा,स्वच्छ व संतुलित भोजन करें। धीरे-धीरे आंखों का धुंधलापन दूर हो जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

अब 3 मई तक चुन सकेंगे ज्यादा पेंशन का विकल्प

बेसिक सैलरी 50 हजार हो तो तीन गुना से ज्यादा बढ़ सकती है पेंशन

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) से ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख को बढ़ा दिया गया है। पहले इसकी आखिरी तारीख 3 मार्च थी जिसे अब बढ़ाकर 3 मई किया गया है। कुछ लोग असमंजस में हैं कि ये विकल्प चुनना चाहिए या नहीं। कुछ को ये भी स्पष्ट नहीं है कि वे इसके पात्र हैं या नहीं। आइए ये उलझन दूर करते हैं...

मान लीजिए कि रिटायर होते वक्त आपकी कुल नौकरी 33 साल और आखिरी बेसिक सैलरी 50 हजार रुपए रही। ऐसे में मौजूदा व्यवस्था के तहत पेंशन की गणना अधिकतम 15 हजार रुपए की बेसिक सैलरी पर होगी। इस तरह (33 साल+2= 35/70x15,000) फॉर्मूले के हिसाब से आपको 7,500 रुपए पेंशन मिलेगी। मौजूदा व्यवस्था में ये अधिकतम पेंशन है। लेकिन यदि आपने ज्यादा पेंशन का विकल्प चुना तो आखिरी बेसिक सैलरी के हिसाब से (33 साल+2= 35/70x50,000) 25,000 रुपए पेंशन मिलेगी। ऊंची पेंशन का विकल्प चुनने के लिए पहले के कम योगदान की भरपाई कैसे होगी?

इस मामले में इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि ऊंची पेंशन के लिए सिर्फ अभी से रिटायर होने तक ही ज्यादा योगदान की जरूरत नहीं होगी।

सबसे बड़ी प्याज मंडी में कम कीमतों से नाराज किसानों बिक्री रोकी

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्याज की लगातार गिरती कीमतों से निराश किसानों ने मंडी में प्याज की बिक्री रोक दी है। महाराष्ट्र के लासलगांव कृषि उत्पादन बाजार समिति में नाराज किसानों ने प्याज की नीलामी रोकने का फैसला किया है। बता दें कि एशिया के बसे बड़े प्याज बाजार लासलगांव एपीएमसी में प्याज की कीमतों हाल के दिनों में दो से चार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं है। इससे प्याज उत्पादों में नाराजगी बढ़ी है। प्याज उत्पादक किसानों के एक प्रतिनिधि ने बताया कि सरकार को तत्काल किासनों के लिए प्रति क्विंटल 1500 रुपये का मुआवजा जारी करना चाहिए और उनके उत्पादों को 15 से 20 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर खरीदना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो वे लासलगांव एचपीएमसी में ऑक्शन जारी नहीं रहेने देंगे। बता दें कि प्याज का एशिया का यह सबसे बड़ा बाजार महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है।

सोमवार को जब लासलगांव मंडी खुली तो प्याज की न्यूनतम कीमतें 200 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गईं। इस दौरान प्याज का अधिकतम मूल्य 800 रुपये प्रति क्विंटल और औसत मूल्य 400 से 450 रुपये क्विंटल रहा। प्याज इन ताजा कीमतों से

उत्पादकों में रोष बढ़ा। नाराज किसानों ने महाराष्ट्र राज्य कांदा उत्पादक संगठन के नेतृत्व में अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए मंडी में ब्याज की नीलामी रोक दी।

प्याज उत्पादकों ने सरकार से 15 सौ रुपये प्रति क्विंटल मुआवजा की मांग की

बता दें कि इससे पहले बीते शनिवार को एपीएमसी में 2404 क्विंटल प्याज बिक्री के लिए पहुंचा था। तब प्याज का न्यूनतम भाव 351 रुपये प्रति क्विंटल रहा था। जबकि अधिकतम कीमत 1231 रुपये प्रति क्विंटल रही थी। शनिवार के दिन प्याज का औसत भाव 625 रुपये प्रति क्विंटल रहा था।

महाराष्ट्र राज्य कांदा उत्पादक संगठन के नेता भरत दिघोले ने कहा, ₹विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान सरकार को तत्काल प्रभाव से प्याज किसानों के लिए 1500 रुपये प्रति क्विंटल का मुआवजा घोषित करना चाहिए प्याज की खरीदारी करनी चाहिए। तीन से चार रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बिक रहे प्याज को किसानों को राहत देने के लिए 15 से 20 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर खरीदा जाना चाहिए। अगर आज ये मांग पूरी नहीं होती है तो एपीएमसी में प्याज की नीलामी किसी भी हालत में शुरू नहीं होगी। वहीं, एपीएमसी के सूत्रों के अनुसार इस समस्या के समाधान के लिए बैठक कर रहे हैं। उनका कहना है नाराज प्याज उत्पादकों से बातचीत के बाद ऑक्शन की शुरूआत हो सकती है।

घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली हावी

सात दिन में निवेशकों के 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूबे

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 175.58 अंकों की गिरावट के साथ 59,288.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 73.10 अंकों की गिरावट के साथ 17,392.70 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 0.30% जबकि निफ्टी 0.42% की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार के कारोबारी सेशन में अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 10 प्रतिशत तक लुढ़क गए जबकि मैक्रोटेक के शेयरों में 12 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। बाजार के आंकड़ों के अनुसार बीते सात दिनों के कारोबारी सेशन में निवेशकों के 9.25 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए हैं। इस दौरान सेंसेक्स 2031 अंकों तक नीचे फिसल गया है।

ट्विटर ने 200 कर्मचारियों को निकाला

काम पूरा करने के लिए ऑफिस में सोने वाली एम्प्लॉई भी बाहर, अब 2000 से भी कम कर्मचारी बचे

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। ट्विटर ने शनिवार रात करीब 200 कर्मचारियों को निकाल दिया। ये ट्विटर की करीब 2,000 एम्प्लॉई की वर्कफोर्स का 10% है। एलन मस्क, ने अक्टूबर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद से लगभग 7,500 कर्मचारियों में से आधे से ज्यादा को निकाल चुके हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

पांच वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि कंपनी की इंटरनल मैसेजिंग सर्विस स्लैक को ऑफलाइन कर दिया गया था। इसके जरिए कर्मचारी एक दूसरे के साथ चैट कर सकते थे। शनिवार की रात, कुछ कर्मचारियों ने पाया कि वे अपने कॉर्पोरेट ईमेल अकाउंट और लैपटॉप से लॉग आउट हो गए हैं। रविवार सुबह तक साफ हो गया कि कंपनी ने छंटनी की है।

प्रोडक्ट मैनेजर्स, डेटा साइंटिस्ट और इंजीनियर प्रभावित

इस छंटनी में मशीन लर्निंग और साइट रिलायबिलिटी पर काम करने वाले प्रोडक्ट मैनेजर्स, डेटा साइंटिस्ट और इंजीनियर प्रभावित हुए है। कंपनी ने ऐसे कर्मचारियों को भी निकाला है जो किसी न किसी स्टार्टअप के फाउंडर रहे हैं, जिसका अधिग्रहण ट्विटर ने किया था। कंपनियों के अधिग्रहण के कारण इन कर्मचारियों के पैकेज भी काफी ज्यादा थे।

ऐसी ही एक कर्मचारी एस्थर क्रॉफर्ड थीं, जिन्हें नए ट्विटर ब्लू हेड के रूप में नियुक्त किया गया था। क्रॉफर्ड ने स्क्रीन-शेयरिंग और वीडियो चैट ऐप स्क्वाड बनाया था। बीते दिनों उनकी एक तस्वीर भी वायरल हुई थी। वो सिल्वर कलर के एक स्लीपिंग बैग में ऑफिस में ही सोती हुई नजर आई थीं। पिछले साल अक्टूबर में एलन मस्क के ट्विटर संभालने के कुछ ही हफ्तों बाद अपने टास्क को पूरा करने के लिए क्रॉफर्ड ने ऐसा किया था।

कैब की तरह बुक कर सकेंगे ड्रोन

निजी कंपनियों के साथ मिलकर सरकार इन क्षेत्रों में करेगी उपयोग

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। देश में अब कई कार्यों के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। जल्द ई-कॉमर्स कंपनियां ड्रोन को किराए पर दे सकेंगी। इसकी बुकिंग ठीक उसी तरह होगी जैसे कैब बुक की जाती है। ड्रोन की सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियां इसके लिए एप तैयार करवा रही हैं। ड्रोन का इस्तेमाल खेती, ई-कॉमर्स डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स, निगरानी और मैपिंग और सर्वे में किया जा सकेगा। सरकार ड्रोन कमर्शियल पायलट परियोजना की घोषणा मार्च में कर सकती है।

16 कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी

इस तकनीक को आगे बढ़ाने वाली केंद्र सरकार की एजेंसी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) एक व्यावसायिक पायलट स्कीम को अंतिम रूप देने में जुटी है। इससे ड्रोन निर्माताओं को नए सिरे से बाजार विकसित करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें तैयार बाजार मिल जाएगा। इस योजना के तहत देश के विभिन्न स्थानों से 16 कंपनियों को न्योता देने पर विचार किया जा रहा है। ये कंपनियां निजी-सार्वजनिक साझेदारी के तहत 12 महीने तक ड्रोन की सेवा मुहैया कराएंगी। हर कंपनियों को कम से कम 10 ड्रोन के साथ शुरुआत करनी होगी। कंपनियों का चयन उनके उपयोग और तकनीकी वाणिज्यिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस कार्यक्रम से जुड़े अफसरों का कहना है कि करीब 16 मंत्रालयों ने निजी ड्रोन विनिर्माताओं और ऑपरेटरों के साथ कंसोर्टियम में यह परियोजना शुरू करने में दिलचस्पी दिखाई है। कोयला, तेल, रक्षा, परिवहन, पुलिस और रेलवे के कई सार्वजनिक उपक्रमों ने भी इस परियोजना में दिलचस्पी दिखाई है। नीति के तहत उन्हें इस परियोजना में भाग लेने के लिए पहली प्राथमिकता दी जाएगी। उसके बाद निजी क्षेत्र में एफडीआई निवेशकों को भी न्योता दिया जाएगा। सरकार की ऐसी कई सारी योजनाओं में ड्रोन एक कारगर हथियार साबित हो सकता है। इसलिए सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए अगले तीन सालों के लिए 120 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। सरकार ने इस परियोजना के लिए 12 ड्रोन निर्माता और 11 ड्रोन कलपुर्जा निर्माता पहले ही चुन लिए हैं। इस योजना के जरिये सुनिश्चित किया जाएगा कि इन विनिर्माताओं के पास ईओडीबी परियोजना के जरिये ड्रोन के कार्मिशियल उपयोग के व्यावहारिक तरीके पहले ही हों।

जानकारों का कहना है कि देश में अभी ड्रोन उद्योग बहुत ही शुरुआत दौर में है। लेकिन सरकार की इस पहल से खस्ता हाल चल रहे स्टार्टअप और पीएलआई योजना का पूरा लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

सिर्फ 15,000 रु है सीआरईडी के सीईओ की मंथली सैलरी

कुणाल शाह ने बताया- कैसे करते हैं सर्वाइव, यूजर ने लिखा- यह केवल टैक्स बचाने का एक तरीका

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। फिनटेक कंपनी क्रेड (सीआरईडी) के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) कुणाल शाह ने हाल ही में अपनी सैलरी रिवील की है। दरअसल, रविवार को कुणाल शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। जहां उन्होंने अपनी सैलरी का खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें 15,000 रुपए मंथली सैलरी मिलती है। उन्होंने इसका कारण भी बताया है। 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन में एक यूजर ने कुणाल शाह से सवाल किया कि क्रेड में आपको बहुत कम सैलरी मिलती है, तो फिर आप कैसे सर्वाइव करते हैं? इसके जवाब में कुणाल ने कहा, 'मेरा मानना है कि मुझे तब तक अच्छी सैलरी नहीं मिलेगी, जब तक कि कंपनी प्रॉफिटेबल नहीं हो जाती। क्रेड में मेरी मंथली सैलरी 15,000 रुपए है और मैं इसलिए सर्वाइव कर पा रहां हूं, क्योंकि मैंने कुछ समय पहले अपनी कंपनी फ्रीचार्ज को बेच दिया था।'

तरह कर रहे रिएक्ट

इस स्टोरी का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर यूजर अजीत पटेल ने शेयर किया था। उन्होंने स्क्रीनशॉट शेयर कर लिखा था, 'करोड़ों में सैलरी लेने वाले सीईओ हैं, तो हमारे पास कुणाल शाह भी हैं। इस पोस्ट को 1.4 लाख व्यूज और 2 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले हैं।

एक यूजर ने लिखा- यह टैक्स बचाने का एक तरीका है

हालांकि, कुणाल शाह के रिएक्शन से सोशल मीडिया यूजर्स दो हिस्सों में बट गए हैं। जहां कुछ लोग सीईओ के इस कदम की सराहना कर रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि यह केवल टैक्स बचाने का एक तरीका है। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट कर लिखा, 'वेरी इंप्रेसिव।'

दूसरे यूजर ने कहा, 'कुणाल बहुत विनम्र हैं। उनके शब्द हमेशा मुझे उत्सुक होने के लिए प्रेरित करते हैं।' तीसरे यूजर ने लिखा, 'कुणाल शाह एक एंजल इन्वेस्टर भी हैं और उन्होंने 500 से ज्यादा स्टार्टअप्स में इन्वेस्ट किया है। जब वह अपने इन्वेस्टमेंट से बाहर निकलेंगे तो उनके एंजल इन्वेस्टमेंट्स से भी उन्हें इनकम होगी।'

कुणाल को अपनी सैलरी क्रेड कॉइंस में लेना चाहिए

एक अन्य यूजर ने कहा, 'यहां कौन मूर्ख है, जो यह सोचता है कि 15 हजार घर ले जाने से उसके जीवन में कुछ फर्क पड़ता है?

मेरा मतलब है कि उस आदमी ने सैकड़ों करोड़ रुपए का अपना स्टार्टअप बेच दिया है और उसके पास बहुत पैसा है।' वहीं एक यूजर ने लिखा, 'उन्हें अपनी सैलरी क्रेड कॉइंस में लेना चाहिए।'

जॉब में सक्सेस के लिए चैट जीपीटी का नॉलेज जरूरी

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल चैट जीपीटी चर्चा में है। कोई कविता लिखनी हो या किसी कंप्यूटर प्रोग्राम के कोड्स लिखने हों चैट जीपीटी चंद मिनटों में ही ऐसा कर देता है। विशेषज्ञों के अनुसार एकेडमिक्स और करिअर दोनों में लगातार अपनी स्किल्स को अपग्रेड करना जरूरी है।

चैटजीपीटी यानी चैट जनरेटिव प्री ट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर। यह ओपनएआई का एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट है। टेक्नोलॉजी की दुनिया में यह एक बड़ा बदलाव है। प्री गूगल और पोस्ट गूगल की तरह ही आने वाले समय को अब प्री जीपीटी और पोस्ट जीपीटी में समझाया जाएगा। चैटजीपीटी के पास हर उस सवाल का जवाब है जो इंटरनेट पर मौजूद है, लेकिन यह उसी सवाल का जवाब दे सकता है जो पहले इंटरनेट पर पूछा गया हो। यह एक सॉफ्टवेयर है जो इंटरनेट पर मौजूद जानकारी को पढ़कर जवाब देता है।उदाहरण के तौर पर अगर आपने एक आर्टिकल लिखकर किसी ब्लॉग पर पब्लिश किया तो यह जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध होगी। इसी तरह सैकड़ों आर्टिकल्स पढ़कर चैटजीपीटी अपने जवाब तैयार करता है। जिन सवालों के जवाब खोजने में वक्त लगता है उनके लिए इसे काम में लिया जा सकता है। ओपन एआई की वेबसाइट पर जाकर चैट जीपीटी पर क्लिक करके आप इसका यूज कर सकते हैं, लेकिन आपको सही सवाल पूछना आना चाहिए।

5.8 लाख करोड़ में 470 विमान खरीदेगी एअर इंडिया

एयरबस से 250, वहीं बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट खरीदेगी

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया ने एयरबस और बोइंग को 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। एअर इंडिया के CEO कैंपबेल विल्सन के अनुसार इस डील की वैल्यू 70 अरब डॉलर (5.8 लाख करोड़) है। एअर इंडिया को एयरबस 250 और बोइंग 220 विमान देगा। एयरबस इसी साल के अंत तक विमानों की डिलीवरी भी शुरू कर देगी।

एयरबस के साथ हुई डील के तहत 40 वाइड बॉडी A350 एयरक्राफ्ट, 210 नैरोबॉडी सिंगल-आइजल A320 नियोस एयरक्राफ्ट मिलेंगे। वहीं बोइंग से हुई डील 34 अरब डॉलर की है। इसके तहत एअर इंडिया को 190 B737 मैक्स विमान, 20 B787 विमान और 10 B777 एक्स विमान की डिलीवरी होगी।

अभी टाटा ग्रुप की 4 एयरलाइन्स के पास 220 एयरक्राफ्ट

टाटा ग्रुप की एअर इंडिया, एयर एशिया इंडिया, विस्तारा और एअर इंडिया एक्सप्रेस के पास 220 एयरक्राफ्ट

इनमें 172 नैरो-बॉडी और 48 वाइड-बॉडी। 45 वाइड-बॉडी जेट का इस्तेमाल ओवरसीज

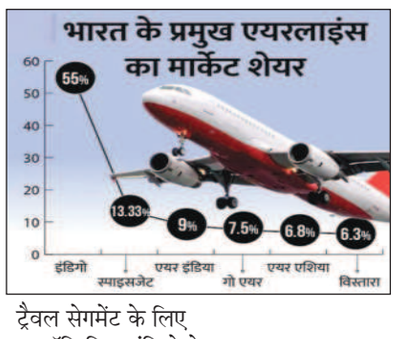

ट्रैवल सेगमेंट के लिए

कॉम्पिटिटर इंडिगो के पास 300 एयरक्राफ्ट, जिसका इस्तेमाल डोमेस्टिक और छोटी दूरी के डेस्टिनेशन्स के लिए

इंडिगो 54.9% शेयर के साथ मार्केट लीडर। टाटा ग्रुप की एयरलाइन्स का 26% डोमेस्टिक एयर ट्राफिक पर कंट्रोल

ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट में एअर इंडिया की मोनोपॉली। खास तौर पर अमेरिकन और यूरोपियन डेस्टिनेशन्स में

सभी इंडियन कैरियर्स के पास करीब 800 विमान हैं, जिनमें से 500 एयरबस के नैरोबॉडी एयरक्राफ्ट

इंडिगो को टक्कर देगी एअर इंडिया

नैरोबॉडी प्लेन से एअर इंडिया 4-5 घंटे वाले शॉर्ट-हॉल डेस्टिनेशन सर्विस दे सकेगी। इससे वो इंडिगो को कड़ी टक्कर दे पाएगी, जिसका वर्तमान में 50% से ज्यादा के डोमेस्टिक मार्केट पर कब्जा है। वहीं वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट टाटा को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में अपने फुटप्रिंट बढ़ाने में मदद करेगा। एयर इंडिया के FY24 के आखिर तक लगभग 50 विमान बेड़े में जोड़ेगा। इससे उसकी कैपेसिटी करीब 50% बढ़ जाएगी।

पिछले साल की शुरुआत में एअर इंडिया का अधिग्रहण करने के बाद से टाटा ग्रुप अपनी फ्लीट में सुधार के लिए एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरर्स के साथ बातचीत में लगा है।

बीते दिनों एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कैंपबेल विल्सन ने कहा था कि एअर इंडिया अगले 5 साल में डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों रूट पर मार्केट शेयर को 30% तक बढ़ाना चाहती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	05-48 बजे
चंद्र-	वृष	में	मीन...	07-26 बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	09-02 बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	10-46 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	12-48 बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	14-59 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	17-11 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	19-18 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	21-24 बजे
			वृश्चिक.	23-35 बजे
			धनु.....	01-47 बजे
			मकर..	03-54 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल-** उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी **- 04 -19** राततक उपरान्त, दशमी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष **,** मंगलवार **Feb 28**
नक्षत्र - रोहिणी **- 07 -19** उपरान्त मृगशिरा
योग - विष्कुंभ **-16 - 25 -** तक उप प्रीति
करण- बालव **-15 - 16 -** तक उप- कौलव
विशेष:- **रा विज्ञान दिवस**
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:53 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	06:39 - 08:05	अशुभ	काल.	18:18 - 19:53 अशुभ
उत्पात	08:05 - 09:33	अशुभ	लाभ.	19:53 - 21:25 शुभ
चंचल	09:33 - 11:01	शुभ	उत्पात	21:25 - 22:57 अशुभ
लाभ	11:01 - 12:29	शुभ	शुभ.	22:57 - 00:28 शुभ
अमृत	12:29 - 13:57	शुभ	अमृत	00:28 - 02:00 शुभ
काल	13:57 - 15:25	अशुभ	चंचल	02:00 - 03:32 शुभ
शुभ	15:25 - 16:53	शुभ	रोग	03:32 - 05:04 अशुभ
रोग	16:53 - 18:18	अशुभ	काल	05:04 - 06:39 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो अ

काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। आज आपके माता-पिता आपकी फिजूलखर्ची और फिजूलखर्ची से चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। माता-पिता को खुश करने में आपको परेशानी होगी। सकारात्मक परिणाम देने के लिए चीजों को उनके नजरिए से समझने और देखने की कोशिश करें।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आपके बच्चे का प्रदर्शन आपको अत्यधिक खुशी दे सकता है। आपका आर्थिक जीवन आज समृद्ध रहेगा। साथ ही आपको अपने कर्ज या चल रहे कर्ज से भी मुक्ति मिल सकती है। कुछ अनपेक्षित समस्याओं से पारिवारिक शांति भंग हो सकती है। लेकिन चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

कुछ मनोरंजन के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। आज आपको आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है, लेकिन आप दान-पुण्य अवश्य करें, इससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। अपने घर में सद्भाव लाने के लिए तालमेल से काम करें। जब आप अपने प्रेमी के साथ बाहर जाएं तो अपने रूप और व्यवहार में मौलिक रहें।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपने आहार में बदलाव करें। अगर आप अपने घर के सबसे बड़े हैं तो आज आप परिवार के साथ बाहर घूमने की योजना बना सकते हैं और यात्रा के दौरान पर्याप्त धन खर्च करेंगे। बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरे न उतरने से निराश हो सकते हैं।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दोस्त सहयोगी हैं और आपको खुश रखेंगे। पैसों से जुड़े मामलों को लेकर जीवनसाथी के साथ आपकी कहासुनी होने की संभावना है। वह आपको आपके अनावश्यक खर्च और शाही जीवन शैली पर व्याख्यान दे सकता/सकती है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे।

कन्या टो पा पी पु ष ण ठ पे पो

अपनी ऊर्जा को फिर से हासिल करने के लिए पूरा आराम करें क्योंकि कमजोर शरीर दिमाग को कमजोर कर देता है। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है, इसलिए अपने वित्त की योजना बनाएं और जितना हो सके अभी से बचत करना शुरू करें। आपकी उपलब्धि आपके परिवार के सदस्यों का उत्साह बढ़ाएगी।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपनी भावनाओं, खासकर गुस्से पर काबू रखने की कोशिश करें। जो लोग अब तक बेवजह पैसा उड़ा रहे थे, उन्हें आज से अपने कार्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए और बचत करना शुरू कर देना चाहिए। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखते हैं और आपको खुशी देते हैं। घर में समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती की यात्रा आपको सुकून देती है। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं, उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और इसके बदले उन्हें अच्छा पैसा मिल सकता है। पारिवारिक जीवन को उचित समय और ध्यान दें।

धनु ये यो भा भी भू ध फ ढ भे

बड़ों को अच्छा लाभ पाने के लिए अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है। आर्थिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। ग्रहों और नक्षत्रों की शुभ स्थिति के कारण आज आपको धन कमाने के कई मौके मिलेंगे। सभी को अपनी बड़ी पार्टी में शामिल करें।

मकर भो जा जी खी खू खे खो गा गी

सुषुप्ति की समस्याएँ मानसिक दबाव लाकर सतह पर आएंगी। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। अपने परिवार के सदस्यों को लाभान्वित करने के लिए सकारात्मक विचारों और अपनी वाणी के साथ कई सुझावों के साथ अपनी उपयोगिता की शक्ति का विकास करें।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मुस्कुराइए क्योंकि यह आपकी सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा मारक है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें- और आज सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घरेलू मसलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। आज आपका प्यार यह दिखाने के लिए खिलता है कि आपने कितना सुंदर काम किया है।

मीन दू दू थ झ ञ दे दो चा ची

ध्यान और आत्मज्ञान लाभकारी सिद्ध होगा। अनियोजित स्रोतों से धन लाभ आपके दिन को रोशन कर देगा। बच्चे अपनी उपलब्धियों से आपको गौरवान्वित महसूस कराएंगे। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं। बात करके उन्हें शांत करने की कोशिश करें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

चीन में बिन ब्याही मांओं को भी सरकारी सुविधाएं

आबादी बढ़ाने के लिए नियमों में ढील, बिना शादी भी बच्चे पैदा करने की छूट

बीजिंग, 27 फरवरी। (एक्सक्लूसिव डेस्क) 2022 में चीन में 95.6 लाख बच्चे पैदा हुए, जबकि 1.04 करोड़ लोगों की मौत हुई। 1960 के दशक के बाद ये पहली बार था जब किसी साल चीन में आबादी घटना शुरू हुई हो।

इन आंकड़ों ने चीन की सरकारी मशीनरी को एक नई चिंता में डाल दिया है। आबादी घटने का ये क्रम जारी रहा तो अतुलनीय वर्कफोर्स पर काफी हद तक टिकी चीन की इकोनॉमी पर संकट आ जाएगा।

ऐसे में आबादी बढ़ाने के लिए चीनी सरकार कई ऐसे उपाय भी अपना रही है जो उसके रूढ़िवादी समाज और सख्त नियमों के बिल्कुल उलट हैं।

चीन के प्रांत सिचुआन ने नियमों में बदलाव करते हुए अब उन पेरेंट्स को भी मैटरनिटी लीव और मेडिकल खर्चे की सुविधा देना शुरू हुआ है, जिनकी शादी नहीं हुई।

यानी अब सिचुआन में बिन ब्याही मांओं को भी उन सरकारी सुविधाओं का फायदा मिलेगा जो अब तक सिर्फ विवाहित जोड़ों को ही मिलता था।

जनसंख्या नियंत्रण का लंबा इतिहास बदलना चाहता है चीन

चीन में कम्युनिस्ट पार्टी ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए 1980 से 'वन चाइल्ड पॉलिसी' लागू की थी। इसे लागू कराने में कई बार बहुत ज्यादा सख्ती भी बरती गई।

एक से ज्यादा बच्चे होने पर नौकरी में तरक्की रोकना और सामाजिक बहिष्कार ही नहीं, कई

बार जुर्माना और सजा तक दी गई।

2016 में सरकार ने इसमें ढील देते हुए 'टू चाइल्ड पॉलिसी' लागू की। 2021 में इसे 'थ्री चाइल्ड पॉलिसी' कर दिया गया। लेकिन इसके बावजूद 2022 में देश की आबादी 60 साल में पहली बार घट गई।

सिचुआन प्रॉविंस के लिए हालात ज्यादा खराब, इसीलिए कदम भी ज्यादा अनूठे

सिचुआन चीन का पांचवां सबसे बड़ा प्रांत है। आबादी 8.4 करोड़ है, जो घट रही है। इसी वजह से सिचुआन प्रॉविंस ने बाकी देश से एक कदम और आगे की सोची है। देश की 'थ्री चाइल्ड पालिसी' के बजाय सिचुआन ने बच्चों की संख्या पर कोई भी रोक हटा दी है।

यानी, यहां लोगों के बच्चे पैदा करने पर कोई पाबंदी नहीं होगी।

दरअसल, चीन में बच्चों के पैदा होने पर सरकार पेड मैटरनिटी लीव से लेकर अस्पताल के खर्च तक कई सुविधाएं देती है।

इसके लिए जरूरी होता है कि पेरेंट स्थानीय अथॉरिटी के पास बर्थ को रजिस्टर करवाएं। अब तक चीन में लोग तीन बच्चों का रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। मगर सिचुआन में अब लोग तीन से ज्यादा बच्चों का भी रजिस्ट्रेशन करवा पाएंगे।

सिचुआन ने एक बड़ा बदलाव और किया है। अब तक बर्थ रजिस्ट्रेशन सिर्फ विवाहित कपल ही करवा सकते थे, लेकिन उसने इस नियम में भी छूट दी है।

सिचुआन में अविवाहित मांओं को भी ये छूट होगी कि वे बर्थ रजिस्ट्रेशन करवाएं और सरकारी सुविधाएं लें।

अब तक अविवाहित मांओं को चीन में नहीं मिलता था सम्मान

चीन में अविवाहित मांओं को अब तक सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता था। सिचुआन के इस कदम के बाद कई ऑनलाइन फोरम्स पर इसकी तारीफ भी की गई।

लोगों का कहना है कि इस कदम से अविवाहित मांओं को समाज में वो सुरक्षा मिलेगी जिसकी वो हकदार हैं।

हालांकि कुछ लोगों ने इसे गलत भी ठहराया है। इन लोगों का कहना है कि इससे चीनी पुरुषों को विवाहेत्तर संबंध बनाने और इन संबंधों में बच्चे पैदा करने की छूट मिल जाएगी।

ज्यादातर चीनी राज्यों में अविवाहित मांओं पर लगता है जुर्माना

सिचुआन की नीति के उलट ज्यादातर चीनी राज्यों में अविवाहित मांओं को सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।

ऐसी मांओं को कोई सरकारी सुविधा नहीं मिलती है। कई राज्यों ने हाल ही में बिना विवाह के बच्चे पैदा करने पर जुर्माना तक लगाया है।

हालांकि सिचुआन की नीति को कम्युनिस्ट पार्टी की 'इन्क्लुसिव पॉपुलेशन' पॉलिसी का हिस्सा माना जा रहा है।

महिला अधिकारों की तरफ एक बड़ा कदम

महिला अधिकारों के समर्थक इस नीति का समर्थन करते हैं। हालांकि शंघाई में रहने वाली 47 वर्षीय सिंगल मदर झांग मेंग कहती हैं कि गैर-पारंपरिक परिवारों को अपनाने में चीन की गति बहुत धीमी है।

मेंग को 2016 में अपने बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद पता चला कि वो गर्भवती हैं। उस वक्त वो 40 वर्ष की थीं। उन्होंने बच्चे को जन्म देने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि शायद मां बनने का मौका उन्हें दोबारा नहीं मिलेगा।

उनके बेटे के जन्म के बाद जब उन्होंने पेड मैटरनिटी लीव और अस्पताल के खर्च पाने के लिए आवेदन दिए तो ये खारिज हो गए।

उन्होंने लोकल अथॉरिटी पर केस किया और आखिरकार 2021 में उन्हें 70 हजार युआन यानी करीब 8.50 लाख रुपए का मुआवजा मिला।

लेकिन इस पॉलिसी से भी आबादी बढ़ने की उम्मीद कम

हालांकि महिला अधिकारों के कुछ समर्थकों का कहना है कि सरकार की इस नीति से महिलाओं के प्रति भेदभाव बढ़ भी सकता है।

सरकार की 'थ्री चाइल्ड पॉलिसी' का ही कई कंपनियों ने ये कहते हुए विरोध किया था कि वो ज्यादा बच्चों के लिए पेड मैटरनिटी लीव का खर्च नहीं उठाना चाहते हैं।

ज्यादातर कंपनियां जो वैकेंसी निकालती हैं उनके लिए पुरुषों को ही चुनती हैं या विज्ञापन में साफ लिखती हैं कि वही महिलाएं अप्लाय कर सकती हैं जिनके बच्चे हो चुके हों।

ऐसे में अगर सरकारी नीति में अविवाहित महिलाओं को भी आबादी बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा तो उनका करिअर बना पाना असंभव हो जाएगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में चीनी डेमोग्राफिक्स के विशेषज्ञ प्रोफेसर वांग फेंग का कहना है कि जब तक चीन अपने सामाजिक इंस्टिट्यूशन्स में ज्यादा लैंगिक समानता नहीं लाता तब तक इस तरह के उपाय खास फायदेमंद नहीं होंगे।

स्पर्म डोनेशन के लिए पैसे दे रहे हैं चीन के अस्पताल

आबादी बढ़ाने के लिए चीन की सरकार स्पर्म डोनेशन को बढ़ावा दे रही है। चीन के कई शहरों ने कॉलेज स्टूडेंट्स से आगे आकर स्पर्म डोनेट करने की अपील की है।

साउथ वेस्ट चीन के युनान शहर के कुनमिंग अस्पताल ने हाल ही में एक विज्ञापन निकाला है। इसमें कहा गया है कि 5 फीट 5 इंच या इससे ज्यादा लंबे जो कॉलेज स्टूडेंट्स स्पर्म डोनेट करते हैं उन्हें 4500 युआन यानी करीब 55 हजार रुपए मिलेंगे।

हालांकि इस तरह के विज्ञापनों का सोशल मीडिया पर मजाक भी उड़ाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अब कम से कम पुरुषों को भी आबादी बढ़ाने में महिलाओं के बराबर मेहनत करनी होगी।

चीन में महंगाई है बच्चे पैदा नहीं करने की सबसे बड़ी वजह

दरअसल, चीन में लोगों के बच्चे न पैदा करने के पीछे सबसे बड़ी वजह महंगाई है। पिछले साल 18 से 25 साल के 20 हजार लोगों पर हुए एक सर्वे में दो तिहाई युवाओं ने कहा कि वो बच्चे नहीं पैदा करना चाहते हैं।

चीन में बच्चे पैदा करने से लेकर उसकी परवरिश तक का खर्च बहुत ज्यादा है। कोरोना और लॉकडाउन की वजह से इकोनॉमी की हालत पहले ही खराब है। कई युवाओं का रोजगार छिना है। इसकी वजह से परिवार बढ़ाने को प्रायोरिटी नहीं मानते हैं।

परवरिश का दबाव कम करने के लिए स्कूल सिस्टम में भी बदलाव

चीन में बच्चों की परवरिश में वहां के सख्त स्कूल सिस्टम का दबाव भी काफी मायने रखता है। डेमाग्राफर्स का मानना है कि लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल सिस्टम में बदलाव जरूरी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि स्कूलिंग को दो साल कम करना चाहिए साथ ही हाई स्कूल में दाखिले के लिए होने वाले टफ कॉम्पिटिशन को भी खत्म करना चाहिए।

कई शहरों में पेरेंटिंग के खर्च के लिए मिल रहा है कैश

फिलहाल चीन के कई शहरों में पेरेंटिंग का खर्च उठाने में लोगों की मदद के लिए कैश पेमेंट्स दिए जा रहे हैं।

पिछले महीने हॉन्गकॉन्ग के निकट शेन्जेन शहर में हर परिवार को एक बच्चे की परवरिश के लिए 7500 युआन यानी करीब 92 हजार रुपए देने का प्रस्ताव दिया गया था। यही नहीं, एक से ज्यादा हर बच्चे पर अतिरिक्त कैश पेमेंट का भी प्रावधान किया गया था।

हालांकि लोग इस कैश मदद को काफी नहीं मानते हैं। शेन्जेन में रहने वाली 36 वर्षीय वकील ट्रेसी चेन की हाल ही में शादी हुई है। उनका कहना है कि ये कैश पेमेंट एक आया का एक महीने का खर्च भी उठाने के लिए काफी नहीं है।

ट्रेसी चेन का कहना है कि उन्हें बड़े परिवार पसंद हैं और इसीलिए पहले वो तीन बच्चे प्लान कर रहीं थीं, लेकिन अब अपनी बहन और कई दोस्तों को एक ही बच्चे के खर्च से जूझते देख उन्होंने इरादा बदल दिया है। अब वे सिर्फ एक बच्चा प्लान कर रही हैं।

आबादी बढ़ाने के लिए चीन को करनी होगी और ज्यादा प्लानिंग

डेमोग्राफी के एक्सपर्ट्स का मानना है कि घटती आबादी पर चीन की चिंता जायज है, लेकिन इसमें सुधार के लिए सिर्फ कैश इन्सेंटिव जैसे उपाय काफी नहीं होंगे। चीन ने लंबे समय तक आबादी पर नियंत्रण के लिए कड़े कानून सख्ती से लागू किए हैं। अब इनका असर ये है कि सामाजिक सोच ही बदल गई है। साथ ही इकोनॉमी के हिसाब से लोगों ने फैमिली प्लानिंग को भी जीवन का हिस्सा बना लिया है।

अब लोगों की सोच बदलने के लिए सिर्फ सरकारी नीतियों में ही नहीं, सामाजिक इंस्टीट्यूशन्स में भी सिरे से बदलाव करना जरूरी हो गया है।

स्टेशन पर बोझ उठाने वाला दीपक बना 'कुली नंबर वन'

पॉवर लिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपिनशिप में जीता गोल्ड

कोरबा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा रेलवे स्टेशन मे कुली काम करने वाले दीपक पटेल ने दुर्ग के खुर्सीपार श्री राम चौक में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर लिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपिनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर कोरबा का नाम रोशन किया है। चैंपिनशिप में दीपक पटेल ने सबसे अधिक वजन उठाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। जिसके बाद उन्हें कोरबा का कुली नंबर वन लोग कहने लगे हैं।

दीपक पटेल ने अंडर 55 किलोग्राम वेट कैटेगरी में स्कवाट में 165 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 85 किलोग्राम, डेड लिफ्ट में 110 किलोग्राम का वजन उठाया था। उन्होंने कुल 360 किलोग्राम वजन उठाकर सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़कर सभी कैटेगरी में गोल्ड हासिल किया है।

इससे पहले भी दीपक प्रो नेशनल कोलकाता और असम में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुके हैं। वहीं, दीपक पटेल ने बताया इस प्रतियोगिता में उनके साथ शामिल होने से सुरेश अनंत आए थे।

जिसमें सुरेश अनंत ने भी एक गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। दीपक पटेल ने कहा इस कामयाबी को हासिल करने में पॉवर लिफ्टिंग के सचिव वेंकट राव और कोच रिकार्डो गुनियन का महत्वपूर्ण योगदान है। दीपक पटेल की शानदार प्रदर्शन के लिए वार्ड पार्षद सुफल दास सहित मोहल्ले वासियों ने भी विजेता खिलाड़ी दीपक पटेल को बधाई एवं शुभकामनाये दी हैं।

'अडानी के मित्रों को सोना ही सोना दिखता है'

नेताओं को पहनाई गई सोने की माला वायरल हुए दावे का सच भूपेश बघेल ने बताया

रायपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने पार्टी के बड़े नेताओं का स्वागत माला पहनाकर किए। इसके बाद भाजपा समर्थित फेसबुक पेज,और ग्रुप्स में दावा किया गया कि ये मालाएं सोने की हैं। कई अलग-अलग जगहों पर एक जैसे मैसेज कॉपी-पेस्ट होने लगा। इसके बाद इस दावे का सच खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया।

सोने की माला की अफवाह फैली तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा- भाजपा की दिक्कत यही है कि वह न छत्तीसगढ़ को समझती है, और न उसकी परंपराओं को। मुहावरा है कि 'सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखता है' ठीक वैसे ही 'अडानी के मित्रों को सोना ही सोना दिखता है'।

भूपेश बघेल ने वीडियो जारी करके इस माला को बनाने की पूरी प्रोसेस को दिखाएं। दरअसल ये घास से बनी माला थीं। जिसे सोने की माला बता दिया गया था। मुख्यमंत्री ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा - झूठ बोलो, बार-बार झूठ बोलो, जितना जोर से बोल सकते हो, उतना बोलो। इस सूत्र पर चलने वाले इस अनमोल तोहफे का भी अपमान कर रहे हैं, साथ ही प्रकृति पुत्रों/पुत्रियों की कला और छत्तीसगढ़ की संस्कृति

का भी। आखिर छत्तीसगढ़ के लोगों और यहां की संस्कृति से भाजपा को इतनी नफरत क्यों है?

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने कहा- हां ये हार सोने के हैं

रुचिर गर्ग ने सोशल मीडिया पर लिखा - हां ये हार सोने के हैं, उससे भी अनमोल हैं। अफवाह फैलाने वाले आईटी सेल से पता चला कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस महाधिवेशन में आए अतिथियों का स्वागत सोने के हार से किया। करीब 200 की संख्या में ये बेशकीमती हार आए थे। बैगा आदिवासी घास-फूस से जिस माला को बनाते हैं उसे बीजेपी के आईटी सेल ने सोने की माला बना दी। अफवाह भी फैला दी।हार की चमक देखते ही सोशल मीडिया पर आईटी सेल सक्रिय हो गया। अच्छा ये हुआ कि इसी बहाने बैगाओं की मेहनत की चमक सोशल मीडिया पर छा गई। हां इस चमक में सोने से कीमती पसीना है।

हां ये बेशकीमती है, सोना है, सोने से महंगा है

किसी जमाने में कांग्रेस अधिवेशन में चरखे से काटा हुआ सूत की माला पहनाकर स्वागत किया जाता था, और आज इनके गले में सोने की चेन डालकर स्वागत किया जाता है, बस यही परिवर्तन बताने के लिए काफी है कि कांग्रेस पहले क्या थी और अब क्या हो गई।

अब जानिए 24 फरवरी को वायरल क्या हुआ था

दरअसल जो वीडियो वायरल हुआ वो 24 फरवरी का था। स्टेयरिंग कमेटी की बैठक में जाते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मीरा कुमार, सलमान खुर्शीद, पीएल पुनिया जैसे नेताओं को भूपेश बघेल ने घास से बनी माला पहनाई। इसके बाद ही ऐसे पोस्ट किए जाने लगे।

तोहफे में क्या लेकर गए राहुल गांधी

अधिवेशन जब खत्म हुआ तो प्रदेश के नेताओं ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़ी स्मृतियां उन्हें भेंट की। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी को महशूर बेल मेटल से बनी चीजें दी गईं। इन नेताओं को मंच पर सार्वजनिक तौर पर बेल मेटल के आदिवासी आकृति के स्मृति चिन्ह दिए गए, प्रियंका गांधी को बड़ा सा बेल मेटल हाथी दिया गया। चर्चा है कि इसके अलावा प्रदेश का राजकीय गमछा, साड़ियां और प्रदेश के कोसा, खादी से बने कपड़े भी बड़े नेताओं को तोहफे में दिए गए हैं।

नर्सिंग छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास

बदमाशों ने मारपीट कर लूटा, पुलिस ने गिरफ्तार कर निकाला जुलूस

बिलासपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बाइक सवार बदमाशों ने नर्सिंग कॉलेज की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास किया। नाकाम रहने पर बदमाशों ने छात्रा और उसके दोस्त की पिटाई कर दी। इसके बाद मोबाइल व रुपये लूटकर भाग निकले। पुलिस ने इस मामले में नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनका सड़क पर जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपी नारे लगाते रहे कि, 'अपराध करना पाप है, पुलिस हमारा बाप है'। आरोपियों से लूट की रकम और चाकू बरामद किया गया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, शहर के निजी अस्पताल के नर्सिंग कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा अपनी दोस्त से मिलने शासकीय नर्सिंग हॉस्टल जा रही थी। इसी बीच हॉस्टल से कुछ दूर पहले बाइक सवार चार बदमाशों ने छात्रा और उसके दोस्त को रोक लिया। आरोपियों ने छात्रा से छेड़खानी शुरू कर दी। फिर घसीटकर झाड़ियों में ले गए और दुष्कर्म का प्रयास करने लगे। छात्रा और उसके दोस्त ने शोर मचाया तो बदमाशों ने मारपीट की। उनके रुपये और मोबाइल लूट लिए। इसी बीच छात्रा के दोस्त ने कंट्रोल रूम को सूचना दे दी। इसकी भनक लगते ही बदमाश वहां से भाग निकले। इसके बाद छात्रा थाने पहुंची और एफआईआर दर्ज कराई। छात्रा और उसके दोस्त के बताए हुलिये के आधार पर पुलिस ने टीम बनाई और एक आरोपी भरत को गिरफ्तार कर लिया।

एआईआईएमएस की महिला क्लर्क से रेप

इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी ने घर बुलाया, कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाई, फिर किया दुष्कर्म

रायपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में एआईआईएमएस की महिला क्लर्क के साथ एम्स में इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी राजेश सिंह ने रेप किया है। उसने महिला को अपने घर में बुलाया। फिर कोल्डड्रिंक में शराब मिलाई। इसके बाद जब महिला होश में नहीं थी तो उस दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया।

पूरा मामला कबीर नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि, राजेश सिंह से काम के सिलसिले में बातचीत हुआ करती थी। उसने जून 2022 में अपने घर बुलाया था। उस वक्त घर पर कोई नहीं था। रेप के बाद जब उसे होश आया। तब पता चला कि उसके साथ रेप हुआ है। महिला के बात करने पर राजेश ने कबूला कि उसने कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाई थी।

घटना के बाद राजेश सिंह ने महिला से माफी मांग ली। किसी तरह महिला भी मान गई, और फिर कुछ महीने तक राजेश सिंह चुप था। लेकिन दिसंबर 2022 से वह महिला के साथ छेड़छाड़ की कोशिश करने लगा। उस दौरान राजेश सिंह ने महिला के फोन पर अश्लील फोटो-वीडियो भेजे। जिसके बाद पीड़ित महिला ने एम्स प्रबंधन से शिकायत की थी। महिला का आरोप है कि, शिकायत के बाद भी प्रबंधन ने राजेश सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसके चलते आरोपी लगातार मुझसे जबरदस्ती करने की कोशिश करने लगा। मैंने कई बार प्रबंधन से इस बारे में बताया। फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई।

पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। उसके परिजनों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की जांच में पता चला है कि महिला शादीशुदा है। उसका एक 10 साल का बच्चा भी है। कबीर नगर टीआई अमित कश्यप के मुताबिक दुष्कर्म की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के घर में ताला लटका मिला है।

ऑडियो कांड के बाद भाजयुमो नेता आमने-सामने

भिलाई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में भाजयुमो नेताओं के बीच इतना विवाद बढ़ गया है कि वो एक दूसरे को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। भिलाई जिला भाजयुमो के सोशल मीडिया प्रभारी जीवन गुप्ता ने जहां भाजयुमो जिला अध्यक्ष अमित मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है, तो वहीं अमित मिश्रा ने जीवन गुप्ता पर धमकी देने का आरोप लगाया है। अमित ने शिकायत में जीवन गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छावनी पुलिस के मुताबिक जीवन गुप्ता ने शिकायत की है कि अमित मिश्रा ने उसे सुभाष चौक स्थित अपने निवास में बुलाया था। इसके बाद उसने गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस मामला जांच में लिया तो जीवन गुप्ता ने अपने समर्थकों के साथ थाने में हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद छावनी पुलिस ने बीती रात अमित मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा भिलाई के जिलाध्यक्ष अमित मिश्रा ने भी छावनी पुलिस को एक शिकायत दी है। उसमें उसने आरोप लगाया है कि पिछले तीन दिनों से जीवन गुप्ता उसके साथी उसको और उसके परिवार को धमकी देने के साथ ही गाली गलौज कर रहे हैं। अमित मिश्रा ने जीवन से खुद को और परिवार की जान को खतरा भी बताया है। उसने आरोप लगाया कि उसके राजनीतिक करियर और पद को खराब करने के लिए वह षड्यंत्र रच रहा है। अमित मिश्रा ने जीवन गुप्ता के खिलाफ जांच की मांग की है। पुलिस इस शिकायत की भी जांच कर रही है। आपको बता दें चार दिन पहले जीवन गुप्ता और अमित मिश्रा के बीच बातचीत का एक ऑडियो काफी वायरल हुआ था।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र शुरू, 24 मार्च को होगा समाप्त

रांची, 27 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बार के बजट सत्र में कुल 17 कार्य दिवस होंगे और यह 24 मार्च को समाप्त होगा। बजट सत्र की शुरुआत 27 फरवरी को राज्यपाल चंद्रापुरम पोन्नूस्वामी राधाकृष्णन के अभिभाषण से होगी और सरकार वित्त वर्ष 2023-24 के लिए तीन मार्च को बजट पेश करेगी।

विधानसभा सचिवालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि तीन मार्च को बजट पेश किए जाने के बाद होली की छुट्टियां हो जाएंगी, जिसके बाद बजट सत्र की कार्यवाही पुनः 13 मार्च से जारी रहेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को विधानसभा में रणनीति तय करने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक की

अध्यक्षता की। इस बैठक में झामुमो के अलावा कांग्रेस और राजद के नेता भी शामिल हुए।

संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। हम चाहते हैं कि सदन सुचारू रूप से चले। विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों को जनता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया जाएगा।

वहीं, भाजपा ने कहा कि उसके विधायक सोमवार को बैठक कर अपनी रणनीति तय करेंगे। भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा, भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था और भर्ती नीतियों जैसे मुद्दों पर सदन में सवाल उठाए जाएंगे। उम्मीद की जा रही है कि सरकार सत्र के दौरान भर्ती नीति सहित कुछ महत्वपूर्ण विधेयक पेश कर सकती है।

इससे पहले बजट सत्र के सदुपयोग के लिए विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की थी। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम, मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, विपक्षी विधायक सरयू राय एवं विनोद कुमार सिंह शामिल हुए थे।

कोरोना के ओरिजन वाले मामले ने फिर जोर पकड़ा

अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट में दावा- वुहान लैब से ही वायरस फैलने की संभावना सबसे ज्यादा

वॉशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने इंटेलिजेंस रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि कोरोना चीन के वुहान लैब से ही फैला है। सोमवार को अमेरिकी एनर्जी डिपार्टमेंट ने वायरस से जुड़ी फाइनल रिपोर्ट पेश की। एनर्जी डिपार्टमेंट ने पहले कहा था कि वायरस के ओरिजन का पता नहीं चल पा रहा है, लेकिन अब उसका मानना है कि वायरस के वुहान लैब से लीक होने की संभावना सबसे ज्यादा है।

एनर्जी डिपार्टमेंट के अधिकारियों का कहना है कि दुनियाभर में फैली यूएस बायोलॉजी लैब्स से उन्हें खुफिया जानकारी मिली। इसी इनपुट के आधार पर फाइनल रिपोर्ट पेश की गई है। हालांकि, कुछ अधिकारियों का मानना है कि ये रिपोर्ट काफी कमजोर है। इसका निष्कर्ष किसी ठोस बुनियाद पर नहीं निकाला गया है। अमेरिका की कई एजेंसियां के बीच अब भी वायरस के ओरिजन को लेकर मतभेद हैं।

पहले भी चीन पर आरोप लगे, सरकार ने खारिज किए

रिपोर्ट में दावा किया गया कि सुरक्षा में चूक होने की वजह से वायरस वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से लीक हुआ था। इसके बाद महज कुछ दिनों में यह पूरी दुनिया में फैल गया। कोरोना महामारी की शुरुआत से ही वुहान लैब से कोरोना लीक होने की कई थ्योरी आ चुकी हैं। यहां काम करने वाले रिसर्चर्स विशेष रूप से कोरोना वायरस की प्रजातियों को स्टडी करते हैं। ऐसे में किसी वैज्ञानिक के जरिए इसका संक्रमण फैलने की आशंका है। हालांकि, हमेशा से ही चीनी सरकार और वुहान लैब ने इन आरोपों को खारिज किया है।

अमेरिका पर भी लग चुके हैं वायरस फैलाने के आरोप

तीन महीने पहले एक अमेरिकी वैज्ञानिक ने दावा किया था कि अमेरिकी सरकार चीन में कोरोना वायरस बनाने के प्रोजेक्ट को फंड कर रही थी।

वैज्ञानिक एंड्रू हफ का कहना था कि कोरोना वायरस पर हो रही रिसर्च को अमेरिका की मेडिकल रिसर्च एजेंसी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ का सपोर्ट था। इसने ही चीन को वायरस बनाने की तकनीक दी। यह किसी बायोवेपन टेक्नोलॉजी से कम नहीं था।

चीन को पहले दिन से खबर थी

हफ का कहना है कि चीन को पहले दिन से यह पता था कि कोरोना कोई नेचुरल वायरस नहीं है, बल्कि इसे जेनेटिकली मॉडिफाई कर बनाया गया है। तभी यह लैब से लीक हुआ है। इसके बावजूद सुरक्षा और लोगों को आगाह करने में ढील दी गई। चीन ने न सिर्फ बीमारी के आउटब्रेक के बारे में झूठ बोला, बल्कि उसे प्राकृतिक साबित करने की हर कोशिश की।

महामारी की शुरुआत 2019 में हो गई थी। मगर वायरस के ओरिजिन की जांच जनवरी, 2021 में शुरू हो पाई। 17 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ थे और 17 चीनी एक्सपर्ट चीन के वुहान पहुंचे।

वुहान में जांच का काम पूरा होने से पहले स्वतंत्र जांच टीम के सदस्य पीटर बेन इम्बारेक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वायरस के ओरिजिन के संभावित पाथ-वे सार्वजनिक किए थे। इनमें लैब लीक थ्योरी भी शामिल थी।

इस रिपोर्ट में कहा था कि कोरोना वायरस के किसी लैब एक्सीडेंट की वजह से लीक होने की थ्योरी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इटली के समुद्री तट पर मिले 61 शव

रोम, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इटली के कैलाब्रिया कोस्ट के पास एक नाव डूब गई। इस घटना में एक नवजात बच्चे समेत 61 शरणार्थियों की मौत हो गई। ये शरणार्थी पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इराक के बताए जा रहे हैं। इटली की एएनएसए न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्टेकाटो डी कट्रो बीच पर 28 शव मिले हैं। अन्य शवों को समुद्र से निकाला गया।

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाव में 100 रिफ्यूजी मौजूद थे। ये सब गैरकानूनी तरीके से यूरोप जा रहे थे। इनमें से 50 को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि तुर्किये से पाकिस्तान, अफगानिस्तान और इराक के रिफ्यूजी पानी के रास्ते इटली आ रहे थे, तभी खराब मौसम के चलते नाव किसी चट्टान से टकरा गई और दो हिस्सों में टूट गई। समुद्र के रास्ते यूरोप में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए इटली मेन लैंडिंग पॉइंट है। नाव से इटली में हर साल एक लाख से ज्यादा शरणार्थी आते हैं। इस रास्ते को मेडिटेरियन रूट कहा जाता है।

यूक्रेन को हथियार देने का फ्रांस में विरोध

सड़कों पर उतरे हजारों लोग बोले- इससे जंग बढ़ेगी, मदद करना है तो रूस को रोकें

पेरिस, 27 फरवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच फ्रांस यूक्रेन को हथियार दे रहा है। इस फैसले के लिए अब फ्रांस को अपने नागरिकों का विरोध झेलना पड़ रहा है। पेरिस में हजारों लोग सड़कों पर फ्रांस सरकार के इस फैसले के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

लोगों का कहना है कि हथियार देने से जंग बढ़ती जाएगी। अगर सरकार मदद करना चाहती है तो उसे रूस को हमला करने से रोकना चाहिए। लोगों ने यूक्रेन के समर्थन में मार्च करते हुए शांति की मांग की। इसी तरह का मार्च जर्मनी के बर्लिन में भी निकाला गया। वहां, लोगों ने रूस से बातचीत करके मसले का हल निकालने की मांग की।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ेगी

प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में बैनर थे। इस पर लिखा था- फॉर पीस (शांति के लिए), नो टू थर्ड वर्ल्ड वॉर। उनका कहना है

कि रूस-यूक्रेन के बीच बातचीत से हल निकलेगा। फ्रांस के हथियार देने से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ रही है।

एनएटीओ छोड़े फ्रांस : प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारियों के हाथ में कई बैनर थे। इनमें से एक में लिखा- लेट्स क्विट नाटो। एक प्रदर्शनकारी ने कहा- फ्रांस को नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (एनएटीओ) छोड़ देना चाहिए। एनएटीओ यूरोप और उत्तरी अमेरिकी देशों का एक सैन्य और राजनीतिक गठबंधन है। इसमें अमेरिका का ज्यादा दबदबा है। प्रदर्शकारियों का कहना है कि फ्रांस आंख बंद करके अमेरिका का समर्थन करता है। अमेरिका के बाद फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए थे। इनका कोई असर नहीं हुआ।

लोगों का कहना है कि नाटो को कोल्ड वॉर के समय खत्म कर दिया जाना चाहिए था।

एनएटीओ की वजह से जंग शुरू होती है। नाटो चीन को अपने अगले दुश्मन के रूप में देखता है और हमेशा चीन-ताइवान के मुद्दे को हवा देता है।

दो इस्राइली नागरिकों की हत्या के बाद वेस्ट बैंक में भड़की हिंसा

कई घरों और कारों में लगाई गई आग

वेस्ट बैंक, 27 फरवरी (एजेंसियां)। फिलिस्तीनी बंदूकधारियों द्वारा दो इस्राइली नागरिकों की हत्या के बाद उत्तरी वेस्ट बैंक में रविवार को हिंसा भड़क उठी। सैकड़ों इस्राइली नागरिक सड़क पर उतर आए और दर्जनों कारों और घरों में आग लगा दी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों भाइयों की हत्या वेस्ट बैंक के इलाके हर ब्राचा के पास की गई थी, जहां इस सप्ताह के शुरू में एक इस्राइली सैन्य हमले में लगभग एक दर्जन फिलिस्तीनी मारे गए थे।

वेस्ट बैंक में यह घटना तब सामने आई है, जब इस्राइल और फिलिस्तीन के अधिकारी अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ

जॉर्डन में एक शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इस सम्मेलन का उद्देश्य देशों के बीच उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए किया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, हत्याओं का बदला लेने के लिए यहूदियों ने दर्जनों घरों में आग लगा दी और दुकानों को भी जलाया गया। इसके अलावा पत्थरबाजी की गई, जिससे इलाके में भगदड़ जैसा महौल बन गया। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि रविवार शाम दर्जनों इस्राइली हुवारा पहुंचे, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। इसके बाद हुवारा की मस्जिदों से फिलिस्तीनियों को संदेश भी भेजा गया। इसके बाद फिलिस्तीनियों ने नब्लस में जोसेफ के मकबरे को आग लगा दी। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दंगाइयों से कानून को अपने हाथ में नहीं लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मैं आपको याद दिलाता हूं कि पिछले कुछ हफ्तों में दर्जनों आतंकवादियों का सफाया किया है और दर्जनों आतंकवादी हमलों को रोका है। उन्होंने कहा, आईडीएफ को अपना काम पूरा करने दें, कानून को अपने हाथ में न लें।

नेपाल सरकार पर मंडराए खतरे के बादल

प्रधानमंत्री प्रचंड ने रद्द किया पहला विदेश दौरा

काठमांडू, 27 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल प्रचंडन ने अपना पहला विदेश दौरा रद्द कर दिया है। बता दें कि प्रधानमंत्री प्रचंड अपने पहले विदेश दौरे पर कतर जाने वाले थे लेकिन अब खबर आई है कि उन्होंने अपना कतर दौरा रद्द कर दिया है। दरअसल प्रचंड की सरकार पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। हाल ही में उनकी सरकार की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के चारों मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और सरकार से समर्थन वापस लेने का एलान कर दिया था।

प्रचंड तीन मार्च को कतर के लिए रवाना होने वाले थे, जहां वह पांचवीं लीस्ट डेवलेप कंट्रीज कॉन्फ्रेंस में शामिल होते। अब प्रधानमंत्री के मीडिया समन्वयक सूर्य किरण शर्मा ने बताया है कि अहम राजनैतिक गतिविधियों के चलते उन्होंने अपना कतर दौरा रद्द कर दिया है। नेपाल में आगामी

नौ मार्च को राष्ट्रपति चुनाव होना है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने बीते दिनों सभी को चौंकाते हुए गठबंधन के प्रत्याशी का समर्थन करने के बजाय नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार के समर्थन का एलान कर दिया था। प्रचंड के इस एलान के बाद से ही उनकी सरकार संकट में घिर गई है।

आठ राजनैतिक पार्टियां जिनमें सी पी ए न - मा ओ वा दी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंत ठाकुर, कांग्रेस उपाध्यक्ष पुर्ण बहादुर खड़का, नागरिक उनमुक्ति पार्टी चेयरपर्सन रंजीता श्रेष्ठा, राष्ट्रीय जनमोर्चा के चेयरमैन चित्र बहादुर केसी और माओवादी नेता हितराज पांडे नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं। जिससे सत्ताधारी गठबंधन में दो फाड़ होने की खबरें हैं। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी प्रचंड सरकार के साथ गठबंधन में है। ओली ने राष्ट्रपति पद के लिए सुबास नेमबांग के नाम का एलान किया था लेकिन प्रचंड नेमबांग के बजाय नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार रामचंद्र पौडयाल का समर्थन कर दिया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सैन्य जनरल को किया बर्खास्त

कीव, 27 फरवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को जॉइंट फोर्स के कमांडर मेजर जनरल एडवर्ड मिखाइलोविच मोसकालोव को बर्खास्त कर दिया है। मोसकालोव को बीते साल मार्च में लेफ्टिनेंट जनरल ओलेक्जेंडर पावलिक की जगह जॉइंट फोर्स का कमांडर नियुक्त किया था। लेफ्टिनेंट जनरल ओलेक्जेंडर पावलिक को कीव रीजनल मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन का प्रमुख बनाया गया था। हालांकि अभी तक मेजरल जनरल एडवर्ड मिखाइलोविच मोसकालोव को बर्खास्त करने की वजह का खुलासा नहीं किया गया है। बता दें कि हाल के समय में यूक्रेन की सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर कई बड़े बदलाव किए हैं। बीते दिनों यूक्रेन की सरकार ने पूरे देश में भ्रष्टाचार विरोधी छापेमारी की थी। जिसके बाद कई शीर्ष अधिकारियों को पद से हटाया गया था।

कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली का चुनाव लड़ेंगी भारतीय मूल की दर्शना पटेल, पेशे से हैं रिसर्च वैज्ञानिक

वॉशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल की रिसर्च वैज्ञानिक दर्शना पटेल 2024 में होने वाले कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली चुनाव में दावेदारी पेश करेंगी। दर्शना पटेल ने इसका एलान कर दिया है। 48 वर्षीय पटेल नॉर्थ काउंटी सीट से चुनाव लड़ेंगी। अभी इस सीट पर ब्रायन माइशेन काबिज हैं लेकिन 2024 में उन्होंने दावेदारी से इनकार कर दिया है। जिसके बाद दर्शना पटेल ने उनकी जगह नॉर्थ काउंटी सीट से स्टेट असेंबली का चुनाव लड़ने का एलान किया है।

अपनी दावेदारी का एलान करते हुए दर्शना पटेल ने कहा कि 'एक अप्रवासी की बेटी होने के नाते मैंने अमेरिकी सपनों को पूरा करने के लिए काफी संघर्ष किया है। मैं जानती हूं कि परिवारों को मुश्किल वक्त में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। दर्शना पटेल ने कहा कि मैं स्टेट असेंबली चुनाव के लिए दावेदारी करूंगी। मैं यह सुनिश्चित करना चाहती हूं कि हर

व्यक्ति के पास सफल होने का अवसर होता है। मैं अपने वैज्ञानिक होने, स्कूल बोर्ड सदस्य और सामाजिक नेता होने के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए लोगों के जीवन में बदलाव लाने की कोशिश करूंगी।'

पटेल इससे पहले पोवे यूनिफाइड बोर्ड के लिए उस वक्त चुनी गईं थी, जब जिला आर्थिक बदइंतजामी और आपराधिक गतिविधियों में उछाल देखा जा रहा था। ऐसे वक्त में राजकोषीय जिम्मेदारी को निभाया। साल 2020 में दर्शना पटेल फिर से पोवे यूनिफाइड बोर्ड के लिए चुनी गईं थी। पटेल सैन डिएगो काउंटी स्कूल बोर्ड एसोसिएशन की सदस्य भी रह चुकी हैं।

दर्शना पटेल अपने पति और तीन बेटियों के साथ सैन डिएगो में रहती हैं। उन्होंने बायोकेमिस्ट्री में बीए और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के ओक्सिडेंटल कॉलेज से पीएचडी इन बायोफिजिक्स की डिग्री हासिल की है।

अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति की चेतावनी

बोले- रूसी हथियारों में लगे चीनी उपकरणों से जानकारी लीक होने का खतरा

वॉशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के भारतवंशी डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भारत को रूस से इम्पोर्ट हथियारों की टेक्नोलॉजी में चीनी उपकरण लगे होने के संबंध में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि ऐसी नौबत आए कि रूस भारत को ऐसी टेक्नोलॉजी दे, जिसमें चीनी उपकरण हों। इसका फायदा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी उठा सकती है। इससे चीन को भारतीय रक्षा प्रणालियों और भारत में इस्तेमाल हो रहे अमेरिकी हार्डवेयर के संबंध में जानकारी हासिल करने का मौका मिल सकता है। कृष्णमूर्ति अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर संसदीय समिति के सदस्य भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सामूहिक सुरक्षा के लिए संवेदनशील टेक्नोलॉजी के संबंध में अमेरिका और भारत की सरकारों के बीच शायद विस्तार से चर्चा हो रही है और होनी चाहिए।

नासा का स्पेस-एक्स क्रू-6 मिशन टला

लॉन्चिंग से 2 मिनट पहले रॉकेट के इंजन में खराबी आई, अब आज दोपहर 12:15 बजे उड़ान भरेगा

वॉशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। नासा का स्पेस-एक्स क्रू-6 मिशन की लॉन्चिंग टल गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेस-एक्स फॉल्कन-9 रॉकेट (ड्रैगन एंडेवर) के इंजन में खराब आने की वजह से लॉन्चिंग को रोका गया है। अब ये अमेरिका में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर नंबर 39ए से सोमवार देर रात 1:45 बजे (भारतीय समयानुसार मंगलवार दोपहर को करीब 12:45 बजे) लॉन्च होगा।

स्पेस-एक्स ने एक बयान में कहा- टीईए-टीईबी ग्राउंड सिस्टम की खराबी के कारण क्रू-6 को लॉन्च नहीं किया गया है। स्पेस-एक्स का फॉल्कन-9 रॉकेट चार अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचाएगा। यह

एलन मस्क के स्पेस-एक्स की छठीं ऑपरेशनल क्रू फ्लाइट होगी। इसमें नासा के 2, रूस के 1 और यूएई का एक अंतरिक्ष यात्री शामिल होंगे।

एस्ट्रोनॉट्स का ये क्रू 6 महीने तक आईएसएस पर रहेगा। यहां एस्ट्रोनॉट्स हार्ट मसल टिशू, माइक्रोग्रैविटी में ह्यूमन सेल और टिशू को प्रिंट करने के काबिल बायोप्रिंटर की टेस्टिंग करेगा। साथ रही ड्रग मैन्युफैक्चरिंग तकनीक पर रिसर्च भी करेगा।

स्पेस-एक्स क्रू-6 मिशन करने वाले एस्ट्रोनॉट्स को जानिए

क्रू-6 मिशन के 4 यात्रियों में नासा के अंतरिक्ष यात्री स्टीफन बोवेन और वॉरेन वुडी होबर्ग शामिल हैं। वहीं, यूएई के अंतरिक्ष यात्री सुल्तान अल्नेयादी और रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट एंड्री फेडेएव भी हैं। अल्नेयादी यूएई के चौथे और लॉन्ग ट्रम के स्पेस मिशन पर जाने वाले यूएई के पहले अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। उन्हें मोहम्मद बिन राशिद स्पेस सेंटर (एमबीआरएससी) के नासा और एग्जिऑम स्पेस के बीच हुए एक समझौते के तहत में चुना गया है। चीन धरती और समुद्र के साथ अंतरिक्ष में भी अपना वर्चस्व बढ़ा रहा है। चीनी स्पेस एजेंसी सीएमएसए ने अंतरिक्ष में तीन एस्ट्रोनॉट्स भेजे। यह शेनझाऊ मिशन के तहत उड़ान भरने वाली 15वीं फ्लाइट थी।

ईरान में छात्राओं को जहर दिया जा रहा

डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर का खुलासा- स्कूल के पानी में केमिकल मिलाया गया, लड़कियां बीमार

तेहरान, 27 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान में छात्राओं को पढ़ने से रोकने के लिए जहर दिया जा रहा है। इस बात का खुलासा डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर यूनुस पनाही ने किया है। उन्होंने कहा- घोम शहर में नवंबर 2022 के बाद से रेस्पिरेटरी पॉइजनिंग के सैंकड़ों मामले सामने आए हैं।

उनका कहना है कि स्कूलों में पानी को दूषित किया जा रहा है जिससे छात्राओं को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। इनमें उल्टी, जबरदस्त बॉडी पेन और दिमागी दिक्कत शामिल है। उनकी हालत इतनी बिगड़ रही है कि इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है।

ईरान की न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर यूनुस पनाही ने कहा- घोम शहर के स्कूलों में छात्राओं को जहर दिए जाने के कई मामला सामने आए हैं। इससे पता चलता है कि कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा रोकना चाहते हैं और गर्ल्स स्कूल बंद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा- ऐसा करने के लिए जो भी केमिकल कंपाउंड का इस्तेमाल किया जा रहा है, वो ज्यादा खतरनाक नहीं है। इसका इलाज जल्द किया जा सकता है। लेकिन छात्राओं को जानबूझकर जहर दिया जा रहा है। इस मामले की जांच हो रही है। उन्होंने इससे जुड़ी ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

इस मामले में फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं, लोरेस्टन प्रांत के डिप्टी गवर्नर माजिद मोनेमी ने कहा- बोरुजर्ड शहर में भी ऐसा ही मामला सामने आया। यहां 26 फरवरी को 50 से ज्यादा छात्राओं को जहर दिया गया। कई छात्राओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। 14 फरवरी को बीमार हुई बच्चियों के पेरेंट्स ने सरकार से इस मामले में जांच की मांग की थी। इसके बाद ईरानी सरकार के स्पोक्सपर्सन अली बहादोरी जहरोमी ने कहा था- इंटेलिजेंस एजेंसी और एजुकेशन मिनिस्टर इस मामले की जांच कर रहे हैं। जल्द ही जहर देने वालों को पकड़ा जाएगा। न्यायिक जांच का आदेश भी दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्राओं को जहर दिए जाने के मामले 16 सितंबर को हुई महसा अमिनी की मौत को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन के बाद सामने आए हैं। दरअसल, 16 सितंबर को पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा की मौत हो गई थी। उसने हिजाब नहीं पहना था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। ईरान में लड़कियों पर पाबंदियां हैं और हिजाब पहनने को लेकर सख्त कानून हैं। महसा की मौत और हिजाब को मेंडेटरी किए जाने के विरोध में कई स्कूल गर्ल्स सड़कों पर उतरी थीं। इसके बाद से ही छात्राओं को जहर दिए जाने की खबरें सामने आने लगीं। सरकार और उसकी एजेंसियों पर जहर देने के आरोप लगे थे। इस आरोप के बाद सरकारी अफसरों ने कहा था- हम ये मानते हैं कि स्टूडेंट्स बीमार हुए हैं। इसकी वजह खराब पानी है। पानी में बैक्टीरिया पनपे और इसको पीने से स्टूडेंट्स बीमार हुए।

पाकिस्तान में रह रहा कश्मीरी आतंकी ढेर

हमलावरों ने खालिद रजा को गोली मारी, 7 दिन पहले हिजबुल कमांडर बशीर ऐसे ही मारा गया था

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में सोमवार को कश्मीर के आतंकी संगठन अल-बद्र का कमांडर सैयद खालिद रजा मारा गया। अज्ञात हमलावरों ने उस पर गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि खालिद मौत से पहले तक भी कश्मीर में सक्रिय आतंकियों से जुड़ा हुआ था। सिंधुदेश रिवोल्यूशनरी आर्मी ने खालिद रजा की हत्या की जिम्मेदारी ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने खालिद रजा के घर के बाहर ही उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। खालिद राजा कश्मीर में आतंकी कमांडर रह चुका है। इसके बाद वो कराची चला गया। यहां वो फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल का वाइस चेयरमैन बना।

सैयद खालिद रजा एक हफ्ते में मारा जाने वाला दूसरा बड़ा आतंकी है। पिछले हफ्ते हिजबुल मुजाहिद्दीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद पीर भी मारा गया था।

बशीर अहमद पीर हिजबुल मुजाहिद्दीन, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व आतंकवादियों को एकजुट करने के लिए कई ऑनलाइन एक्टीविटीज में शामिल था। पिछले साल 4 अक्टूबर को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते उसे आतंकवादी घोषित कर दिया गया था।

बशीर पिछले हफ्ते गुरुवार को अपने घर के पास मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। मस्जिद से बाहर निकलने के बाद वह एक दुकान के पास खड़ा हो गया। इसी दौरान दो हमलावर बाइक से आए और गोली मारकर बशीर की हत्या कर दी। बशीर अहमद को इम्तियाज आलम के नाम से भी जाना जाता था। जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने में इसका हाथ था। वह हाजी, पीर और इम्तियाज के कोड नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। बशीर पिछले कुछ सालों से रावलपिंडी में रह रहा था।

भाजपा की आपसी लड़ाई में फंसा नेता प्रतिपक्ष का सिलेक्शन

राजे-राठौड़-राजवी में से किसी को जिम्मेदारी देकर राजपूतों को साध सकती है बीजेपी

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। गुलाब चंद कटारिया अब असम के राज्यपाल हैं। राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली हुआ है। इस पद पर अगला चेहरा कौन होगा, यह बीजेपी को तय करना है। राजस्थान विधानसभा के इस सत्र की अगली कार्यवाही 28 फरवरी से शुरू होगी। भारतीय जनता पार्टी बिना नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा में शामिल होगी। हालांकि उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सदन में होंगे, लेकिन उप नेता प्रतिपक्ष का विधानसभा के नियमों में कोई पद नहीं है।

ऐसे में अब नेता प्रतिपक्ष को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज होंगी। राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष को लेकर कई संभावनाएं जताई जा रही हैं। राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष बनाना बीजेपी के लिए कितना चुनौतीपूर्ण है और यह कैसे राजस्थान की राजनीति पर असर डालेगा। राजस्थान बीजेपी में इस वक्त स्थितियां बेहद उलझी हुई हैं। राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष को लेकर अब तक जहां पार्टी स्पष्टता नहीं दे पाई है, वहीं दूसरी ओर गुलाबचंद कटारिया के असम का राज्यपाल बनाए जाने से अब नेता प्रतिपक्ष के लिए नेता के चयन का एक नया सिरदर्द पार्टी के लिए खड़ा हो गया है। इसी बीच, केंद्र सरकार में मंत्रिमंडल पुनर्गठन भी होना है, उसे लेकर भी राजस्थान से कुछ नेता लाइन में खड़े हैं। इधर, राजस्थान में संगठन महामंत्री के बदले जाने की चर्चाएं और अफवाहें भी जोरों पर हैं। चुनाव से ठीक 8 महीने पहले बीजेपी के लिए सोशल इंजीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए इन पदों पर नेताओं की नियुक्ति करना टेढ़ी खीर है।

आपसी खींचतान है सबसे बड़ा सिरदर्द

राजस्थान उन राज्यों में है, जहां बीजेपी के भीतर आंतरिक खींचतान चरम पर है। राजस्थान में नेताओं के धड़े आपस में बंटे हुए हैं। इसका हालिया नमूना तब देखने को मिला जब एक ओर 4 मार्च को जहां वसुंधरा राजे का जन्मदिन महोत्सव सालासर में मनाए जाने की तैयारियां चल रही थीं। वहीं, दूसरी ओर प्रदेश संगठन की ओर से 4 मार्च को रीट भर्ती प्रकिया से जुड़ी अव्यवस्थाओं को लेकर विरोध-प्रदर्शन की तारीख तय कर दी गई। इसे लेकर दोनों धड़ों के नेताओं के अपने मत हैं। ऐसे में खींचतान के बीच बीजेपी के लिए नए नेताओं की नियुक्ति किसी माथापच्ची से कम नहीं। राजस्थान में सोशल इंजीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए पार्टी कैसे निर्णय करेगी यह समझने से पहले राजस्थान में फिलहाल बीजेपी की वर्तमान सोशल इंजीनियरिंग को समझ लेते हैं।

फिलहाल इस तरह है बीजेपी की सोशल इंजीनियरिंग

जाट : राजस्थान में जाति के तौर पर जाट सबसे बड़ा वोट बैंक है। यही वजह है कि बीजेपी ने वर्तमान में कई अहम पदों पर जाट नेताओं को काबिज किया हुआ है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इसी कौम से आते हैं और वे राजस्थान के रहने वाले हैं। इसी तरह प्रदेशाध्यक्ष के रूप में डॉ. सतीश पूनिया और केंद्रीय मंत्री के रूप में कैलाश चौधरी राजस्थान में जाट समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

राजपूत : राजपूत भी राजस्थान का बेहद अहम वोट बैंक है। यही वजह है बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियां इस वोट बैंक को साधे रखने की कोशिश करती हैं। फिलहाल राजस्थान में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ इस जाति से हैं। हालांकि उप नेता प्रतिपक्ष का पद इतना प्रभावी नहीं है।

ब्राह्मण-वैश्य : राजस्थान का एक और बड़ा वोट बैंक ब्राह्मणों का है। इसके बावजूद वर्तमान में देखा जाए तो बीजेपी में कोई बेहद अहम दायित्व ब्राह्मण चेहरे को नहीं दिया गया है। संगठन के कुछ छोटे-मोटे पदों के अलावा घनश्याम तिवाड़ी के रूप में राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। इसके अलावा वैश्य समुदाय से भी कोई चेहरा किसी खास पद पर नहीं। कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद राजस्थान में वैश्य समुदाय का यह कॉलम भी खाली हो गया है।

दलित : दलितों की संख्या राजस्थान में अच्छी है। इनमें सबसे बड़ा वोट बैंक मेघवाल जाति का है। यही वजह है कि अर्जुन मेघवाल के रूप में राजस्थान से केंद्रीय मंत्री हैं।

आदिवासी : आदिवासी समुदाय में मीणा सबसे बड़ा वोट बैंक है। इसी के चलते डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को राजस्थान से राज्यसभा सांसद बनाया हुआ है। कुल मिलाकर 12 प्रतिशत वोट बैंक राजस्थान में आदिवासियों का है, मगर सांसद के अलावा इस समुदाय को कोई खास प्रतिनिधित्व बीजेपी में अब तक नहीं है।

अन्य : इसके अलावा ओबीसी-माली के रूप में राजेंद्र गहलोत राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। मगर मोटे तौर पर ये ही वो जातियां हैं जो राजस्थान की राजनीति को वोट के रूप में प्रभावित करती हैं। इनके अलावा मुसलमान और गुर्जर ये दो बड़े वोट बैंक ही ऐसे हैं जिनमें बीजेपी के पास न कोई बड़ा नेता मौजूद है, न ही बीजेपी ने जिन्हें संगठन या सत्ता में कोई विशेष जगह दी है। इनके अलावा अब तक तो बीजेपी ने इनमें काफी हद तक संतुलन साधे रखा है। मगर आने वाले दिनों में होने वाली नियुक्तियों से अगर किसी धड़े या समुदाय का पलड़ा भारी होता है या किसी का कम तो उसका असर चुनाव पर दिखता है। यही वजह है कि बीजेपी नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नहीं कर पा रही है।

सोशल इंजीनियरिंग अहम फैक्टर : प्रताप सिंघवी

पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह सिंघवी बताते हैं कि राजस्थान में अब नेता प्रतिपक्ष से लेकर तमाम तरह के निर्णयों में सोशल इंजीनियरिंग बेहद अहम फैक्टर बन गया है। उसी को ध्यान में रखकर केंद्रीय नेतृत्व हर तरह के निर्णय करेगा। मुझे लगता है कि वो निर्णय राजस्थान में सबको स्वीकार्य होगा। नेता प्रतिपक्ष को लेकर इस तरह बनती हैं संभावनाएं

संभावना 1 : बीजेपी नहीं बनाएगी नेता प्रतिपक्ष

सोशल इंजीनियरिंग को बनाए रखने और खेमेबाजी में और ज्यादा बढ़ोतरी न हो उसे देखते हुए यह संभावना जताई जा रही है कि बीजेपी इस सरकार के 8 महीने बगैर नेता प्रतिपक्ष ही निकालेगी। बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि अब विधानसभा का यह अंतिम महत्वपूर्ण सत्र है, इसके बाद आखिरी सत्र कितना और कैसा होगा यह पता नहीं। ऐसे में यह उम्मीद कम है कि नेता प्रतिपक्ष बनाया जाए। खेमेबाजी के बीच किसी भी धड़े या समुदाय को तवज्जो दी जाती है तो उसका उल्टा असर पड़ सकता है।

संभावना 2 : वसुंधरा-राठौड़-राजवी में से बना राजपूतों को साधेंगे

बीजेपी के एक धड़े का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष को लेकर बीजेपी राजपूत चेहरे की ओर जाएगी। आनंदपाल प्रकरण के चलते पिछली सरकार में इस खेमे में जो नाराजगी थी उसे इस तरह दूर किया जा सकता है। ऐसे में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। राठौड़ ने इस्तीफा प्रकरण में कोर्ट में याचिका लगा कांग्रेस को बैकफुट पर धकेला था, वे लगातार सक्रिय भी रहे हैं। ऐसे में बीजेपी उन पर दांव लगा सकती है। वहीं, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के रूप में भी एक विकल्प है। वसुंधरा राजपूत घराने की बेटी और जाट घराने की बहू हैं।

साथ ही कद्दावर नेता होने के नाते वसुंधरा को आगे कर बीजेपी मास्टरस्ट्रोक खेल सकती है। हालांकि केंद्रीय नेतृत्व और वसुंधरा के बीच समझ कितनी बेहतर हुई है यह इस पर ज्यादा निर्भर करेगा। इसके अलावा नरपत सिंह राजवी के रूप में भी एक सीनियर राजपूत चेहरा बीजेपी के पास है। राजवी पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के दामाद हैं, ऐसे में इस फैक्टर पर भी बीजेपी का ध्यान जा सकता है।

संभावना 3 : पूनिया को नेता प्रतिपक्ष बना ब्राह्मण प्रदेशाध्यक्ष बनाया जाए

बीजेपी के नेताओं और राजनीतिक जानकार ऐसी संभावना की भी बात करते हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में नेतृत्व को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में जाट प्रदेशाध्यक्ष को बदलना बीजेपी के लिए मुश्किल साबित हो सकता है। डॉ. सतीश पूनिया का कार्यकाल पूरा हो गया है, ऐसे में उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाकर प्रदेशाध्यक्ष के पद पर किसी ब्राह्मण चेहरे को लाया जा सकता है। ऐसी सूरत में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी का नाम अहम है। अगर बीजेपी ब्राह्मण चेहरा चुनती है तो इन्हीं नामों में से हो सकता है। यह भी संभव है कि पूनिया को नेता प्रतिपक्ष बना राजे को प्रदेशाध्यक्ष बनाया जाए, मगर इसकी संभावना कम लगती है।

संभावना 4 : मेघवाल-देवनानी के रूप में वरिष्ठ कार्ड खेला जाए

कुछ जानकारों का मानना है कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में बीजेपी वरिष्ठता को तरजीह दे सकती है। ऐसे में पूर्व मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष जैसे अहम पदों पर रह चुके कैलाश मेघवाल को भी नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। इस तरह बीजेपी दलितों को साधने की कोशिश कर सकती है। अगर जातिगत समीकरणों को बीजेपी नहीं छेड़ना चाहे तो पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी को भी नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। देवनानी वरिष्ठता और प्रतिपक्ष के नेता के रूप में अच्छी योग्यता रखते हैं। मगर सिंधी समुदाय का जातिगत प्रभाव नहीं होने के चलते उनका दावा ज्यादा मजबूती नहीं रखता है।

रिशफलिंग-फैक्टर : दीया कुमारी-किरोड़ी लाल मीणा बन सकते हैं मंत्री

आने वाले समय में बीजेपी केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी फेरबदल करेगी। ऐसे में दो बड़े वोट बैंक को साधने के लिए राजस्थान से दो नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। इनमें सबसे प्रमुख नाम आदिवासी नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का है। डॉ. किरोड़ी पीएम मोदी के करीबी रहे हैं और आदिवासी समाज में पकड़ रखते हैं। राजस्थान में 25 रिजर्व आदिवासी सीटें हैं, वहीं 10 और सीटों पर आदिवासी वोट बैंक प्रभाव रखता है। इसके अलावा राजपूत और महिला वोटर को साधने के लिए दीया कुमारी को भी मंत्री बनाया जा सकता है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष के चयन में बीजेपी इन तमाम फैक्टर्स का ध्यान रखेगी।

'राजनीतिक पार्टियां एससी के लोगों को गुलाम जैसे रखती है'

बीजेपी विधायक मेघवाल ने कहा- खुलकर बोलने की आजादी नहीं, मुंह खोलते ही टिकट कट

भीलवाड़ा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और 89 साल के बीजेपी विधायक कैलाश मेघवाल ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां अनुसूचित जाति के लोगों को गुलाम की तरह रखती है। उन्हें खुलकर बोलने की आजादी नहीं होती है। कोई खुलकर बोलता है तो उसका टिकट कट जाता है। मेघवाल रविवार को भीलवाड़ा के शाहपुरा में बोल रहे थे।

मेघवाल के इस बयान के कई राजनीतिक मायने लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा के 70 प्लस फॉर्मूले के बाद अब मेघवाल को आगामी चुनाव में टिकट की चिंता सताने लगी है।

उन्होंने 'भूखे भजन न होय गोपाला' की कहावत सुनाते हुए कहा कि मैं सभी को आज यह विश्वास दिलाता हूं कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र मेरा विधानसभा क्षेत्र है। यह विधानसभा क्षेत्र पूर्व से पिछड़ा था। साल 1952 से ही यह शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र SC के लिए आरक्षित है।

भाजपा के 70 प्लस फॉर्मूला से टिकट कटने का डर

दरअसल, भाजपा ने 70 साल से ज्यादा उम्र के विधायकों के इस चुनाव में टिकट काटने की बात कहीं थी। विधायक कैलाश मेघवाल भी इस दायरे में आते हैं। ऐसे में उनके इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि मेघवाल ने किसी भी पार्टी का नाम नहीं लिया है।

मेघवाल ने चुनाव के लिए खुद को बताया था फीट

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम माथुर ने 70 प्लस फॉर्मूले में आने वाले 40 प्रतिशत विधायकों के टिकट कटने की बात कहीं थी। माथुर के इस बयान के बाद मेघवाल ने खुद पीसी कर अपने आप को चुनाव के लिए फिट बताया था और इस बार भी शाहपुरा से चुनाव लड़ने की बात कही थी।

कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया

भाजपा के 70 प्लस के टिकट काटने के फॉर्मूले के बाद उदयपुर से विधायक गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है।

इसके बाद से कैलाश मेघवाल को भी चिंता सताने लगी है। वे भाजपा के कद्दावर व वरिष्ठ नेताओं में शामिल है। साल 1962 से राजनीति में सक्रिय है। मेघवाल भाजपा के टिकट पर पांच बार विधायक और तीन बार सांसद का चुनाव जीत चुके हैं। वे केंद्रीय मंत्री, राजस्थान सरकार में मंत्री व विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

राजस्थान बीजेपी में जनरेशन शिफ्ट का मैसेज

आलाकमान ने कटारिया को राज्यपाल बनाकर राजस्थान बीजेपी में जनरेशन शिफ्ट की शुरुआत कर दी है। इसे नई पीढ़ी के नेताओं को आगे बढ़ाने के संकेत के तौर पर देखा जा सकता है। गुलाबचंद कटारिया की पीढ़ी के नेताओं को यह साफ मैसेज भी है कि अब टिकटों से लेकर सक्रिय राजनीति में जगह खाली करनी होगी।

उम्रदराज नेता मार्गदर्शक मंडल में बैठेंगे। सक्रिय राजनीति में नई पीढ़ी के नेता आएंगे। दूसरे राज्यों की तरह राजस्थान में भी वही किया जाएगा।

टॉयलेट के बहाने भागे थे पहलवान पर फायरिंग के आरोपी

भरतपुर आईजी बोले- हथियार छीनकर पुलिस पर ही 4 राउंड गोली चलाई

भरतपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में जिम के बाहर 23 फरवरी की सुबह 8 बजे कारोबारी गजेंद्र सिंह उर्फ लाला पहलवान को गोली मारकर भागने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को हरियाणा के गुरुग्राम से दबोचा। शनिवार रात भरतपुर लाते वक्त कुम्हेर थाना इलाके में आरोपियों ने पुलिस के हथियार छीनकर फायर कर दिया तो जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने चारों के पैर में गोली मार दी। इस घटना के बाद दो आरोपियों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल और दो आरोपियों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। लाल पहलवान का इलाज पहले से जयपुर के एसएमएस में चल रहा है। उसे 5 गोलियां लगी हैं। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है।

इसमें से 2 बदमाशों का ज्यादा खून बहने के कारण उन्हें जयपुर रेफर करना पड़ा। बाकी दो बदमाशों का भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। 23 फरवरी की सुबह 8 बजे तीन बदमाशों ने अटलबंद थाना इलाके के वेलनेस जिम के बाहर गजेंद्र सिंह गुर्जर उर्फ लाला पहलवान पर लाठी-डंडों से हमला किया और उसे 5 गोली मारी। इस वारदात का मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर विनोद पथैना था, जिसके कहने पर उसके 3 साथियों ने लाला पहलवान पर हमला किया। विनोद का गजेंद्र उर्फ लाला से जमीन विवाद चल रह था, इसी रंजिश में उसने गजेंद्र पर हमला करवाया। आईजी गौरव श्रीवास्तव में बताया कि गजेंद्र सिंह पर तीन लोगों ने हमला किया था। दो लोग लाला पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहे थे और एक ने लाठियों से हमला किया। यह घटना जिम के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। बाद में 23 फरवरी को ही अटलबंद थाना में मामला दर्ज कराया गया।

आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस भरतपुर के लिए रवाना हुई। टीमों को हिदायत दी गई कि बिना रुके आरोपियों को लेकर भरतपुर आना है। रास्ते में कई बार आरोपियों ने पानी-टॉयलेट के बहाने से रुकने का बहाना किया, लेकिन टीम ने कहा कि जब तक भरतपुर जिले में प्रवेश नहीं करेंगे तब तक नहीं रुकेंगे। उसने अपने साथियों को भी कहा कि पुलिस के हथियार छीन लो और भागो। इस दौरान प्रेमवीर और भीमा ने पुलिस से उसके हथियार छीन लिए। पुलिस के हथियारों से पुलिसकर्मियों पर ही फायर किया। पुलिसकर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। बदमाशों को पकड़ने के लिए उनके पैरों की तरफ फायर किए। दो आरोपियों के पैर में गोली लगने के बाद वे वहीं गिर गए। तुरंत दोनों को काबू पाकर उनसे हथियार छीने गए। सड़क के किनारे खेत से कूदकर विनोद ने भागने की कोशिश की, पुलिसकर्मियों ने रोकने के लिए उस पर फायर किए तो उसके दोनों पैरों में गोली लगी और वह भी वहीं गिर गया। चंदू जब पुलिसकर्मी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था तो उसी समय एक हथियार से फायर हुआ और चंदू के पैर में जा लगा। इस मुठभेड़ में पुलिसकर्मियों के मामूली चोटें आईं। इसके बाद पुलिस आरोपियों को लेकर आरबीएम अस्पताल पहुंची और इनका इलाज करवाया। विनोद पथैना और चंदू का ज्यादा खून बहने के कारण उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। प्रेमवीर और भीमा का आरबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। इलाज के बाद चारों को गिरफ्तार किया जाएगा। विनोद पथैना पर डीजीपी की तरफ से 25 हजार का इनाम घोषित है। उस पर राजस्थान में 21 मामले दर्ज हैं। इस मुठभेड़ में पुलिस की तरफ से 18 राउंड फायर हुए और आरोपियों की तरफ से 4 राउंड फायर किए गए।

सड़क हादसे में मां और दो मासूमों की मौत

आधे घंटे तक कार में ही फंसे रहे घायल, 6 लोगों की हालत गंभीर

बूंदी, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे लोगों की कार को गिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार मां और उसके दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, वहीं 6 लोग घायल हो गए। हादसा बूंदी के दुर्गापुरा इलाके में रविवार रात 8 बजे हुआ।

टक्कर इतनी भीषण थी कि 9 लोग कार में बुरी तरह फंस गए। इस दौरान मौके पर भी भीड़ जमा हो गई, लेकिन किसी ने घायलों को बाहर तक नहीं निकाला। करीब आधे घंटे बाद गोठड़ा से 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। इसके बाद सभी घायलों को कार से निकालकर एंबुलेंस से हिण्डोली अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने रीना (28) पत्नी राजू सैनी, केशव (3) पुत्र राजू और कृष्णा (7) पुत्री राजू को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल 6 लोगों को बूंदी जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दबलाना थाना प्रभारी रमेश मेरोठा ने बताया कि सड़क हादसे में मां, बेटी और बेटे की मौत हो गई है। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

घायलों को नहीं पता, परिवार के 3 लोग नहीं रहे

हादसे में रूपेश (12), आयूष (11), मिश्रीलाल (50), देवकिशन, सलोनी, किशन (60) गंभीर घायल हो गए। इनमें से कोई नहीं जानता कि उनके परिवार के 2 मासूम और उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं है। जिस कार से हादसा हुआ, वह कोटा के किशन सैनी की है, किशन ही कार चला रहा था।

प्रत्यक्षदर्शी पंकज बरमुंडा ने बताया कि हम हादसे के दौरान वे गोठड़ा से हिंडोली आ रहे थे। कार में सवार सभी लोग फंसे हुए थे। यह देखकर हमने और वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें बाहर निकालने में सहयोग किया।

प्रेमी-प्रेमिका ने एक ही रस्सी से की सुसाइड

भरतपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के नगर थाना इलाके में प्रेमी प्रेमिका ने एक रस्सी ही रस्सी से लटककर अपनी जान दे दी, दोनों का काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन ही जाति के होने के कारण दोनों के परिजन राजी नहीं थे, जिसके बाद दोनों ने रस्सी से लटक कर जान दे दी। घटना नगर थाना इलाके में सहारनपुर गांव की है, खेमराज उम्र 25 साल और मौसम उम्र 18 साल दोनों का प्रेम प्रसंग काफी दिनों से चल रहा था। दोनों एक प्रेम प्रसंग के बारे में गांव के लोगों और उनके परिजनों को पता था। दोनों एक ही जाति के थे। खेमराज और मौसम को दोनों के परिजनों ने समझाया, लेकिन दोनों नहीं माने और एक दूसरे से बात करते रहे, दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन एक ही जाति के होने के कारण दोनों की शादी के लिए परिजन राजी नहीं थे, जिससे नाराज होकर दोनों ने मौत को गले लगा लिया।

बारिश का अलर्ट: गरज-चमक के साथ हो सकती है बरसात, बढ़ती गर्मी को लगेगा ब्रेक

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बढ़ती गर्मी को ब्रेक लग सकता है। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। मौसम में यह बदलाव एक मार्च तक रहेगा। इसके असर से बीकानेर संभाग और शेखावाटी के इलाकों में बादल छाने के साथ बारिश हो सकती है। जयपुर मौसम केंद्र के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक कम प्रभाव का नया पश्चिमी विक्षोभ 28 फरवरी की शाम से राजस्थान के उत्तर-पश्चिम बेल्ट में एक्टिव होगा। इसका असर बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के आसपास देखने को मिलेगा। यहां एक मार्च को कई जगह बादल छाने, बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बूंदाबांदी, बरसात की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम का असर एक मार्च तक रहेगा। इस दौरान जयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर और उदयपुर संभाग में मौसम में कोई खास बदलाव नहीं आएगा। सामान्य रूप से मौसम शुष्क रहेगा। मौसम केंद्र के मुताबिक 4 मार्च से उदयपुर, कोटा संभाग में भी एक हल्के प्रभाव का सिस्टम एक्टिव होने स्थितियां बन रही हैं। 4-5 मार्च को उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा के अलावा सिरोही, कोटा, बारां और झालावाड़ जिलों में मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान यहां हल्की धूलभरी हवाएं चलने के साथ आसमान में बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

मदरसे में हाईटेंशन लाइन से करंट, चार बच्चे झुलसे

कोटा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के दादाबाडी इलाके में स्थित वक्फ नगर स्थित एक मदरसे में रविवार देर शाम को हुए हादसे में मदरसे में पढ़ाई करने वाले चार बालक झुलस गए। इनमें से एक को प्राथमिक उपचार के बाद छुटटी दे दी गई। जबकि तीन को निजी अस्पताल में भर्ती कर इलाज करवाया जा रहा है। हादसा मदरसे में नमाज शुरू होने से कुछ समय पहले हुआ। हादसे के अलग अलग लोग अलग अलग कारण बता रहे है। मामले में अभी पुलिस भी ज्यादा कुछ कहने की स्थिति में नही है। सोमवार को जांच के बाद स्थिति साफ हो सकेगी। वक़्फ़ नगर स्थित मदरसा मदीना फैजान अतार में यह हादसा हुआ।

मदरसे में हुए हादसे के दौरान परिसर में मौजूद जिम्मेदार अरशद अंसारी ने बताया कि रविवार शाम 6.30 बजे के आस पास की घटना है। नमाज की तैयारी हो रही थी। उस समय करीब पचास साठ लोग मदरसे में मौजूद थे। मदरसे में पढ़ने वाले चार बच्चे अली अंसारी (16),जरयान (10),अरमान (14) और गाजी (9) मदरसे के छज्जे पर खडे.होकर बात कर रहे थे। मदरसे के सामने से करीब तीन से चार फीट की दूरी से 33 केवी हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। इसी दौरान अचानक लाईन ने बच्चों को खींच लिया और धमाका जैसा हुआ। बच्चे करंट से झुलस गए और करंट की वजह से अंदर वायरिंग में आग लग गई।

वहां मौजूद लोग तुरंत बच्चों को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। जहां से बच्चों को निजी अस्पताल लाया गया। चारों को तलवंडी के निजी अस्पातल पहुंचाया जहां से गाजी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं अली करंट से ज्यादा झुलसा है। अली के सीने और पैर काफी झुलसे है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जानकारी जुटाई।

जन सेवा संघ अलवाल क्षेत्रीय समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ अलवाल क्षेत्र में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक जन सेवा संघ के अनुशासन समिति के संयोजक एवं नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट पीपी पांडेय के मार्गदर्शन में अलवाल क्षेत्रीय अध्यक्ष किशन लाल देवासी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र में किये गए कार्यों की समीक्षा की गई और क्षेत्र में हो रही समस्याओं की जानकारी ली गई। बैठक में सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि सदस्ता अभियान का आयोजन कर नए सदस्यों को जोड़े साथ ही पुराने सदस्यों का सदस्यता नवीनीकरण करें। इस अवसर पर केंद्रीय समिति सदस्य एवं नेरेडमेट क्षेत्रीय अध्यक्ष राधे श्याम राय यादव उपस्थित हुए और अलवाल क्षेत्रीय समिति का पुनर्गठन किया गया जिसमें क्षेत्रीय के अध्यक्ष के रूप में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से किशन लाल देवासी को मनोनीत किया, उपाध्यक्ष महेंदर सिंह, सचिव सुनील पवार, संयुक्त सचिव धर्माराम सेंचा, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमावत, आरगानाइज़िंग सचिव नेमाराम राठौर, कार्यकारिणी सदस्यों में दिनेश कुमार, सुरेश चंद्र, सागर देवासी, अंबाराम प्रजापत, राजेश जैन, सोहनलाल, रतन लाल सोलंकी, बाबु लाल सीरवी, बाबू लाल, शेषाराम सीरवी, अनिल रेडवाल, गोविंद को बनाया गया ।

अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य ने खादीर खान के परिवार को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की

मेडक, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयुक्त (एनएमसी) के सदस्य सैयद शहजादी ने खदीर खान के परिवार के सदस्यों को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की, जिसकी 16 फरवरी को मेदक शहर पुलिस स्टेशन द्वारा कथित रूप से पिटाई के बाद मृत्यु हो गई थी। उसने यह भी मांग की कि खान की पत्नी को सरकारी नौकरी और सरकार द्वारा एक डबल बेडरूम का घर दिया जाए। उन्होंने कहा कि आयोग पुलिस महानिदेशक और तेलंगाना के मुख्य सचिव को सभी दस्तावेजों के साथ आयोग के समक्ष पेश होने के लिए तलब करेगा। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि खदीर खान की मृत्यु के बाद भी मेदकजिले के अधिकारी किसी भी अनुग्रह राशि की घोषणा नहीं कर सके।

देश में दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति लागू करने की तत्काल आवश्यकता : डॉ. रमैया

खम्मम, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित लाखों लोगों की सहायता के लिए भारत को दुर्लभ बीमारियों के लिए अपनी राष्ट्रीय नीति-2021 को प्रभावी तरीके से लागू करने की तत्काल आवश्यकता है, जैसा कि इंडियन ऑर्गनाइजेशन फॉर रेयर डिजीज (आईओआरडी) के अध्यक्ष और सीईओ, डॉ. रमैया मुथ्याला ने सुझाव दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जुलाई, 2017 में दुर्लभ रोगों के उपचार के लिए राष्ट्रीय नीति (एनपीटीआरडी) तैयार की, इसे संशोधित किया और 2021 में इसे अंतिम रूप दिया। केंद्र अपने स्वयं के नीति दस्तावेज में। डॉ. मुथ्याला ने सवाल किया कि सरकार उचित डेटा के बिना किसी नीति को कैसे लागू कर सकती है। दस्तावेज़ ने दुर्लभ बीमारियों को भी परिभाषित नहीं किया है, लेकिन उन्हें केवल कुछ का उल्लेख करते हुए तीन समूहों में वर्गीकृत किया है। लगभग 7000 दुर्लभ बीमारियां हैं, उनमें से 80 प्रतिशत अनुवांशिक हैं। केवल पांच प्रतिशत से कम बीमारियों के लिए उपचार उपलब्ध हैं, शेष के बारे में क्या है। लगभग 95 प्रतिशत विरल बीमारियों का कोई अनुमोदित उपचार नहीं है; 10 में से केवल 1 रोगी को रोग विशिष्ट उपचार प्राप्त होता है। दुर्लभ बीमारियों के लिए दवाएं अत्यधिक महंगी होती हैं और दवा कंपनियां उनके लिए दवाओं के विकास और विपणन से कतराती हैं क्योंकि यह एक लाभदायक बाजार नहीं है। भारत की दवा राजधानी हैदराबाद में दुर्लभ बीमारी के लिए 450 बल्क दवाएं बनाई जाती हैं। लेकिन वे स्थानीय रूप से उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि मुनाफा कमाने के लिए विदेशों में निर्यात किए जाते हैं। आईओआरडी के सीईओ ने बताया कि भारत को कैप्सूल या इंजेक्शन का आयात करना पड़ता है, जो एक महंगा मामला है।

डॉ. मुथ्याला ने बताया कि मप्र के विदिशा शहर के बीजेपी के एक पूर्व पार्षद संजीव मिश्रा और उनके पूरे परिवार की 26 जनवरी, 2023 को आत्महत्या कर ली गई थी। इसका कारण यह है कि उनका एक बेटा एक आनुवांशिक बीमारी से पीड़ित था और वह असमर्थ था। उसे बचाने के लिए। स्थिति की गंभीरता को बताने के लिए इस घटना को पीएम के संज्ञान में लिया गया था, लेकिन व्यर्थ हुआ। यह भारत में लाखों लोगों की दुर्दशा है। अब जरूरत डेटा संकलन की है, जो शुरुआती चिकित्सा हस्तक्षेप के लिए महत्वपूर्ण है।

प्यार का विरोध करने पर प्रेमी युगल ने की आत्महत्या

नलगोंडा, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को केशराजुपल्ली गांव के पास एक युवती और एक पुरुष ने एक पेड़ से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने इनकी पहचान राकेश (20) और देवी (18) के रूप में की है। ऐसा प्रतीत होता है कि फांसी लगाने से पहले उन्होंने कीटनाशक भी खा लिया था। स्थानीय लोगों ने उनके शव देखे और पुलिस को फोन किया। पुलिस ने कहा कि राकेश कोंडा भीमनापल्ली का रहने वाला था जबकि महिला देवी दोनियाला की रहने वाली थी। वे अपने कॉमन फ्रेंड के घर एक फंक्शन में मिलने के बाद दोस्त बने और प्यार हो गया। देवी देवराकोंडा के एक निजी कॉलेज में इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के मुताबिक रविवार की दोपहर वे घर से निकले थे। राकेश ने अपनी मां से यह कहकर घर छोड़ दिया कि वह देवी से मिलना चाहता है क्योंकि उसने उसे एक जगह आने के लिए फोन किया था। रविवार शाम से उसका फोन बंद हो गया था। उनके द्वारा कथित रूप से लिखे गए एक आत्महत्या पत्र में, उन्होंने अपने माता-पिता के अपने प्यार के विरोध के कारण अपने जीवन को समाप्त करने का फैसला किया।

अंतिम संस्कार से लौट रहे युवक की मौत

मंचेरियल, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आत्महत्या करने वाले चिकित्सक के परिजनों को सांत्वना देकर घर लौट रहा युवक रविवार की रात चिंतागुड़ा-जिन्नाराम मार्ग पर मोटरसाइकिल से गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सोमवार को उसका खून से लथपथ शव देखा गया। पुलिस ने कहा कि थारुन (21) अपने दोस्त को सांत्वना देने के लिए निजामाबाद गया था, जिसके भाई ने जीवन समाप्त कर लिया। वह अंतिम संस्कार में शामिल हुआ और घर लौट रहा था। थारुन, जाहिरा तौर पर एक मोड़ पर बातचीत के दौरान वाहन से नियंत्रण खो बैठा और नीचे गिर गया।

तैराकी प्रतियोगिता जीतने पर वयोवृद्ध का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उंडावल्ली अमरावती एक्वा डेविल्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में इस महीने की 26 तारीख को 23वीं कृष्णा नदी तैराकी प्रतियोगिता विजयवाड़ा में आयोजित की गई। इस तैराकी प्रतियोगिता में मैरी लक्ष्मण रेड्डी 1.25 किलोमीटर रिवर क्रॉस स्विमिंग प्रतियोगिता में मास्टर तैराक हैं। राजेंद्र कुमार विजेता बने और उन्हें स्मृति चिन्ह मिला। राजेंद्र कुमार को छावनी खेल संघ के मुख्य संरक्षक और छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप सहित संघ के सदस्यों ने बोइनपल्ली खेल के मैदान में सम्मानित किया। जम्पना प्रताप ने कहा कि उन्हें कृष्णा नदी में आयोजित तैराकी प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर गर्व है। 80 वर्ष की आयु और आज के युवाओं के लिए प्रेरणा के रूप में पदक जीतना। कार्यक्रम में छावनी खेल संघ के महासचिव रगिरू प्रभुकुमार गौड़, लक्ष्मी, अजित कल्याण, मुकेश यादव, जनार्दन, नमके महेंद्र, वरप्रसाद, शाकिब और अन्य ने भाग लिया।

आगामी 5 मार्च को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में पधारने के लिए हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को आमंत्रित करती हुईं कांची वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष परमेश्वरी शर्मा, माधवी व अन्य।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा व वैभव नारी शक्ति शाखा की संयुक्त बैठक आयोजित

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की हैदरगुड़ा शाखा एवं वैभव नारी शक्ति शाखा की संयुक्त बैठक का आयोजन शाखा के परामर्शदाता जयप्रकाश गोयल के निवास स्थान पर आयोजित की गई। महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना से बैठक आरंभ हुई तथा अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल जी ने सभी का स्वागत किया। मानद मंत्री महेश कनोडिया ने सभा को बताया कि रेनबो आश्रिता होम, मोंडा मार्केट (फॉर बॉयज) के नवनिर्मित भवन एवं डिजिटल क्लास रूम शाखा द्वारा स्थापित करने से वहां के विद्यार्थियों में एक नई ऊर्जा और शिक्षा के प्रति रुचि जागृत हुई है। शाखा द्वारा वहां की जरूरत के अनुसार फर्नीचर का निर्माण भी कराया गया है। उसी प्रकार रैन बो आश्रिता होम, दूध बावली और संहिता होम, सिकंदरबाद के अनाथ आश्रम की लड़कियों के लिए कई प्रकार की सहायता और संसाधन शाखा से दिये जा रहे हैं। सदस्य श्रीवत्स गनेरीवाल ने सभा के सामने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तथा 60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ अग्र बंधुओं के लिए मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। सभा ने इंश्योरेंस पॉलिसी की पूर्ण जानकारी हासिल कर हैदरगुड़ शाखा से बीस वरिष्ठ सदस्यों का मेडिकल इंश्योरेंस कराने का निश्चय किया। ये बीस वरिष्ठ व्यक्तियों से इस पॉलिसी का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। लगभग 10 सदस्यों ने तुरंत ही इन पॉलिसी को प्रायोजित करने का आह्वान लिया। शाखा द्वारा शीघ्र ही जूम ऐप के द्वारा योग क्लासेस आरंभ करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के संयोजन हेतु रितेश अग्रवाल और श्रीमती रितु अग्रवाल को संयुक्त रूप से संयोजक नियुक्त किया गया। शाखा के कार्यक्रमों में साधारण सदस्यों के रुचि और भागीदारी बड़ाने के लिए शाखा की हर मासिक बैठक में 15 से 20 सदस्यों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। होली उत्सव के संयोजक जयप्रकाश गोयल, उप संयोजक अजय अग्रवाल को नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा में उपरोक्त सदस्यों के साथ साथ सीए मनोज कुमार अग्रवाल, विकास गुप्ता, राजकुमार सराईवाला, श्रीमती सतवंती सरायवाला, अनिल गुप्ता, लक्ष्मीकांत, उर्मिला मोदी, श्रीमती आशा कनोडिया आदि ने अपने सुझाव रखे।

अग्रवाल सेवा दल-पित्ती ट्रस्ट का 109वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल संपन्न

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा निर्मलादेवी कैलाशचंद केडिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 109 वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप काटेदान बुद्धवेल स्थित श्री साई मॉडल स्कूल में आयोजित किया गया। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निशुल्क मेडिकल कैम्प में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर अस्पताल की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा जांच, स्त्री रोग, अस्थीरोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस एवं रक्तचाप की जांच की गई। अवसर पर वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित एलसीएस डुंडु आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से रोगियों के नेत्र की जांच करने के पश्चात 176 चश्मे का वितरित किए गए एवं 13 को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के रोगियों की व्यवस्था निशुल्क की गई । ईएनटी की सेवा रॉयल पर्ल ईएनटी टीम डॉ. शिल्पी द्वारा की गई। शिविर में अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ सुमन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर साकेत ने अपनी सेवाएं प्रदान की। अवसर पर राजेन्द्र नगर विधायक प्रकाश गौड़ प्रेम गौड़, दत्तु भाई ,वेंकटेश, करुणाकर, जगदीश भाई, स्वामी गौड आदि उपस्थित थे। अवसर पर शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के संजय पंसारी, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, कैलाश केडिया निखिल रानासरिया स्थानीय पार्टनर निर्मला देवी कैलाश चंद केडिया ट्रस्ट के निर्मला केडिया, गोविंद कुमार केडिया, निधि केडिया, सेशन अग्रवाल, दिलीप, दिनेश केडिया,, जितेंद्र गोयल, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनैना नरसरिया, मनोज सिंह, अग्र महिला मंच की सरला अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, पित्ती लेमिनेशन के स्टाफ ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

झारखंड एकता समाज ने की बैठक

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। झारखंड एकता समाज की बैठक बोइनपल्ली शाखा कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में झारखंड एकता समाज के कोषाध्यक्ष महेंद्र विश्वकर्मा एवं बोइनपल्ली के अध्यक्ष राजेश यादव, उपाध्यक्ष मदन दास, सलाहकार रवि शर्मा, सलाहकार अजय यादव एवं समाज के सदस्य उपस्थित हुए। राजेश यादव ने बताया कि सभी को समाज का आईडी के लिए सालाना फीस पे किया गया तथा सभी को रसीद दिया गया एवं झारखंड एकता समाज का रिसीविंग दिया गया साथ जो भी फीस आया वह समाज के कल्याण के लिए आगे उपयोग में लिया जाएगा।

पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष डी. श्रीनिवास अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पीसीसी के पूर्व प्रमुख डी. श्रीनिवास को संभवत: दौरे पड़ने के कारण गंभीर रूप से बीमार पड़ने के बाद हैदराबाद के सिटी न्यूरो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि वह कुछ समय से बीमारी से जूझ रहे थे, कथित तौर पर उनकी हालत आज खराब हो गई। फिलहाल, डॉक्टर श्रीनिवास को चिकित्सा प्रदान कर रहे हैं और अभी तक उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, उनके बेटे, बीजेपी सांसद डी अरविंद ने अपने पिता के साथ रहने और डॉक्टरों से परामर्श करने के लिए अपनी सभी राजनीतिक व्यस्तताओं को रद्द कर दिया है। एक ट्विटर संदेश में, कार्यकर्ताओं को सूचित किया गया कि डी अरविंद अगले दो दिनों तक किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि वह अपने पिता की देखभाल कर रहे हैं।

मेदक में सीसीयू की स्थापना से सही समय पर मिलेगी मदद : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि मेडक जिले में क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) कई दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाएगी क्योंकि यूनिट पीड़ितों को गोल्डन आवर में उपचार प्रदान करेगी। रविवार को मेदक शहर के पिल्लीकोट्टाला में एमसीएच के परिसर में 50 बिस्तरों वाले सीसीयू की नींव रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 23.75 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सीसीयू बनाया जाएगा। मंत्री ने मेडक में बच्चों के लिए एक अर्ली डिटेक्शन सेंटर की नींव भी रखी।

चूंकि सड़क दुर्घटना पीड़ितों को हैदराबाद के अस्पतालों में ले जाने के लिए मजबूर किया गया, राव ने कहा कि उन्हें हैदराबाद में सीसीयू में ले जाने में एक से दो घंटे लग रहे थे। सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों की जान बचाने के लिए सुनहरे घंटे में उपचार प्रदान करना महत्वपूर्ण है, राव ने कहा कि सीसीयू इस तरह के मुद्दों को समाप्त कर देगा।

मेदक में एमसीएच को राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एमसीएच की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि मेडक जिले में किए गए कुल प्रसवों में से 81 प्रतिशत जिले भर के सरकारी अस्पतालों में किए गए। उन्होंने कहा कि मेदक में एमसीएच के अलावा नरसापुर, तूप्रान और रम्यमपेट में स्थित अस्पताल भी अच्छा काम कर रहे हैं। श्री राव ने कहा कि राज्य सरकार श्रीराम नवमी से मेदक जिले में गर्भवती महिलाओं को पोषण किट देना शुरू करेगी। मेदक कस्बे में नौका विहार सुविधा का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने गोसमुद्रम तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 10 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

भाजपा नेता का दिल्ली शराब घोटाले में कविता की गिरफ्तारी का दावा

तिरुमला, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विवेक वेंकटस्वामी ने दावा किया है कि दिल्ली शराब घोटाले के सिलसिले में बीआरएस एमएलसी कविता को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। विवेक, अपनी पत्नी के साथ, भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा करने के लिए तिरुमाला मंदिर गए। दर्शन के बाद, उन्होंने मीडिया से बात की और तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर पर राज्य के खजाने को लूटने और अन्य राज्यों में भ्रष्ट धन का उपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कविता ने चुनाव खर्च के लिए आप को 150 करोड़ रुपये दिए। विवेक ने आगे आरोप लगाया कि तेलंगाना के लोग केसीआर से नाखुश हैं और बीआरएस को सरकार के कुकृत्यों से ध्यान हटाने के लिए लाया गया था। उन्होंने भविष्यवाणी की कि शराब घोटाले के सिलसिले में और लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। विवेक ने चुटकी ली कि केवल पुराने नेता बीआरएस में शामिल हो रहे हैं और आलोचना की कि पार्टी तेलंगाना में जीवित नहीं रहेगी।

रिटर्निंग ऑफिसर प्रियंका आला ने भारत के चुनाव आयोग की घोषणा के बाद उम्मीदवार को प्रमाण पत्र सौंप दिया। मजलिस पार्टी के उम्मीदवार मिर्जा रहमत बेग ने हैदराबाद जिले के स्थानीय निकायों की सीट जीती थी।

जैतारण स्थित बलुन्दा की पावन भूमि में धूम्बा धाम में गुरुदेव सेवादास जी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष व समाजसेवी धर्माराम ढाका, वासुदेव दायमा, नारायणलाल व्यास, सुरेश ढाका व अन्य।

रणछोड़जी मंदिर ऐतबार चौक, चारमीनार में आयोजित 'होली के रंग, काना के संग' कार्यक्रम में उपस्तित ज्योति बजाज, पद्मा भंडारी, संतोष बियाणी, पद्मा बजाज, लता बियाणी, मीनाक्षी तोषनीवाल, सविता बियाणी, ममता शर्मा, सुनीता शुक्ला, अर्चना भंडारी, पुष्पा भंडारी, दीपिका तोषनीवाल, ज्योति अनिल बजाज, लक्ष्मी राठी, निहारिका बजाज, संचिता बजाज, प्रमुख गायक संगीता सोनी एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

खड़गे सिर्फ नाम ...

आज मुझे एक बार फिर कर्नाटक के विकास से जुड़े हजारों-करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के लोकार्पण और शिलान्यास का अवसर मिला है। आज शिवमोगा को अपना एयरपोर्ट मिला है, यह बहुत ही भव्य और सुंदर है। यह सिर्फ एयरपोर्ट नहीं है बल्कि इस क्षेत्र के जवानों के सपनों की नई उड़ान का अभियान है।

कोई गाड़ी हो या सरकार... डबल इंजन लगता है तो उसकी स्पीड कई गुना बढ़ जाती है। पहले जब कर्नाटक के विकास की चर्चा होती थी तो ये बड़े शहरों तक ही सीमित रहती थी, लेकिन हमारी सरकार विकास को कर्नाटक के गांवों तक... टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंचाने का काम कर रही है। वो दिन दूर नहीं, जब भारत के नागरिक 'मेड इन इंडिया' वाले विमान में प्रवास करेंगे।

भाजपा की सरकार गांव-गरीब और किसान की सरकार है, भाजपा की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम करने वाली सरकार है। भाजपा की सरकार माताओं-बहनों के स्वाभिमान, माताओं-बहनों के लिए अवसर और माताओं-बहनों के सशक्तिकरण के रास्ते पर चलने वाली सरकार है।

भारत का यह अमृतकाल विकसित भारत बनाने का काल है। आजादी के बाद पहली बार यह अवसर आया है, पूरी दुनिया में भारत की गूंज सुनाई दे रही है। हमें मिलकर आगे बढ़ना है, मिलकर चलना है, हमें एक साथ चल कर हमारे कर्नाटक के लोगों के सपनों को पूरा करना है।

इसके अलावा पीएम मोदी शिवमोगा में दो रेल परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें शिवमोगा-शिकारीपुरा-रानेबेन्नूर नई रेलवे लाइन और कोटेगंगुरु रेलवे कोचिंग डिपो शामिल हैं। शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-रानेबेन्नूर रेलवे लाइन 990 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी। यह बेंगलुरू-मुंबई मेनलाइन के साथ मलनाड क्षेत्र को एडवांस कनेक्टिविटी देगी।

वहीं, शिवमोगा शहर में कोटेगंगुरु रेलवे कोचिंग डिपो को 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से डेवलप किया जाएगा। जिससे शिवमोगा से नई ट्रेनों का परिचालन शुरू करने में मदद मिल सके।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने बेलगावी में 2,700 करोड़ की विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने किसान सम्मान निधि की 13वीं किस्त जारी की।

आईपीएल से बाहर हो सकते हैं बुमराह

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने पर भी संशय

वनडे वर्ल्ड कप में कर सकते हैं वापसी

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2023 से बाहर हो सकते हैं। वहीं अगर भारत वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो उनके खेलने पर संशय है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल इंग्लैंड में जुलाई में होना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट उनकी चोट को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है। वह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं।

7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं बुमराह

एनसीए में रिहैब कर रहे हैं बुमराह

बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम से खेलते हैं। वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। वहां पर पिछले कुछ समय गेंदबाजी का अभ्यास भी कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी 2 मुकाबलों में खेलते हुए दिख सकते हैं, लेकिन चयनकर्ताओं ने उनकी फिटनेस के आधार पर किसी तरह का कोई खतरा ना उठाते हुए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। उसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह मार्च-अप्रैल में होने वाले आईपीएल से वापसी कर सकते हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि उनके फिट होने में समय लग सकता है।

टीम मैनेजमेंट का फोकस वर्ल्ड कप

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीएल 2023 और जून में खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी खेलने पर संशय है। ऐसे में बुमराह अब इस साल के अंत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट ने बुमराह को इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कराने का लक्ष्य रखा है। वनडे वर्ल्ड कप इस साल भारत में अक्टूबर- नवंबर में होना है।

7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं बुमराह

बुमराह पिछले 7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने आखिरी मैच सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में खेला था।

दरअसल पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर बुमराह को पीठ में परेशानी सामने आई थी। स्ट्रैस फ्रेक्चर की वजह से बुमराह एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में वापसी की, लेकिन 2 मैच के बाद ही वह बाहर हो गए। इसके बाद टी-20 वर्ल्ड कप से भी बुमराह पूरी तरह से बाहर हो गए थे।

विनेश फोगाट की योगेश्वर दत्त पर कार्रवाई की मांग

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष को समर्थन देने, तथ्यों को लीक करने के लगाए आरोप; दोनों कमेटियों में सदस्य

पानीपत, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर देश के पहलवानों द्वारा लगाए गए शारीरिक शोषण के गंभीर आरोपों के मामले में बड़ा मोड़ आया है। विनेश फोगाट ने एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मामले की जांच कर रही दोनों कमेटियों में शामिल एक सदस्य यौन उत्पीड़न की शिकायत के तथ्य लीक कर रहा है।

ऐसा उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स पढ़कर पता चला है। इसीलिए उस सदस्य पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तुरंत समिति से हटाया जाना चाहिए। विनेश फोगोाट ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को ट्वीट में टैग किया है।

गौरतलब है कि आईओए और स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री द्वारा बनाई कमेटियों में मैरीकॉम को अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि दोनों कमेटियों में एकमात्र हरियाणा के पहलवान योगेश्वर दत्त ही शामिल हैं। जिन पर विनेश पहले भी निशाना साध चुकी हैं।

फिर हुआ पहलवानों में दंगल

योगेश्वर दत्त, जांच कमेटियों के सदस्य

विनेश फोगाट, शिकायतकर्ता पहलवान

विनेश के ट्वीट में ये लिखी मुख्य बातें

विनेश फोगाट में ट्वीट में लिखा कि- मुझे हाल ही में पता चला है कि ओवर साइट कमेटी का एक खिलाड़ी सदस्य कथित तौर पर कल से यौन उत्पीड़न की शिकायत की सामग्री को लीक कर रहा है। ऐसा उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स पढ़ कर पता लगा है।

एक खिलाड़ी होने के नाते यह देखना बेहद निराशाजनक है कि ओवर साइट कमेटी के एक साथी खिलाड़ी सदस्य ने इतनी लापरवाही से व्यवहार किया है। महिलाओं के प्रति उनका रवैया इस तरह के व्यवहार से स्पष्ट होता है।

निष्पक्ष जांच होनी चाहिए थी, निराशा महसूस कर रही हूं

उन्होंने कहा कि यह और भी भयावह है कि यह खिलाड़ी WFI के उच्च पदस्थ पदाधिकारियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने वाली दोनों समितियों का सदस्य है। इसने समिति की कार्रवाई के प्रति गहरा अविश्वास पैदा किया है।

मैं इस समिति के सदस्य से न केवल कमजोर, बल्कि रणनीतिक प्रयासों से निराशा महसूस कर रही हूं। इस मामले की निष्पक्ष और न्यायपूर्ण जांच होनी चाहिए थी। मैं अनुरोध करती हूं कि सदस्य के खिलाफ इस तरह से अपने पद का उपयोग करने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें तुरंत समिति से हटा दिया जाए।

पहले दिन से महिलाओं के हितों के खिलाफ है सदस्य

विनेश ने कहा कि चिंता केवल इस जांच की कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि मुझे यकीन है कि पूर्व अध्यक्ष को इस सदस्य का समर्थन मिल रहा है। यह सदस्य पहले दिन से महिलाओं के हितों के खिलाफ काम कर रहा है।

समिति की कार्रवाई के दौरान इस खिलाड़ी द्वारा प्रदर्शित सहानुभूति की कमी और असंवेदनशीलता चौंकाने वाली थी। मैं अनुरोध करती हूं कि इस मामले की जांच की जाए और आवश्यक कार्रवाई तुरंत की जाए।

मेरठ में पहली बार होगा राष्ट्रीय महिला हॉकी का संग्राम

मार्च में विभिन्न राज्यों की 13 टीमें लेंगी हिस्सा

मेरठ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मेरठ में 1 मार्च से 15 मार्च तक कैलाश प्रकाश स्टेडियम में पहली बार राष्ट्रीय महिला हॉकी का मुकाबला होने जा रहा है। इसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की 13 टीमें शामिल होंगी।

मेरठ के कैलाश प्रकाश स्टेडियम में नवनिर्मित हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान बनने के बाद जिले में पहली राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता होने जा रही है। उत्तर प्रदेश खेल विभाग द्वारा 1 मार्च से तक राष्ट्रीय महिला हॉकी प्राइजमनी प्रतियोगिता होगी। रविवार को कैलाश प्रकाश स्टेडियम में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी योगेंद्रपाल सिंह ने

प्रेसवार्ता करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया प्रतियोगिता में देश के अलग अलग राज्यों की 13 टीमें शामिल होंगी। जिनके बीच 19 मैच होंगे, 15 लीग मैच, 2 सेमीफाइनल, व तीसरे नंबर के लिए एक मैच और अंत में फाइनल होगा। 100 खिलाड़ी राष्ट्रीय और 20-25 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जिनमें भारतीय हॉकी टीम को सदस्य वंदना कटारिया, रानी रामपाल सहित कई महिला खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं।

विजेता को 2 लाख और उपविजेता को 1 लाख रुपए वितरित होंगे। प्रति खिलाड़ी को 400 रुपए प्रति डाइट का मिलेगा। भारतीय हॉकी संघ द्वारा 12 तकनीकी अधिकारी प्रतियोगिता कराएंगे। मेरठ में पहली बार खेल विभाग हॉकी प्रतियोगिता हो रही है।

हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान संचालित होने के बाद यह पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता होने जा रही है। लखनऊ छात्रावास, एसएसबी लखनऊ, साई सेंटर लखनऊ, नॉर्दन रेलवे और मध्य प्रदेश की टीम से कई बड़े नाम खेल सकते हैं।

'हरमनप्रीत को जिम्मेदारी से दौड़ना चाहिए था'

विमेंस टी-20 वर्ल्ड चैंपियन एलिसा हीली बोलीं- कोशिश में कमी के कारण रनआउट हुईं हरमन

खेल डेसक, 27 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप विनिंग विकेटकीपर बैटर एलिसा हीली ने कहा कि हरमनप्रीत थोड़ा और एफर्ट लगाकर दौड़ती रन पूरा कर लेतीं। वह बोलीं कि हरमन को जिम्मेदारी से दूसरा रन लेना चाहिए था। अगर वे थोड़ा बेहतर एफर्ट लगातीं तो थ्रो आने से पहले ही रन पूरा कर लेतीं। न ही उनका बैट पिच में अटकता और न ही वे रन आउट होतीं।

हरमन ने बताया था खुद को अनलकी

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अहम मौके पर रनआउट हो गई थीं। दूसरा रन पूरा करने के दौरान उनका बैट पिच में अटक गया और वे रन पूरा नहीं कर सकी थीं। मैच के बाद हरमन ने कहा था कि वे अनलकी रही और किस्मत खराब थी। अगर बैट नहीं अटकता तो वे रन पूरा कर लेतीं और नतीजा कुछ और भी हो सकता था।

इस रनआउट से पहले भारत को 33 बॉल पर 41 रन की जरूरत थी। रनआउट के बाद टीम इंडिया 32 बॉल में 34 रन ही बना सकी और 5 रन से मैच हार गई।

'आप पूरी जिंदगी अनलकी हो सकते हो'

उन्होंने कहा कि आप पूरी जिंदगी किस्मत को वजह बता कर खुद को अनलकी बता सकते हो। लेकिन, हरमन अगर थोड़ा जिम्मेदारी से रन लेने के लिए दौड़तीं और निश्चित ही थ्रो आने से पहले क्रीज पार कर जातीं।

उन्होंने दूसरा रन बहुत ढीले तरीके से लिया। वे क्रीज तक पहुंच भी गईं, लेकिन उनका बैट अटक गया और वह आउट हो गईं। वर्ल्ड कप जैसे मोमेंट्स में आप अपने एफर्ट में कमी नहीं दिखा सकते। इस तरह की सिचुएशन में आपको पूरी एनर्जी और पूरे एफर्ट लगाकर खेलना होता है।

हीली ने ही उड़ाई थीं गिल्लियां

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सेमीफाइनल में 15वें ओवरर की चौथी बॉल पर हरमनप्रीत कौर रन आउट हुईं। ऑस्ट्रेलियाई फील्डर के थ्रो पर कीपर हीली ने ही गिल्लियां उड़ा दी थीं। हरमन 34 बॉल में 52 रन बनाकर आउट हुईं और अपनी टीम को मैच जिताकर फाइनल में नहीं पहुंचा सकीं।

ऑस्ट्रेलिया ने ही जीता वर्ल्ड कप

भारत को सेमीफाइनल में हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। टीम ने फाइनल में साउथ अफ्रीका को 19 रन से हराया। एलिसा हीली ने मैच में 18 रन बनाए। जबकि 74 रन की नाबाद पारी खेलने वाली ओपनर बेथ मूनी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

फॉलोऑन खेलकर कीवी ने दूसरे टेस्ट में बनाए 483 रन

इंग्लैंड को दिया 258 का टारगेट, केन विलियमसन ने शतक ठोका

वेलिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड पर जीत के लिए 210 रन चाहिए। न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन में खेली जा रही घरेलू सीरीज के दूसरे टेस्ट में फॉलोऑन खेलते हुए केन विलियमसन के शानदार शतक की मदद से दूसरी पारी में 483 बना दिए और इंग्लैंड को 258 रनों का टारगेट दिया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 1 विकेट खोकर 48 रन बना लिए हैं।

चौथे दिन 7 विकेट खोकर न्यूजीलैंड ने 281 रन जोड़े

न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन के 202/3 के स्कोर से आगे खेलते हुए चौथे दिन सात विकेट खोकर दूसरी पारी में 281 रन जोड़े। ड्रिंक्स तक न्यूजीलैंड ने 4 विकेट खोकर 100 ओवर में 262 रन बनाए। लंच तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 325 रन बना लिए थे। उसके बाद ड्रिंक्स तक 127

विलियमसन ने टेस्ट का 26वां शतक लगाया

ओवर में न्यूजीलैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 10 विकेट खोकर दूसरी पारी में 162.3 ओवर में 483 रन बनाए।

केन विलियमसन ने निकोलस, मिशेल और ब्लंडेल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी निभाई

केन विलियमसन ने पहले हेनरी निकोलस के साथ चौथे विकेट के लिए 153 गेंदों पर 50 रन की पार्टनरशिप की। निकोलस 29 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद विलियमसन ने डेरिल मिशेल के साथ 62 गेंदों पर फिर 50 रन की पार्टनशिप की। मिशेल ने 62 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का 7वां अर्धशतक लगाया। मिशेल 54 गेंदों पर 54 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं छठे विकेट के लिए विलियमन ने टॉम ब्लंडेल के साथ टीम के लिए 58 गेंदों पर तीसरी अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। ब्लंडेल ने 80 गेंदों पर 50 रन पूरे किए। ब्लंडेल ने मैच में 166 गेंदों का सामना किया और 90 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके लगाए। ये उनके टेस्ट करियर का 10वां अर्धशतक है।

विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

विलियमसन ने मैच में 26वां शतक लगाया और वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। विलियमसन ने पूर्व कीवी बल्लेबाज रॉस टेलर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने 112 टेस्ट में 44.66 की औसत से 7,683 रन बनाए हैं। विलियमसन के टेस्ट क्रिकेट में अब 53.34 के औसत से 7,787 रन हो गए हैं। उन्होंने इंजमाम उल हक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इंजमाम ने टेस्ट क्रिकेट में 25 शतक लगाए हैं। विलियमयन ने पहले 148 गेंदों पर 50 रन पूरे किए और उसके बाद 226 गेंदों पर 8 चौके और 6 छक्के की मदद से अपनी सेंचुरी पूरी की। उन्होंने 232 गेंदों पर 132 रन की पारी खेल कर न्यूजीलैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

जैक लीच ने पांचवीं बार लिए 5 विकेट

वहीं इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज जैक लीच ने मैच में 61.3 ओवर गेंदबाजी की और 12 मेडन ओवर के साथ 157 रन दिए। उन्होंने न्यूजीलैंड के 5 बल्लेबाजों को आउट किया। ये उनके टेस्ट करियर का पांचवां फाइव विकेट हॉल है। वे 33 टेस्ट में 34.28 की औसत से 120 विकेट ले चुके हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 5/66 की रही है। उन्होंने एक बार टेस्ट की दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट भी झटके हैं। उनकी इकोनॉमी 3.02 की रही है।

ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टूर्नामेंट : आखिरी ओवर में 4 रन नहीं बने, 5 विकेट गिरे

खेल डेसक, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आखिरी ओवर में 6 गेंदों पर तस्मानिया की गेंदबाज साराह कोयटे ने 3 विकेट लिए। 2 बल्लेबाज रनआउट हो गए। ये तस्वीर उसी मैच की है। ऐसे ही नहीं कहा जाता कि क्रिकेट में आखिरी गेंद तक बाजी पलट जाती है। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे महिलाओं के घरेलू मैच के दौरान ऐसा ही हुआ। महिलाओं की घरेलू सीरीज के फाइनल में साउथ ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबला शनिवार को होबार्ट के बेलेरिव ओवल मैदान पर खेला जा रहा था। आखिरी ओवर में साउथ ऑस्ट्रेलिया को 4 रन चाहिए थे। उसके 5 विकेट भी बचे थे, लेकिन सारे विकेट गिर गए और तस्मानिया एक रन से मुकाबला जीत गई।

साराह कोयटे ने 3 विकेट लिए, 2 रनआउट हुए...जानिए हर बॉल का रोमांच

तस्मानिया की ओर से गेंदबाज साराह कोयटे ने आखिरी ओवर में तीन विकेट लिए और दो खिलाड़ी रन आउट हुए।

पहली गेंदः कोयटे ने ओवर की पहली गेंद पर एनी ओ'नील को बोल्ड किया।

दूसरी गेंदः बल्लेबाज ने एक रन लिया।

तीसरी गेंदः साउथ ऑस्ट्रेलिया की कप्तान जेम्मा बार्स्बी क्रीज से आगे निकल आईं और विकेटकीपर ने स्टंपिंग कर दी।

चौथी गेंदः बल्लेबाज अमांडा-जेड वेलिंगटन ने सीधा शॉट मारा। गेंद कोयटे के हाथ से टकराकर स्टंप में जाकर लगी। नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़ी बल्लेबाज रन आउट हो गईं।

पांचवीं गेंदः कोयटे ने इनस्विंगर पर एला विल्सन को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

छठी गेंदः साउथ ऑस्ट्रेलिया को तीन रन चाहिए थे, लेकिन टीम एक रन ही बना सकी और बैटर अनेसु मुशंगवे भी रन आउट हो गई।

तस्मानिया ने बनाए थे 264 रन, बारिश के बाद टारगेट 242 हो गया

तस्मानिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 264 रन बनाए। बारिश की वजह से दूसरी पारी के 3 ओवर कम कर दिए। साउथ ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 47 ओवर में डकवर्थ-लुईस मेथड के तहत 242 रन का टारगेट मिला। टीम 241 रन ही बना पाई।

2 विकेट लेते ही कपिल देव को पछाड़ देंगे अश्विन

अपने नाम दर्ज करेंगे ये बड़ा रिकॉर्ड

खेल डेसक, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत इंदौर में तीसरा टेस्ट मैच होना है। 1 मार्च से शुरू होने वाले इस मुकाबले में कई रिकॉर्ड बनेंगे और टूटेंगे। टीम इंडिया के लिए रविचंद्रन अश्विन के पास कमाल करने का बड़ा मौका है। वह 2 विकेट लेते ही दिग्गज आलराउंडर रहे कपिल देव को इंटरनेशनल विकेट लेने के मामले में पीछे छोड़ देंगे।

टीम इंडिया को पहला विश्वकप जिताने वाले कपिल देव के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 356 मैचों की 448 पारियों में 687 विकेट हैं। वहीं अश्विन 268 मैचों की 346 पारियों में 686 विकेट ले चुके हैं।

अब 1 विकेट लेकर वह कपिल देव की बराबरी करेंगे। अगर 2 विकेट ले लेते हैं तो कपिल देव को पीछे छोड़ देंगे। ऐसा करते ही टीम इंडिया के लिए अश्विन इंटरनेशल क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन जाएंगे।

भारत की तरफ से सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले टॉप 5 गेंदबाज

अनिल कुंबले- 956, हरभजन सिंह- 711, ***कपिल देव- 687, आर अश्विन- 686,*** जहीर खान- 597

रविचंद्रन अश्विन टीम इंडिया के अहम खिलाड़ी हैं। वह एक बेहतर आलराउंड हैं। जो गेंद और बल्ले दोनों से धमाल मचाते हैं। वह भारत के लिए 90 टेस्ट में 463 जबकि 113 वनडे में 151 और 65 टी20 में 72 विकेट ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर के तहत खेले गए पिछले 2 मुकाबलों में कुल 14 विकेट ले चुके हैं। नागपुर टेस्ट में उन्होंने जबकि दिल्ली टेस्ट में 6 विकेट निकाले थे।

10 रन पर ऑलआउट हो गई टीम

टी-20 में सबसे कम स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड, 7 बल्लेबाज जीरो पर आउट

कार्टाजेना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आइल ऑफ मैन देश की टीम ने -20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। 26 फरवरी को स्पेन के खिलाफ 6 टी-20 मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में पूरी टीम 8.4 ओवर में सिर्फ 10 रन पर ढेर हो गई। जवाब में स्पेन ने 0.2 ओवर में बिना विकेट खोए 13 रन बनाकर मैच जीत लिया। स्पेन ने यह सीरीज 5-0 से अपने नाम की।

सिडनी थंडर के नाम था सबसे कम रन का रिकॉर्ड

इससे पहले टी-20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के नाम था। 2022-23 के सीजन में सिडनी की टीम ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ 15 रन पर ढेर हो गई थी।

7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके

आइल ऑफ मैन के 7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। जोसेफ बरोज ने सबसे ज्यादा 4 रन बनाए। स्पेन की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज अतीफ महमूद ने 4 ओवर में 6 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके दो ओवर मेडन भी रहे। उनके अलावा मोहम्मद कामरान ने 3 और लोर्न बर्न्स ने 2 विकेट लिए।

तुर्की के चार साल के रिकॉर्ड को तोड़ा

आइल ऑफ मैन ने इंटरनेशनल टी-20 में तुर्की के सबसे कम स्कोर के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। चार साल पहले 2019 में इलफोव काउंटी में चेक रिपब्लिक के खिलाफ तुर्की की टीम 21 रन पर ऑलआउट हुई थी। वहीं, आइल ऑफ मैन का पिछला सबसे कम स्कोर 66 रन का था जो उसने 25 फरवरी के खिलाफ स्पेन के खिलाफ ही 6 मैचों की सीरीज के 5वें मैच में बनाया था।

आइल ऑफ मैन ने स्पेन के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 81 रन से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा मैच बारिश की वजह से धुल गया। तीसरे मैच को स्पेन ने 8 विकेट से और चौथा मैच 6 विकेट से जीता। पांचवें मैच में स्पेन ने 7 विकेट से बाजी मारी। छठे और आखिरी मैच को स्पेन ने 10 विकेट से जीत लिया।

आइल ऑफ मैन ने अब 8 टी-20 जीते हैं

आइल ऑफ मैन ने अब तक 16 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। इसमें 8 में उसे जीत मिली और 7 में हार का सामना करना पड़ा है।

एक मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। टीम ने साइप्रस के खिलाफ अपने तीनों मैच जीते, जबकि उन्होंने एस्टोनिया को दो बार हराया। एक- एक बार रोमानिया, सर्बिया और तुर्की को भी हराया है।

सरकार सभी योग्य गरीब लोगों को घर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : केटीआर

बीआरकेआर भवन में हाउस साइट्स कैबिनेट सब कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाउस साइट्स कैबिनेट सब कमेटी की बैठक आज बीआरकेआर भवन में नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामा राव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राज्य में सभी पात्र लाभार्थियों को आवास स्थल उपलब्ध कराने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जीओ 58, जीओ 59, सादा बैनामा, नोटरीकृत दस्तावेज, धर्मस्व/वक्फ भूमि आदि के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वित्त मंत्री टी हरीश राव, पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, पंचायत राज मंत्री ई दयाकर राव, शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, श्रम मंत्री सीएच मल्ला रेड्डी, परिवहन मंत्री पुव्वदा अजय कुमार, आबकारी मंत्री श्रीनिवास गौड़, मुख्य सचिव शांति कुमारी, विशेष सीएस सिंचाई रजत कुमार, विशेष सीएस वित्त के रामकृष्ण राव, विशेष सीएस एमएयूडी अरविंद कुमार और अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। मंत्री के टी रामाराव ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि सरकार राज्य में सभी पात्र गरीब लोगों को घर या घर की जगह उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे एक करोड़ परिवारों को लाभ होगा। वर्ष 2014 में 1.25 लाख से अधिक लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए गए थे। जीओ 58 के तहत 20,685 आवासों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उपसमिति ने आवास स्थल के पट्टे जारी करने में तेजी लाने का निर्देश दिया। मंत्री केटीआर ने अधिकारियों को 'लोग पहले' नीति के साथ आने का निर्देश दिया, जिसमें गरीबी रेखा से नीचे के लोग आवासीय उद्देश्य के लिए कब्जे में हैं। हाउस साइट पट्टा जारी करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। शहरी क्षेत्रों में अधिक प्रचलित नोटरीकृत दस्तावेजों का उल्लेख करते हुए, कैबिनेट उप समिति ने अधिकारियों को प्रक्रिया और समयबद्ध कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए बाध्य किया।

समिति ने सभी अधिकारियों से "गरीब समर्थक" दृष्टिकोण अपनाने और सभी पात्र मामलों में सभी औपचारिकताओं को पूरा करने में तेजी लाने का अनुरोध किया।

मृतक मेडिको के परिवार का आरोप : यह आत्महत्या नहीं हत्या है

दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग, अंतिम संस्कार में छाया रहा मातम

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय मेडिकल कॉलेज में अपने वरिष्ठ द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण आत्महत्या करने वाली मेडिकल छात्रा धारावती प्रीति के परिवार ने सोमवार को दावा किया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि एक हत्या है। परिजनों ने दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की। वारंगल के काकतीय मेडिकल कॉलेज (केएमसी) में एनेस्थीसिया विभाग में पोस्ट ग्रेजुएट (एमडी) की प्रथम वर्ष की छात्रा प्रीति ने कथित तौर पर घातक इंजेक्शन लेने के पांच दिन बाद रविवार रात हैदराबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। 26 वर्षीय छात्रा का अंतिम संस्कार आज दोपहर जनगांव जिले के गिरनी थांडा में किया गया।

प्रीति के परिवार ने हालांकि मांग की कि अधिकारी यह बताएं कि 21 और 22 फरवरी की रात को उसके साथ क्या हुआ था, जब वह वारंगल के एमजीएम अस्पताल में ड्यूटी पर थी। उसके पिता नरेंद्र ने दावा किया कि प्रीति ने आत्महत्या नहीं की बल्कि उसकी हत्या की गई है। यह आरोप लगाते हुए कि किसी ने उनकी बेटी को घातक इंजेक्शन दिया, उन्होंने पुलिस से इस कोण से जांच करने की मांग की।

रेलवे सुरक्षा बल में सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र ने कहा कि उनकी बेटी कायर नहीं थी जो अपनी जीवन लीला समाप्त कर ले। उन्होंने यह भी मांग की कि काकतीय मेडिकल कॉलेज (केएमसी) में एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख को निलंबित करने के बाद ही सिटिंग जज द्वारा जांच की जाए। प्रीति की बहन पूजा ने कहा कि दोषियों को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें फांसी दी जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी और लड़की को इसका सामना न करना पड़े। अंतिम संस्कार में कुछ राजनीतिक दलों, छात्र समूहों और आदिवासी संगठनों के नेताओं ने भाग लिया। मदिगा आरक्षण पोराटा समिति (एमआरपीएस) के नेता मंदा कृष्णा मदिगा भी उपस्थित थे। प्रीति की बहन ने कहा कि चूंकि कॉलेजों में सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर्स को परेशान करना आम बात है, उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह मामला इतना गंभीर मोड़ ले लेगा। उसने कहा कि उसकी बहन, गलत सवाल करने के लिए उसके स्वभाव में थी और वह दूसरों की

तरह नहीं थी जो वरिष्ठों द्वारा परेशान किए जाने के बाद समझौता कर लेते हैं। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कहा कि मैंने उससे कहा कि अगर तुम इसे सहन नहीं कर सकते, तो बस उसे थप्पड़ मारो और घर आ जाओ। टेंशन मत लो। कुछ न होगा। हम ध्यान रखेंगे। गौरतलब है कि प्रीति तीन बहनों में सबसे छोटी थी। नलगोंडा के कामिनेनी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस पूरा करने के बाद, प्रीति ने केएमसी में पीजी की सीट हासिल की थी और उसकी कक्षाएं नवंबर में शुरू हुई थीं।

वारंगल पुलिस ने 24 फरवरी को प्रीति के सीनियर एम. ए. सैफ को एनेस्थीसिया विभाग में द्वितीय वर्ष के छात्र के रूप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कहा कि प्रीति को उसके वरिष्ठ द्वारा लक्षित उत्पीड़न ने उसे आत्महत्या का प्रयास करने के लिए प्रेरित किया हो सकता है। पुलिस ने सैफ पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। उन पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और एंटी-रैगिंग अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। वारंगल के पुलिस आयुक्त ए. वी. रंगनाथ ने कहा कि अपमानजनक व्यवहार भी रैगिंग के अंतर्गत आता है। पुलिस के मुताबिक, सैफ एक व्हाट्सएप ग्रुप में उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कर रहा था।

डॉ. प्रीति की मौत के किसी भी आरोपी को नहीं बख्शेगी सरकार : केटीआर

हनुमाकोंडा, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय मेडिकल कॉलेज वारंगल में अपने वरिष्ठ छात्र के उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ होने के कारण जहरीला निषेधाज्ञा लेकर आत्महत्या करने वाली पीजी मेडिकल छात्रा डॉ. प्रीति की मौत के जवाब में, आईटी मंत्री एंड इंडस्ट्रीज केटी रामाराव ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी आरोपी को नहीं बख्शेगी और कानून के मुताबिक उसके लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करेगी।

शिलान्यास समारोह में भाग लेने के बाद सोमवार को जिले के सोडासपल्ली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, मंत्री केटी रामाराव ने प्रीति के परिवार के सदस्यों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और आश्वासन दिया कि सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने प्रीति की मौत को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और विपक्षी दलों पर उनकी मौत का राजनीतिकरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केटी रामा राव ने जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी दलों के 'विच हंटिंग' के लिए केंद्र सरकार को लताड़ा और स्पष्ट किया कि वे इन धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडानी समूह द्वारा शेयर बाजार में हेरफेर और धोखाधड़ी की जांच कराकर अपनी ईमानदारी साबित करें।

हड्डी रोग विशेषज्ञ मजहरुद्दीन अली खान ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध आर्थोपेडिक विशेषज्ञ मजहरुद्दीन अली खान ने सोमवार को बंजारा हिल्स स्थित अपने घर में लाइसेंसी हथियार से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। ओवैसी अस्पताल में काम करने वाले मजहर अली एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की दूसरी बेटी के ससुर हैं। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) जोएल डेविस ने कहा कि यह घटना दोपहर के करीब तब सामने आई जब मजहरुद्दीन अली खान अस्पताल या अन्य संपर्कों से फोन कॉल का जवाब देने में विफल रहे। डॉक्टर के फोन न उठाने से चिंतित, उनके कुछ

परिचितों ने घर पर नौकरानियों को सतर्क किया, जिन्होंने कमरे की जाँच की और उन्हें खून से लथपथ पाया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 'प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। उसके पास .32 पिस्टल थी। हथियार जब्त कर लिया गया है। आगे की जांच चल रही है। कुछ महीने पहले मजहर अली के खिलाफ उसकी पत्नी की शिकायत पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया गया था। आर्थोपेडिक डॉक्टर नौकरों सहित अपने घर से अलग रहता था। सूचना मिलने पर बंजारा हिल्स पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और सुराग टीम ने अपराध स्थल का दौरा किया।

नवीन हत्याकांड में अहम खुलासा

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र नवीन की सनसनीखेज हत्याकांड में कई अहम बातें सामने आई हैं। हत्या के मामले में पुलिस की रिमांड रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले के आरोपी हरिहर कृष्ण ने तीन महीने पहले नवीन की हत्या की योजना बनाई और कहा कि आरोपी ने अपनी नापाक योजना को अंजाम देने के लिए मलकपेट के एक सुपर मार्केट में चाकू खरीदा। रिमांड रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने इस महीने की 17 तारीख को नवीन की बेरहमी से हत्या कर दी और कहा कि पीड़ित और आरोपी ने हत्या से कुछ घंटे पहले पेड्डा अंबरपेट में शराब का सेवन किया था। शराब पीने के दौरान गर्लफ्रेंड की बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। आरोपी हरिहर कृष्ण ने नवीन का गला दबा कर हत्या कर दी और बाद में उसका सिर, उंगलियां और शरीर के अन्य हिस्से काट दिए। उसने शरीर के सभी अंगों को अपने बैग में रखा और अपराध स्थल से फरार हो गया। उसने बैग को ब्राह्मणपल्ली में एक सुनसान जगह पर फेंक दिया। आरोपी बाद में अपने दोस्त हसन के घर गया और वहां नहा-धोकर कपड़े बदले। उसने हसन और उसकी गर्ल फ्रेंड को नवीन की हत्या के बारे में बताया। बाद में वह वारंगल, कोडाद, खम्मम और वैजाग गया। वह इसी महीने की 24 फरवरी को शहर लौटा और पीड़िता के शरीर के अंगों को जला दिया। आरोपी ने उसी दिन पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था।

दमरे महाप्रबंधक ने की सुरक्षा व ट्रेन संचालन पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ पूरे जोन में सुरक्षा और ट्रेन संचालन की समयबद्धता पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। श्री जैन ने ट्रेन संचालन को सुगम बनाने के लिए पूरे जोन में चल रहे सुरक्षा संबंधी कार्यों, नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों, ट्रैफिक ब्लॉक और पावर ब्लॉक

को मजबूत करने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों की आवाजाही में किसी भी तरह की बाधा के बिना कार्यों की योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने समपार फाटकों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और समपार फाटकों पर दृश्यता में सुधार के लिए कार्रवाई करने पर बल दिया। जब तक समपार फाटक सड़क यातायात के लिए खुला रहता है, दिन के समय में लाल झंडा और रात के समय समपार फाटकों के दोनों ओर लाल बत्ती जलाई जानी चाहिएष उन्होंने जोन में दोहरीकरण, विद्युतीकरण और तीसरी लाइन के कार्यों की चल रही परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की अंतिम मील कनेक्टिविटी पर विशेष रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि ट्रेन यातायात की आवाजाही सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर यात्री ट्रेनों की समयबद्धता सुनिश्चित करने की सलाह दी।

महिलाओं को सुरक्षा देने में राज्य सरकार विफल : सुनीता राव

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता राव ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार तेलंगाना की महिलाओं को सुरक्षा मुहैया कराने में विफल रही है। काकतीय मेडिकल कॉलेज की पीजी मेडिकल छात्रा प्रीति की मौत का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि प्रीति के मामले में पुलिस जांच में देरी के कारण उनकी मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस कर्मी आरोप-प्रत्यारोप में हमेशा आगे रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे प्रीति के परिवार के सदस्यों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर डीजीपी कार्यालय का घेराव करेंगी। उन्होंने पुलिस से पूछा कि जब प्रीति उनसे न्याय मांग रही थी तो वे क्या कर रहे थे? उन्होंने राज्य सरकार से राज्य के सभी पुलिस कर्मियों को परामर्श प्रदान करने के लिए कहा। राव ने कहा कि पुलिस को सीएम और राज्य के मंत्रियों के चक्कर नहीं लगाने देना चाहिए। अगर सीएम केसीआर के परिवार में इसी तरह की घटना होती तो क्या पुलिस उसी तरह की प्रतिक्रिया देती? उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य के डीजीपी से जवाब मांगा है। राज्य के मेडिकल कॉलेजों की स्थिति के बारे में बात करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि सभी मेडिकल कॉलेज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं के नियंत्रण में है और उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या उनकी पार्टी की नेता सोनिया गांधी ने केवल राज्य की असुरक्षित स्थिति को देखने के लिए अलग तेलंगाना राज्य बनाया था। राज्य के मंत्री केटीआर पर निशाना साधते हुए, उन्होंने मंत्री से अपने ट्विटर हैंडल पर विभिन्न मुद्दों पर ट्वीट पोस्ट करने के बजाय महिला सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। प्रतिद्वंद्वी राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार की हालिया टिप्पणियों की आलोचना करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि बंडी संजय प्रीति की दुखद घटना को लव जिहाद का रंग देकर इस मुद्दे पर सांप्रदायिक राजनीति कर रहे थे। सुनीता राव ने कहा कि वे मंगलवार से इस मुद्दे पर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगी।

नागार्जुन सागर के पास फांसी पर लटकी मिली किशोरी

नलगोंडा, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह नेरेदुगुम्मा मंडल के कचाराजुपल्ली में नागार्जुन सागरप्रोजेक्ट के बैकवाटर के पास एक किशोर लड़की और एक युवक के शव पेड़ से लटके पाए गए। दोनों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई थी। उनके शव एक पेड़ से लटके हुए मिले और घटनास्थल के पास कीटनाशक की बोतल भी मिली। आशंका जताई जा रही है कि इनकी मौत आत्महत्या से हुई है। मौके पर मिले दोपहिया वाहन के आधार पर पुलिस उनकी शिनाख्त के प्रयास कर रही थी।

जितना तेज विकास देखा, उतनी ही तेजी से तबाही

राजधानी बदलने से कारोबार ठप, जितनी बिक्री एक दिन में होती थी, अब सालभर में भी नहीं

अमरावती, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में अमरावती राजधानी का काम शुरू होने के बाद लोगों की जिंदगी जितनी तेजी से बदली और 2019 में काम रुकने पर उतनी ही तेजी से अर्श से फर्श पर आ गई। सिंगापुर की कंस्ट्रक्शन कंपनी की मदद से इसे विकसित किया जा रहा था। 517 फॉरेस्ट और 107 वाटर कवर वाली पहली राजधानी बनती। इस शहर को प्रदेश से जोड़ने के लिए 36 सड़कें बननी थीं।

इनमें कुछ 225 फीट तक चौड़ी थीं। 185 एकड़ में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के 5 टॉवर खड़े होने थे। रॉफ्ट फाउंडेशन के लिए जमीन पर 20 प्रतिशत मोटी कंक्रीट बिछाई गई। यह टॉवर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते। गांव के लोग कहते हैं, राजधानी का काम शुरू होते ही पूरा इलाका कंस्ट्रक्शन साइट में बदल गया था। 30 से 35 हजार बाहरी मजदूर आए। नए बाजार बने। लोग नए-नए बिजनेस शुरू कर रहे थे।

रेस्त्रां, शोरूम से लेकर तमाम

दुकानों पर ताले लटके मिले :

सरिया-सीमेंट और हार्डवेयर के कारोबारी मनोज कुमार कहते हैं, हमारा काम इतनी तेजी से चला कि मांग पूरा करने के लिए पांच गांवों में गोदाम खोलने पड़े। उस वक्त एक दिन में जितनी बिक्री होती थी, अब उतनी सालभर में नहीं हो रही। हम जब अमरावती के अन्य इलाकों में पहुंचे, तो रेस्त्रां, शोरूम से लेकर तमाम दुकानों पर ताले लटके मिले।

3 हजार प्रदर्शनकारी किसानों पर मामले

65 वर्षीय रामबाबू कहते हैं कि प्रदर्शन को लेकर हम पर मुकदमे किए गए। बेटे नरसिम्हा पर दो केस हैं। 400 से ज्यादा केस में करीब 3 हजार किसान नामजद हैं। धरना, मुकदमे और बिगड़ती हालत से हम सब तनाव में हैं। अमरावती प्रतिरक्षणा समिति के सदस्य श्री जय कृष्ण गुर्रम दावा करते हैं कि तनाव के चलते 4 साल में 100 से ज्यादा किसानों की मौत हार्ट अटैक से हुई है।

वे कहते हैं कि आंध्र प्रदेश रिऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2014 के अनुसार पहली सरकार को ही राजधानी तय करने का हक है। मौजूदा सरकार के पास राजधानी बदलने का हक नहीं है। हम सुप्रीम कोर्ट में जीतेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी मुखड़ा (के) सरपंच का सम्मान

आदिलाबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा स्वच्छ सुजल के दौरान बस्ती को खुले में शौच से मुक्त प्लेस मॉडल बनाने के लिए एकोदा मंडल के मॉडल गांव मुखरा (के) की सरपंच गाडगे मीनाक्षी को सम्मान के लिए चुना गया है. शक्ति सम्मान-2023 का आयोजन 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में किया जाएगा। वह एक ग्रामीण नागरिक निकाय की एकमात्र प्रमुख थीं जिन्हें तेलंगाना से सम्मान के लिए चुना गया है। मीनाक्षी ने इस सम्मान का श्रेय राज्य सरकार की अभिनव योजनाओं और विकासात्मक गतिविधियों को दिया है। उन्होंने कहा कि गांव कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने में सक्षम था और पल्ले प्रगति, मिशन भागीरथ, आदि जैसी योजनाओं की मदद से एक आदर्श ग्राम पंचायत बन गया। उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों की पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहयोग देने के लिए ग्रामीणों को धन्यवाद दिया।

72 घंटे में एमपी के दो दिहाड़ी मजदूरों की कुचलकर मौत

निर्मल, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को थानूर मंडल के खरबला गांव में सोमवार को मध्य प्रदेश के एक 26 वर्षीय प्रवासी दिहाड़ी मजदूर की कुचलकर मौत हो गई, जब वह गलती से लाल चने की कटाई कर रहा था। पिछले तीन दिनों में जिले में इस तरह की यह दूसरी मौत थी। थानूर उपनिरीक्षक बी. विक्रम ने बताया कि मृतक मजदूर मध्य प्रदेश का एम दिनेश था। हार्वेस्टर पार करते समय उसमें फंसने से दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। उनके कुछ सहयोगियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ वह कुछ हफ्ते पहले रोजी-रोटी की तलाश में थानूर चला गया था। वह कृषि गतिविधियों में लगा हुआ था। पीड़िता के भतीजे अरुण की शिकायत पर संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया गया है। जांच चल रही है। मुधोले मंडल के विठोली गांव में शुक्रवार को मध्य प्रदेश के प्रवासी मजदूर मनेश दुर्वे (22) की हार्वेस्टर में दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। वह 9 फरवरी को मूंग की फसल की कटाई का काम करने के लिए विठोली पहुंचे। उनकी एक पत्नी और दो बेटे थे। उसके भाई ने शिकायत दर्ज कराई और मामला दर्ज किया गया।

सीएम जगन ने शिक्षकों को शराब की दुकानों के सामने सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया : लोकेश

तिरुपति, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने रविवार को मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर हमला किया और कहा कि मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को शराब की दुकानों के सामने सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्य करने के लिए मजबूर किया।

शिक्षक समुदाय के अपमान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए लोकेश ने रविवार को कहा कि शिक्षक, जो पवित्र पेशे में हैं और भविष्य की पीढ़ियों को डिजाइन करते हैं, उन्हें शराब की दुकानों के सामने सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश टीचर्स फेडरेशन के नेताओं ने चंद्रगिरि विधानसभा क्षेत्र के भाग्यनगर कैंपसाइट में लोकेश से मुलाकात की और अपनी समस्याओं के बारे में बताया। नेता चाहते थे कि शिक्षकों के तबादले के लिए एक निश्चित नीति बने और हर महीने की पहली तारीख को उनके वेतन का भुगतान भी हो।

शिक्षकों के अनुसार चूंकि उनकी भविष्य निधि और उनके द्वारा बीमा के लिए भुगतान की गई राशि की कोई सुरक्षा नहीं है, इसलिए जब भी उन्हें धन की आवश्यकता हो, उन्हें भुगतान किया जाना चाहिए। शिक्षक यह भी चाहते थे कि टीडीपी शासन के दौरान चेहरे की पहचान प्रणाली को वापस ले लिया जाए और बायोमेट्रिक प्रणाली को फिर से शुरू किया जाए।

समस्याओं के जवाब में, लोकेश ने कहा, जगन मोहन रेड्डी सरकार को छोड़कर, अब तक उन शिक्षकों के खिलाफ मामले दर्ज नहीं किए गए, जिन्होंने अपनी वास्तविक मांगों के लिए लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने टीडीपी के फिर से सरकार बनने पर उनकी सभी मांगों को हल करने और एक दोस्ताना माहौल बनाने का वादा किया, जिसमें वे स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। लोकेश ने शराब की दुकानों के सामने सुरक्षा गार्ड जैसी ड्यूटी लगाने वाले शिक्षकों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समुदाय को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। साथ ही, सभी शैक्षणिक संस्थानों में अंग्रेजी और तेलुगु दोनों मीडिया को फिर से शुरू किया जाएगा। रविवार को अपनी पद यात्रा 'युवा गालम' शुरू करने से पहले, लोकेश ने तिरुचानूर में देवी पद्मावती के विशेष दर्शन किए। मंदिर परिसर में लोकेश के प्रशंसकों ने गज माला से उनका स्वागत किया।

इससे पहले लोकेश ने थानापल्ली में लेवल कॉजवे का दौरा किया। स्थानीय लोगों ने लोकेश को बताया कि पिछले नवंबर में क्षेत्र में आई बाढ़ में सेतु बह गया है।

कोंडागट्टू मंदिर चोरी : कर्नाटक से तीन गिरफ्तार

जगतियाल, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो गुरुवार देर रात कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर में कथित रूप से सेंध लगाकर 15 किलोग्राम चांदी लेकर फरार हो गए थे। पुलिस, जिसने चोरों को पकड़ने के लिए 10 विशेष टीमों का गठन किया था, ने सेल फोन टावर डंप की मदद से गिरोह की गतिविधियों पर नज़र रखी। कर्नाटक के बीदर के आस-पास के इलाकों में उन्हें ट्रैक करते हुए, चार टीमें शनिवार को बीदर गईं और रविवार को उनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से आठ किलोग्राम चांदी बरामद करने वाली पुलिस कथित तौर पर दो और संदिग्धों की तलाश कर रही है। चूंकि अभियुक्तों का चोरी का पिछला इतिहास था, उनका विवरण अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो में दर्ज किया गया था, जिससे पुलिस को फास्ट ट्रैक मोड पर मामले को सुलझाने में मदद मिली। पता चला है कि आरोपी, जो तत्कालीन मेडक जिले के नारायणखेड़ के पास एक थंडा के निवासी थे, तेलंगाना के विभिन्न स्थानों में चोरी के बाद बीदर में शरण ले रहे थे। पुलिस जल्द ही आरोपी को मीडिया के सामने पेश कर सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.